रेलवे गैर तकनीकी लोकप्रिय कोटि परीक्षा

RRB

General Knowledge

(Computer Based Test)

सामान्य ज्ञान

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

प्रधान सम्पादक

आनन्द कुमार महाजन

प्रस्तुति एवं टिप्पणीकार

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

सम्पादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

फोन : 9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/ www.yctfastbooks.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम साईं ऑफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 695/-

विषय-सूची

इतिहास (History) 11-173

■ प्राचीन इतिहास (Ancient History) 11-53
- पाषाण काल (Stone age) 11
- सिन्धु सभ्यता (Indus Civilization) 11
- वैदिक सभ्यता (Vedic Civilization) 15
- महाजनपद काल (Mahajanpada Period) 18
- जैन धर्म (Jainism) 19
- बौद्ध धर्म (Buddhism) 21
- पारसी/यहूदी धर्म (Zoroastrianism/Judaism) 26
- मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire) 27
- मौर्योत्तर काल (Post-Mauryan Period) 31
- गुप्त एवं गुप्तोत्तर साम्राज्य (Gupta and Post-Gupta Empire) 32
- दक्षिण भारतीय राजवंश (चोल/चालुक्य/पल्लव/संगम) [South Indian Dynasties (Chola/ Chalukya/Pallava/Sangama)] 35
- सीमावर्ती राजवंश (Borderline Dynasties) 37
- प्राचीनकालीन साहित्य एवं साहित्यकार (Ancient Literature and Litterateur) 38
- प्राचीनकालीन स्थापत्य कला/ चित्रकला/संगीतकला (Ancient Period Architecture/Painting/Music) 43
- राजपूत राजवंश (Rajput Dynasty) 51
- प्राचीनकालीन विविध (Ancient Period Miscellaneous) 52

■ मध्यकालीन इतिहास (Medieval History) 54-81
- अरब एवं तुर्की आक्रमण (महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी) (Invasion of Arab and Turks (Mahmud Ghaznavi, Muhammad Ghori) 54
- दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate) 54
  - गुलाम वंश (Slave Dynasty) 54
  - खिलजी वंश (Khilji Dynasty) 56
  - तुगलक वंश (Tughlaq Dynasty) 57
  - लोदी वंश (Lodi Dynasty) 58
- सल्तनत कालीन स्थापत्य एवं चित्रकला (Art and Architecture in Sultanate Period) 59
- विजयनगर/बहमनी साम्राज्य (Vijaynagar/Bahmani Empire) 59
- भक्ति एवं सूफी आंदोलन (Bhakti and Sufi Movement) 61
- मुगल काल (Mughal Period) 63
  - बाबर (Babur) 63
  - शेरशाह सूरी (Shershah Suri) 65
  - अकबर (Akbar) 66

- जहाँगीर (Jahangir).....69
- शाहजहाँ (Shah Jahan).....69
- औरंगजेब (Aurangzeb).....69
- उत्तरवर्ती मुगल शासक (Rulers of Later Mughal Period).....70

○ मुगल कालीन साहित्य (Literature during Mughal Period).....71
○ मुगल कालीन स्थापत्य एवं चित्रकला (Art & Architecture in Mughal Period).....72
○ सिक्ख धर्म (Sikhism).....78
○ मध्यकालीन विविध (Medieval Miscellaneous).....79

■ आधुनिक इतिहास (Modern History).....82-168

○ भारत में यूरोपियों का आगमन (Arrival of the Europeans in India).....82
○ मराठों का उदय एवं विकास (Rise and Development of Marathas).....85
○ स्वतंत्र राष्ट्र (मैसूर/बंगाल/पंजाब/ अवध) [Independent States (Mysore/Bengal/Punjab/ Awadh)].....86
○ औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था (Colonial Economy).....90
○ आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास (Development of Education in Modern India).....92
○ समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ (Newspapers and Magazines).....94
○ 1857 का विद्रोह (Revolt of 1857).....97
○ किसान विद्रोह एवं किसान आंदोलन (Peasant Revolt and Peasant Movements).....100
○ जनजातीय/अन्य प्रमुख आंदोलन (Tribal/Other Major Movements).....101
○ सामाजिक एवं धार्मिक आंदोलन (Social and Religious Movements).....102
○ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress).....108
○ बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन (Partition of Bengal & Swadeshi Movement).....113
○ मुस्लिम लीग (Muslim League).....115
○ दिल्ली दरबार (Delhi Darbar).....116
○ होमरूल आंदोलन (Homerule Movement).....117
○ क्रांतिकारी आंदोलन (Revolutionary Movement).....118
○ रॉलेट एक्ट (Rowlatt Act).....123
○ जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड (Jallianwala Bagh Massacre).....124
○ असहयोग/खिलाफत आंदोलन (Non-cooperation/ Khilafat Movement).....126
○ स्वराज पार्टी (Swaraj Party).....129
○ महात्मा गाँधी एवं उनके प्रारम्भिक आंदोलन (Mahatma Gandhi and his Initial Movement).....130
○ सविनय अवज्ञा आन्दोलन (Civil Disobedience Movement).....133
○ साइमन कमीशन (Simon Commission).....135
○ गाँधी-इरविन समझौता/गोलमेज सम्मेलन (Gandhi-Irwin Pact/Round Table Conference).....136
○ पूना पैक्ट (Poona Pact).....137
○ आजाद हिन्द फौज/सुभाष चन्द्र बोस (Azad Hind Fauj/Subhash Chandra Bose).....138
○ क्रिप्स मिशन/संविधान सभा (Cripps Mission/ Constitutent Assembly).....140
○ कैबिनेट मिशन (Cabinet Mission).....140
○ भारत छोड़ो आन्दोलन (Quit India Movement).....141
○ प्रांतीय चुनाव (Provincial Election).....142
○ माउण्टबेटन योजना/भारत विभाजन (Mountbatten Plan/ Partition of India).....143
○ भारत का संवैधानिक विकास (The Constitutional Development of India).....144
○ गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय (Governors/Governors General/Viceroys).....147
○ कथन/नारा/उपाधियाँ (Statements/Slogans/Titles).....154

- ब्रिटिश कालीन प्रमुख इमारत (Important Monuments during British Period).....158
- स्वतंत्रता के बाद का भारत (India After Independence).....160
- आधुनिक इतिहास विविध (Modern History Miscellaneous).....162

■ विश्व का इतिहास (World History).....169-173

भारतीय राजव्यवस्था (Indian Polity).....174-290

■ संवैधानिक विकास एवं विशेषताएँ (Constitutional Development and Features).....174-179
■ भारतीय संविधान के स्त्रोत (Sources of Indian Constitution).....179-182
■ संघ एवं राज्यक्षेत्र (Union and State Territory).....182-184
■ अनुच्छेद एवं अनुसूचियाँ (Articles and Schedules).....184-193
■ प्रस्तावना (Preamble).....193-195
■ नागरिकता (Citizenship).....195-196
■ मौलिक अधिकार (Fundamental Rights).....196-204
■ राज्य के नीति निदेशक तत्व (Directive Principles of State Policy).....204-206
■ मौलिक कर्त्तव्य (Fundamental Duties).....206-210
■ राष्ट्रपति (President).....211-218
■ उपराष्ट्रपति (Vice-President).....218-219
■ संसद (Parliament).....220-223
■ राज्यसभा (Rajya Sabha).....223-226
■ लोकसभा (Lok Sabha).....226-230
■ केन्द्रीय मंत्रिपरिषद (Union Cabinet).....230-233
■ राज्यपाल (Governor).....233-235
■ राज्य विधान मंडल (State Legislature).....235-236
■ न्यायपालिका (Judiciary).....236-242
■ निर्वाचन आयोग (Election Commission).....242-245
■ योजना आयोग/नीति आयोग (Planning Commission/NITI Aayog).....245-247
■ पंचायती राज (Panchayati Raj).....247-258
■ आपात उपबंध (Emergency Provisions).....258-259
■ संविधान संशोधन (Constitutional Amendments).....259-263
■ राज भाषा (Official Language).....264-267
■ भारत का महान्यायवादी/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (Attorney General of India/ Comptroller and Auditor General of India).....267-269
■ राजनीतिक दल (Political Parties).....270-273
■ राष्ट्रीय प्रतीक (National Emblem).....273-276
■ प्रमुख आयोग एवं संवैधानिक संस्थाएँ (Major Commissions and Constitutional Institutions).276-279
■ राजव्यवस्था विविध (Polity Miscellaneous).....279-290

भूगोल (Geography) 291-462

■ विश्व का भूगोल (World Geography) 291-348

- ब्रह्माण्ड (Universe) 291-294
- सौरमण्डल (Solar system) 294-296
  - सूर्य (Sun) 296
  - बुध (Mercury) 297
  - शुक्र (Venus) 298
  - पृथ्वी (Earth) 299
  - मंगल (Mars) 300
  - बृहस्पति (Jupiter) 301
  - अरुण/वरुण/यम (Uranus/Neptune/Pluto) 301
  - चन्द्रमा (Moon) 302
  - क्षुद्रग्रह (Asteroids) 303
  - धूमकेतु (Comets) 303
- पृथ्वी (Earth) 304-307
  - पृथ्वी की आंतरिक संरचना (Internal structure of the Earth) 304
  - अक्षांश (Latitudes) 306
  - देशांतर (Longitudes) 307
- चट्टान (Rocks) 308-310
- भूकम्प (Earthquakes) 310-312
- ज्वालामुखी (Volcanoes) 313-313
- आर्द्रता एवं वर्षा (Humidity and Rainfall) 314-315
- स्थानीय पवन (Local Winds) 315-315
- चक्रवात (Cyclone) 315-317
- वायुमण्डल (Atmosphere) 317
- महाद्वीप/द्वीप (Continents/Islands) 318-320
- जलमण्डल (Hydrosphere) 320-324
  - महासागरीय अधस्तल का उच्चावच (Relief of the Oceanic Floor) 320
  - महासागर/सागर (Ocean/Sea) 321
  - महासागरीय धाराएँ (Oceanic Currents) 321
  - जलडमरुमध्य (Straits) 322
- विश्व की प्रमुख झील और जलप्रपात (Major Lake and Waterfall of the World) 324-325
- स्थलाकृतियाँ (Topography) 325-328
  - विश्व के प्रमुख पर्वत और पठार (Major Mountain and Plateaus of the World) 325
  - विश्व के प्रमुख मरुस्थल (Major Deserts of the World) 327
- घास के मैदान (Grasslands) 328-328
- विश्व की प्रमुख नहरें (Major Canals of the World) 329-329
- विश्व की प्रमुख नदियाँ (Major Rivers of the World) 329-331
- विश्व के प्रमुख देश (Major Countries of the World) 331-334
- विश्व के प्रमुख देशों की राजधानी एवं मुद्रा (Capitals and Currencies of Major Countries of the World) 334-337
- विश्व के प्रमुख शहर (Major Cities of the World) 337-338
- विश्व की प्रमुख भाषाएँ (Major Languages of the World) 338-339
- विश्व की प्रमुख जनजातियाँ (Major Tribes of the World) 339-339

- कृषि एवं पशुपालन (Agriculture and Animal Husbandry) 339-341
- खनिज/औद्योगिक केन्द्र (Minerals/Industrial Centres) 342-343
- परिवहन (Transport) 343-343
- मानचित्रण (Cartography) 344-344
- विविध (Miscellaneous) 344-348

■ **भारत का भूगोल (Indian Geography) 348-462**

- भारत की भौगोलिक स्थिति (Geographical Location of India) 348-356
- भारत का प्राकृतिक विभाजन (Natural Division of India) 356-375
  - पर्वत एवं चोटी (Mountains and Peaks) 356
  - उत्तर भारत के मैदान (Plains of North India) 366
  - पठार (Plateau) 367
  - दर्रे (Passes) 368
  - तटीय क्षेत्र एवं द्वीप (Coastal areas and Islands) 371
  - मरूस्थल (Deserts) 372
  - झील, जलप्रपात (Lakes,Waterfalls) 373
  - हिमनद (Glaciers) 375
- अपवाह तन्त्र (Drainage System) 376-391
- नदी घाटी परियोजनाएँ (River Valley Projects) 391-398
- भारत की जलवायु (Climate of India) 398-402
- भारत की मिट्टियाँ (Soils of India) 402-405
- भारत में वन/वन्यजीव/वनस्पतियाँ (Forest/ Wildlife/ Vegetations in India) 405-409
- कृषि एवं पशुपालन (Agriculture and Animal Husbandry) 409-417
- भारत में खनिज संसाधन (Mineral Resources in India) 417-423
- भारत में प्रमुख उद्योग (Major Industries in India) 423-427
- परमाणु एवं विद्युत ऊर्जा (Atomic and Electric Energy) 428-433
- भारत में परिवहन (Transport in India) 433-449
  - थल परिवहन (Land Transport) 433
  - जल परिवहन (Water Transport) 443
  - वायु परिवहन (Air Transport) 446
- भारत की जनजाति (Tribes of India) 449-450
- भारत की भाषाएँ (Languages of India) 450-451
- राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेश (States and Union Territories) 451-456
- भारत में पर्यटन स्थल/प्रमुख शहर (Tourist Spots in India/Major City) 456-458
- नदियों के किनारें स्थित प्रमुख शहर (Major Cities located on the Banks of Rivers) 458-460
- विविध (Miscellaneous) 460-462

अर्थशास्त्र (Economics) 463-590

■ **अर्थशास्त्र के सिद्धान्त (Theory of Economics) 463-472**

■ **अर्थव्यवस्था के प्रकार एवं क्षेत्र (Types and Sectors of Economy) 472-475**

■ **राष्ट्रीय आय एवं मापन (National Income and Measurement) 475-478**

■ **आर्थिक नियोजन, पंचवर्षीय योजनाएँ तथा नीति आयोग (Economic Planning, Five Year Plans and NITI Aayog) 478-485**

- मुद्रा एवं बैंकिंग (Money and Banking) 485-506
- मुद्रास्फीति (Inflation) 507-508
- पूँजी बाजार एवं स्टॉक एक्सचेंज (Capital Market and Stock Exchange) 508-510
- बजट एवं लोक वित्त/राजकोषीय नीतियाँ/ वित्त आयोग (Budget and Public Finance/Fiscal Policies/ Finance Commission) 510-514
- करारोपण (Taxation) 514-518
- जनसंख्या एवं नगरीकरण (Population and Urbanization) 518-525
- गरीबी एवं बेरोजगारी (Poverty and Unemployment) 526-526
- भुगतान संतुलन एवं व्यापार समझौते (Balance of Payment and Trade Contracts) 526-529
- रिपोर्ट एवं सूचकांक (Report and Index) 526-533
- राष्ट्रीय संगठन एवं मंत्रालय/प्रमुख योजनाएँ (National Organizations & Ministries/Major Schemes) 534-561
  - कृषि क्षेत्र की योजनायें (Schemes for Agricultural Sector) 534
  - शिक्षा क्षेत्र की योजनाएं (Schemes for Educational Sector) 538
  - वित्तीय समावेशन की योजनाएं (Schemes for Finanicial Inclusion) 539
  - रोजगार और कौशल विकास की योजनाएं (Schemes for Employment and Skill Development) 544
  - बुनियादी ढांचा एवं नवाचार क्षेत्र की योजनाएं (Schemes for Infrastructure and Inovation Sector) 549
  - सतत विकास की योजनाएं (Schemes for Sustainable Development) 551
  - महिला और बाल विकास की योजनाएं (Schemes for Women and Child Development) 552
  - स्वास्थ्य और स्वच्छता की योजनाएं (Schemes for Health and Sanitization) 554
  - अन्य योजनाएं (Other Schemes) 557
- अन्तर्राष्ट्रीय संगठन (International Organizations) 561-564
- औद्योगिक क्षेत्र (Industrial Sectors) 564-570
- विविध (Miscellaneous) 570-590

परम्परागत सामान्य ज्ञान (Traditional General Knowledge) 591-736

- कला एवं संस्कृति (Art and Culture) 591-620
  - त्यौहार/उत्सव/मेला (Festival/Fairs) 591
  - नृत्य (Dance) 603
  - संगीत (Music) 614
  - चित्रकला (Painting) 618
  - भारतीय परिधान (Indian Dress) 620
  - मार्शल आर्ट/युद्ध कला (Martial Arts/Warfares) 620
- पुस्तकें/लेखक (Books/Authors) 620-630
  - राष्ट्रीय पुस्तकें (National Books) 620
  - अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें (International Books) 629
- दिन/दिवस (Day/Diwas) 630-638
- पुरस्कार (Awards) 638-648
  - नोबेल पुरस्कार (Nobel Prize) 638
  - भारत रत्न (Bharat Ratna) 640
  - पुलित्जर पुरस्कार (Pulitzer Prize) 642
  - ज्ञानपीठ पुरस्कार (Jananpith Award) 642

- ऑस्कर पुरस्कार (Oscar Award) 642
- दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (Dada Saheb Phalke Award) 642
- वीरता पुरस्कार (Gallantry Awards) 643
- भटनागर पुरस्कार (Bhatnagar Award) 643
- बुकर पुरस्कार (Booker Prize) 643
- रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (Ramon Magsaysay Award) 644
- द्रोणाचार्य/अर्जुन/मेजर ध्यान चंद (राजीव गाँधी) खेल रत्न पुरस्कार (Dronacharya/ Arjun/Major Dhyan Chand (Rajiv Gandhi) Khel Ratna Award) 644
- अन्य प्रमुख पुरस्कार (Other Major Awards) 645

■ **प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठन/मुख्यालय (Major International Organizations/Headquarters) 648-671**

- संयुक्त राष्ट्र संगठन (United Nation Organisation) 648
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation) 654
- विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organisation) 654
- यूनिसेफ (UNICEF) 655
- यूनेस्को (UNESCO) 656
- ब्रिक्स (BRICS) 661
- इंटरपोल (INTERPOL) 661
- सार्क (SAARC) 661
- ओपेक (OPEC) 662
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) 662
- नाटो (NATO) 663
- विश्व बैंक (World Bank) 663
- आसियान (ASEAN) 664
- अन्य प्रमुख संगठन एवं संस्थान (Other Major Organizations & Institutions) 664

■ **अंतरिक्ष कार्यक्रम (Space Programme) 671-688**

■ **भारत का प्रतिरक्षा तंत्र (Defence System of India) 688-694**

■ **खेल (Sports) 694-699**

- ओलम्पिक (Olympic) 694
- राष्ट्रमण्डल (Commonwealth) 695
- एशियाई खेल (Asian Games) 696
- हॉकी (Hockey) 696
- क्रिकेट (Cricket) 696
- फुटबॉल (Football) 698
- शतरंज (Chess) 698
- वॉलीबॉल (Volleyball) 698
- लॉन टेनिस (Lawn Tennis) 699
- मुक्केबाजी (Boxing) 699
- अन्य प्रमुख खेल (Other Major Sports) 699

■ **प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान/संगठन (Major Institutions/Organizations) 699-707**

■ **प्रमुख स्थल (Major Sites) 707-712**

■ **प्रमुख व्यक्तित्व (Famous Personalities) 712-715**

■ **विश्व/भारत में प्रथम (First in World/India) 715-717**

■ **विविध (Miscellaneous) 717-736**

RRB की विभिन्न विगत परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण चार्ट

क्र.स.	परीक्षा	परीक्षा वर्ष	कुल प्रश्न पत्र	सामान्य ज्ञान के कुल प्रश्न
1.	RRB NTPC-2019 Stage-II	2022	15	40×15= 600
2.	RRC Group-D 2019	2022	99	30×99= 2970
3.	RRB NTPC-2019 Stage-I	2020-2021	133	30×133= 3990
4.	RRB JE-2018 Stage-II	2019	9	15×9 = 135
5.	RPF Constable 2018	2019	17	30×17 = 510
6.	RPF SI 2018	2019	23	30×23 = 690
7.	RRB JE-2018 Stage-I	2019	38	15×38 = 570
8.	RRB ALP/Tech.-2018 Stage-II	2019	18	10×18 = 180
9.	RRB ALP/Tech.-2018 Stage-I	2018	30	10 × 30 = 300
10.	RRB Group D 2018	2018	135	20 × 135 = 2700
11.	RRB NTPC-2015 Stage-II	2017	9	15 × 9 = 135
12.	RRB NTPC-2015 Stage-I	2016	63	30 × 63 = 1890
13.	RRB JE 2015	2015	26	15 × 26 = 390
14.	RRB JE 2014	2014	10	15 × 10 = 150
Total			**625**	**15210**

नोट–

- इस पुस्तक में RRB द्वारा आयोजित **NTPC Stage-I & II, Group-D, JE Stage-I & II, ALP Stage-I & II, RPF Constable तथा RPF SI** की ऑनलाइन परीक्षाओं के कुल 625 प्रश्न पत्रों को सम्मिलित किया गया है।
- इस पुस्तक में सामान्य ज्ञान से संबंधित कुल 15210 प्रश्नों में से दोहराव वाले प्रश्नों को हटाकर इतिहास के 1580, भारतीय राजव्यवस्था के 1145, भूगोल के 1778, अर्थशास्त्र के 1128 तथा परम्परागत सामान्य ज्ञान के 1516 प्रश्नों का व्याख्या सहित अध्यायवार संकलन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें से दोहराव वाले प्रश्नों को हटाकर संबंधित परीक्षा का नाम व परीक्षा तिथि मूल प्रश्न के साथ जोड़ दिया गया है, जिससे परीक्षार्थी प्रश्न की महत्ता का सही आकलन कर सके।

Trend Analysis of Previous Year Papers through Pie Chart and Bar Graph

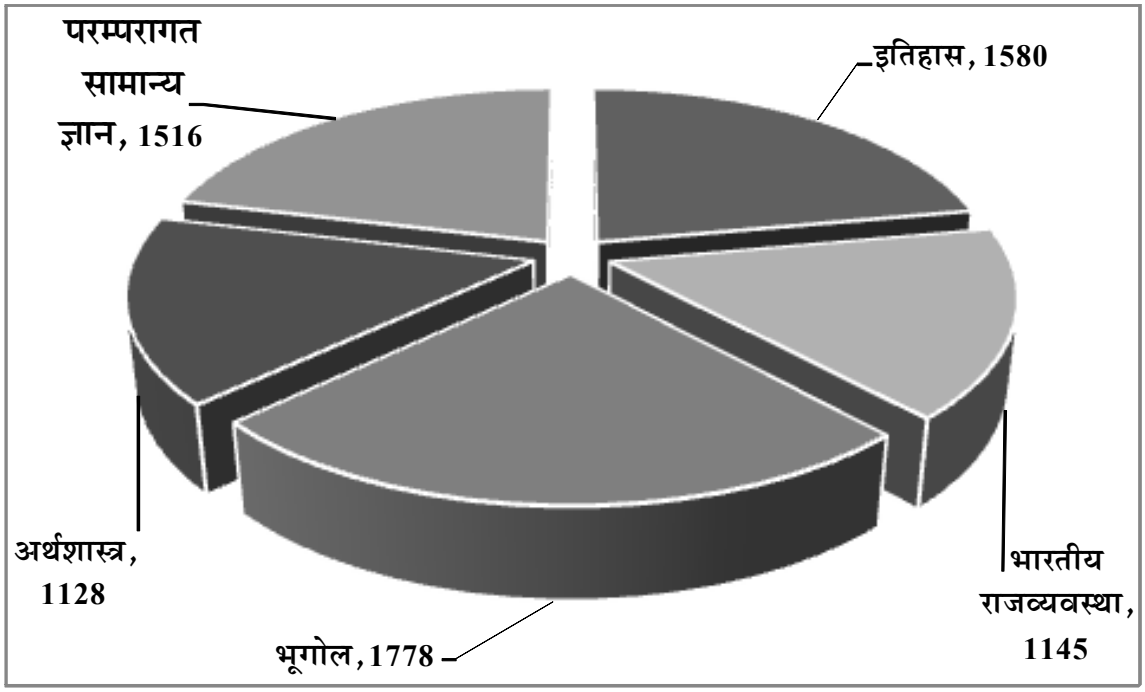

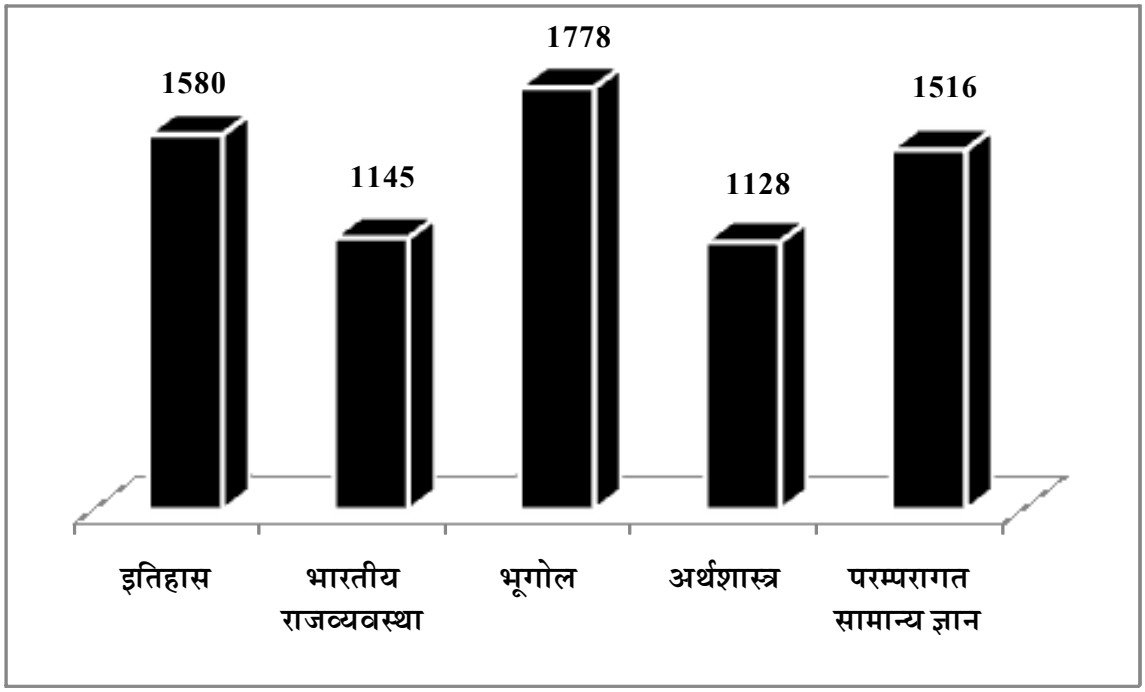

भाग-1

इतिहास (History)

प्राचीन इतिहास (Ancient History)

1. पाषाण काल (Stone age)

1. इनमें से कौन-सा पाषाण युग (Stone Age) के तीन प्रमुख कालों के अंतर्गत नहीं आता है?

(a) पुरापाषाण (b) नवपाषाण
(c) ताम्रपाषाण (d) मध्यपाषाण

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : पाषाण युग में मनुष्य पत्थर के औजारों का उपयोग करता था। पाषाण युग के तीन चरण पुरापाषाण, मध्यपाषाण तथा नवपाषाण है। ताम्रपाषाण युग नवपाषाण युग के बाद आरम्भ हुआ जिसमें मनुष्य तांबे के औजारों का उपयोग करने लगा। लगभग 5000 ई.पू. में मनुष्य ने सर्वप्रथम तांबा धातु का प्रयोग किया था।

2. भीमबेटका की गुफाओं की खोज कब हुई थी?

(a) 1955-56 (b) 1957-58
(c) 1954-55 (d) 1953-54

RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : भीमबेटका की गुफाएँ भारत के मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित है। ये गुफाएँ चारों तरफ से विंध्य पर्वतमालाओं से घिरी हुई हैं, यह एक पुरापाषाणिक गुफा आवास है जिसकी निरन्तरता मध्य ऐतिहासिक काल तक रही। इसकी खोज डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा 1957-1958 में की गई। वर्ष 2003 में यूनेस्कों ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

3. भीमबेटका के शैलाश्रय निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध है?

(a) मौर्य वंश के दौरान की गई चित्रकारी के चिन्हों की वजह से
(b) मुगलों की मूर्तिकला के चिन्हों की वजह से
(c) प्रारंभिक द्रविड़ काल के चिन्हों की वजह से
(d) भारतीय उपमहाद्वीप पर मानव जीवन के प्राचीनतम चिन्हों की वजह से

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मध्य प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में भोपाल के दक्षिण पूर्व में रायसेन जिले में अवस्थित भीमबेटका गुफाओं से मानव जीवन के प्राचीनतम चिन्हों के प्रमाण मिले हैं। यद्यपि यहाँ अधिकांश चित्रकारी मध्यपाषाण युग की है, किन्तु यहाँ उत्तर-पुरापाषाण, ताम्रपाषाण काल, प्रारम्भिक ऐतिहासिक और मध्यकालीन युग के भी चित्र मिले हैं।

4. भारत में पाषाण कालीन शिला चित्रकारी कहाँ पायी जाती है?

(a) नालंदा (b) भीमबेटका
(c) एलीफेंटा (d) बाघ गुफाएं

RRB NTPC 12.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : भीमबेटका भारत के मध्यप्रदेश प्रान्त के रायसेन जिलें में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है, जहाँ पर पाषाण कालीन शिला चित्रकारी पायी जाती है।

5. निम्नलिखित में से कौन सा मानव गतिविधियों एवं सभ्यता के प्राक्-ऐतिहासिक काल का सही कालानुक्रम है?

(a) पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल, नवपाषाण काल
(b) धातु युग काल, मध्यपाषाण काल, पुरापाषाण काल
(c) नवपाषाण काल, मध्यपाषाण काल, पुरापाषाण काल
(d) मध्यपाषाण काल, नवपाषाण काल, पुरापाषाण काल

RRB NTPC 11.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : प्रागैतिहासिक काल से तात्पर्य इतिहास के उस युग से है जब मानव ने लिपि अथवा लेखन का विकास नहीं किया था और उसका जीवन पत्थरों के इर्द-गिर्द सीमित था इसीलिए इसे पाषाण काल भी कहते है। इस पाषाण काल अथवा प्रागैतिहासिक काल को तीन भागों में बांटकर देखा जा सकता है। पुरापाषाण काल, मध्यपाषाण काल तथा नवपाषाण काल।

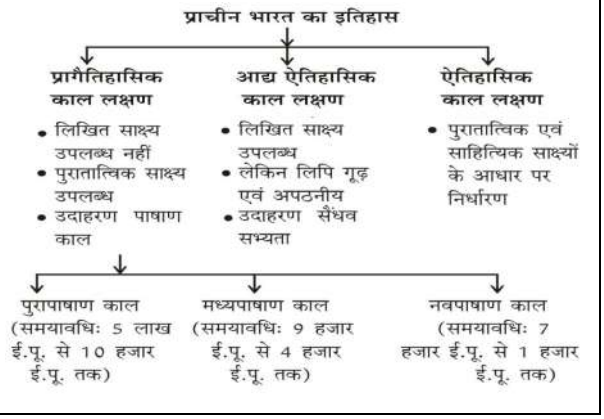

2. सिन्धु सभ्यता (Indus Civilization)

6. सिंधु घाटी सभ्यता के समय में शिल्प निर्माण के लिए सीप कहाँ से प्राप्त किए जाते थे ?

(a) जयपुर (b) शोर्तुगई
(c) नागेश्वर (d) रोपड़

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : सिंधु घाटी सभ्यता के समय में शिल्प निर्माण के लिए सीप नागेश्वर (गुजरात) से प्राप्त किए जाते थे। इस सभ्यता के विभिन्न स्थलों से कला के जो रूप प्राप्त हुए हैं, उनमें मुहरें, मिट्टी के बर्तन, आभूषण, पकी हुई मिट्टी की मूर्तियाँ आदि शामिल हैं।

7. सिंधु घाटी सभ्यता का निम्न में से कौन सा स्थल पंजाब (भारत) में स्थित है ?

(a) कोटदिजी (b) बनावली
(c) बालू (d) रोपड़

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : सिन्धु घाटी सभ्यता स्थल रोपड़ की खोज 1950 में बी.बी. लाल के द्वारा की गई। यह स्थल पंजाब के रोपड़ जिला में सतलज नदी के तट पर स्थित है। यहाँ से मनुष्य के साथ पालतू कुत्ते दफनाये जाने का साक्ष्य मिला है।

8. हड़प्पा की अधिकांश मानक मुहरें ..... नामक एक प्रकार के मुलायम पत्थर से बनी होती थीं, जो 2×2 विमा के साथ वर्गाकार आकृति का होता था, तथा जिसका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था।

(a) रोडोनाइट (b) गोल्डन रूटाइल
(c) स्टिएटाइट (d) सेलेनाइट

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : हड़प्पा की अधिकांश मुहरों को सेलखड़ी (स्टिएटाइट)से बनाया जाता था जो एक प्रकार का नरम पत्थर है। इसके अतिरिक्त कांचली मिट्टी, चर्ट, गोमेट मिट्टी आदि की बनी मुहरे भी हैं। मानक मुहर 2×2 आयाम के साथ चौकोर होती थी। इन मुहरों पर गणितीय चित्र होते थे जिनका उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था। सभी मुहरों में जानवरों की तस्वीरें एक चित्रमय लिपि में लिखी गई है (जो कि अभी तक स्पष्ट नहीं है)। जिन पर मुख्यतः दर्शाए गये जानवर बाघ, हाथी, वृषभ, गैंडा, भैसा, हिरन, खरगोश और बकरा थे।

9. धौलावीरा ..... राज्य में स्थित है।

(a) गुजरात (b) झारखंड
(c) राजस्थान (d) छत्तीसगढ़

RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : धौलावीरा गुजरात के कच्छ जिले के भचाऊ तालुका में स्थित पुरातात्विक स्थल है। इस स्थल की खोज 1968 में जगपति जोशी द्वारा की गई थी। यहां पाये गये कलाकृतियों में टेराकोटा, मिट्टी के बर्तन, मोती, सोने एवं तांबे के गहने, जानवरों की मूर्तिया, उपकरण, कलश इत्यादि। जुलाई 2021 में यूनेस्को ने धौलावीरा को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया। इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाला सिंधु सभ्यता का भारत का यह पहला स्थल है।

10. धौलावीरा, एक पुरातात्विक स्थान, किस समयावधि से जुड़ी हुई है?

(a) गुप्त अवधि (b) मगध अवधि
(c) सिंधु घाटी सभ्यता (d) चालुक्य अवधि

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. मोहनजोदड़ो में पाया गया विशाल स्नानागार (The Great Bath) एक विशाल _____ था।

(a) वृत्ताकार टैंक (b) बेलनाकार टैंक
(c) त्रिभुजाकार टैंक (d) आयताकार टैंक

RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मोहनजोदड़ो में पाया गया विशाल स्नानागार एक विशाल आयताकार टैंक था। मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल था। इसकी खोज राखालदास बनर्जी ने 1922 में की थी। यहाँ से एक शील में तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है।

12. वर्ष 1920-21 के आस-पास किस नदी के किनारे खुदाई के दौरान हड़प्पा शहर मिला?

(a) झेलम (b) व्यास
(c) चेनाब (d) रावी

RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : हड़प्पा शहर सिंधु सभ्यता का एक शहर है जो पाकिस्तान के मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर वर्ष 1920-21 में खुदाई के दौरान मिला था। इसके उत्खननकर्ता दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स थे।

13. सिंधु घाटी सभ्यता के किस शहर का शाब्दिक अर्थ 'मृतकों का टीला' है?

(a) मेसोपोटामिया (b) मोहनजोदड़ो
(c) बालाकोट (d) हड़प्पा

RRB NTPC 09.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : मोहनजोदड़ो का सिन्धी भाषा में अर्थ है ''मृतकों का टीला''। यह दुनिया का सबसे पुराना नियोजित और उत्कृष्ट शहर माना जाता है। यह सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे परिपक्व शहर है जो सिन्धु नदी के दायें किनारे लरकाना जिले में स्थित है। इसकी खोज राखलदास बनर्जी ने 1922 में की थी।

14. 'मोहनजोदड़ो' शब्द का अर्थ क्या है?

(a) रहने का स्थान (b) बाजार स्थल
(c) मृतकों का टीला (d) पसंदीदा शहर

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. मोहनजोदड़ो कहां स्थित है?

(a) खैबर पख्तूनख्वा (b) पंजाब
(c) बलूचिस्तान (d) सिंध

RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मोहनजोदड़ो का सिंधी भाषा मे अर्थ 'मृतकों का टीला' होता है। यह सिंध (पाकिस्तान) के लरकाना जिले में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसकी खोज 1922 ई. में राखालदास बनर्जी ने की थी। यहाँ की शासन व्यवस्था राजतंत्रात्मक न होकर जनतंत्रात्मक थी।

16. हड़प्पा सभ्यता का कौन सा शहर विशिष्ट रूप से मनके बनाना, सीप काटना, धातु की वस्तुएं बनाना, मुहर बनाना और तराजू का निर्माण करना आदि कार्यों सहित शिल्प उत्पादन के लिए समर्पित था?

(a) मोहनजोदड़ों (b) नागेश्वर
(c) हड़प्पा (d) चन्हुदड़ों

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मोहनजोदड़ो से 80 मील दक्षिण में स्थित चन्हूदड़ो की खोज सर्वप्रथम 1931 में एम. जी. मजूमदार ने की थीं। यहाँ सैंधव संस्कृति के अतिरिक्त प्राक हड़प्पा संस्कृति जिसे झूकर एवं झाकर संस्कृति कहते है, के अवशेष मिले हैं। यहाँ के निवासी कुशल कारीगर थे, इसका प्रमाण इस बात से मिलता है कि यह मनके, सीप, मुहर तथा मुद्रा बनाने का प्रमुख केन्द्र था। यह एक मात्र स्थल है, जहाँ से वक्राकार ईंटे मिली है।

17. सिंधु घाटी सभ्यता के निम्न में से किस स्थल को सबसे पहले खोजा गया था?

(a) मोहनजोदड़ो (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) कालीबंगा

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल हड़प्पा का उत्खनन 1921 में दयाराम साहनी द्वारा कराया गया था। इस प्रकार इस सभ्यता का नाम हड़प्पा सभ्यता रखा गया तथा यह सभ्यता सिंधु नदी घाटी में फैली हुई थी इसलिए इसका नाम सिंधु घाटी सभ्यता रखा गया। 1922 में राखालदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ो की खोज की थी।

18. पत्थर की बनी नृत्य करते हुए पुरुष की मूर्ति, 'नटराज' किस स्थान पर पाई गई थी?

(a) लोथल (b) रंगपुर
(c) हड़प्पा (d) मोहनजोदड़ों

RRB NTPC 13.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : हड़प्पा से प्राप्त पुरुष नर्तक धड़ 'चूना पत्थर' से बना हुआ है। वह दाहिने पैर के बल पर खड़ा है और बायां पैर नृत्य की मुद्रा में ऊँचा उठा है। इस मूर्ति को 'नटराज' के आदि रूप का द्योतक माना गया है। इसकी ऊँचाई 7-8 इंच है।

19. इनमें से कौन सा हड़प्पा स्थल गुजरात में पाया गया है?

(a) बालाथल (b) खांडिया
(c) धौलावीरा (d) मांडा

RRB NTPC 05.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : हड़प्पा युगीन नगर धौलावीरा को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) ने वैश्विक धरोहर की सूची में शामिल कर लिया हैं। यह गुजरात के रण ऑफ कच्छ में खादिर बेट द्वीप पर स्थित है। यह वैश्विक धरोहर की सूची में जगह बनाने वाला गुजरात का चौथा जबकि भारत का 40वां स्थल है। इसकी खोज 1968 ई. में पुरातत्ववेता जगतपति जोशी ने की थी।

20. निम्नलिखित में से कौन सा स्थल सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा नहीं है?

(a) मोहनजोदड़ो (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) उरूक

RRB NTPC 16.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : सिन्धु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल-मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, हड़प्पा, धौलावीरा, लोथल तथा राखीगढ़ी थे, जबकि उरूक एक सुमेरियन सभ्यता का शहर था।
सिन्धु सभ्यता या हड़प्पा के प्रारम्भिक स्थल सिन्धु नदी के आस-पास केन्द्रित था। अतः इसे सिन्धु सभ्यता कहा गया। भारतीय उपमहाद्वीप में यह 'प्रथम नगरीय क्रान्ति' की अवस्था को दर्शाती है।

21. सिंधु सभ्यता के इनमें से किन स्थलों में जलाशयों के साक्ष्य मिले हैं?

(a) कालीबंगा (b) धौलावीरा
(c) कोट दीजी (d) लोथल

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : धौलावीरा गुजरात के कच्छ के रण में स्थित है, इसकी खोज जे.पी. जोशी (1967-68) ने की। यह नगर आयताकार बना था। यहाँ से एक विशाल जलाशय का साक्ष्य मिलता है। सुरकोटदा से कलश शवाधान के साक्ष्य मिले हैं। रोपड़ से सेलखड़ी की मुहर, मृदभांड एवं कुल्हाड़ी आदि के साक्ष्य पाये गये हैं। यहाँ के निवासी जलसंचय की कुशल अभियान्त्रिक कला से परिचित थे।

22. पुरातात्विक स्थल 'सुरकोटडा (Surkotada)' किस राज्य में स्थित है?

(a) राजस्थान (b) पंजाब
(c) बिहार (d) गुजरात

RRB NTPC 03.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : 'सुरकोटदा' या 'सुरकोटडा' गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है। इस स्थल से 'हड़प्पा सभ्यता' के विस्तार के प्रमाण मिले हैं। 1996 में इस स्थल की खोज जगपति जोशी ने की थी।

सिंधुघाटी सभ्यता के स्थल	**राज्य**
धौलावीरा, लोथल, रंगपुर, सुरकोटदा	गुजरात
आलमगीरपुर	उत्तर प्रदेश
कालीबंगा	राजस्थान
माण्डा	जम्मू-कश्मीर
दैमाबाद	महाराष्ट्र
रोपड़	पंजाब

23. 1944 में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक के रूप में किसने पदभार संभाला और हड़प्पा की खुदाई का जिम्मा लिया?

(a) दया राम साहनी (b) जॉन मार्शल
(c) रखाल दास बनर्जी (d) रेम (REM) व्हीलर

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : सर रॉबर्ट एरिक मॉर्टिमर व्हीलर ने 1944 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक का पदभार संभाला और हड़प्पा की खुदाई का जिम्मा लिया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों का रख-रखाव करना है। यह संस्कृति मंत्रालय के अधीन है। वर्तमान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की महानिदेशक वी. विद्यावती है।

24. प्रसिद्ध सिंधु घाटी स्थल मोहनजोदड़ो की पहली बार खुदाई किस प्रख्यात भारतीय पुरातत्वविद् द्वारा की गई थी?

(a) एस.आर.राव (b) बी.बी.लाल
(c) आर.डी. बैनर्जी (d) दया राम साहनी

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ 'मृतकों का टीला' है। यह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के तट पर स्थित है। इसकी खोज राखालदास बनर्जी ने 1922 में की थी। मोहनजोदड़ो का सबसे महत्वपूर्ण स्थल विशाल स्नानागार है, यह 11.88 मी. लम्बा, 7.01 मी. चौड़ा तथा 2.43 मी. गहरा है, मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी इमारत विशाल अन्नागार है, जो 45.71 मी. लम्बा और 15.23 मी. चौड़ा है। यहाँ से प्राप्त अन्य अवशेषों में कांसे की नृत्य करती नारी की मूर्ति, योगी की मूर्ति, मुद्रा पर अंकित पशुपति नाथ (शिव) की मूर्ति, घोड़े के दांत इत्यादि हैं।

25. सिंधु घाटी सभ्यता ..... वर्ष पुरानी है और दक्षिण में गंगा घाटी के निचले क्षेत्रों व उत्तर में मालवा तक फैली हुई थी।

(a) 1000 ईसा पूर्व (b) 5000 ईसा पूर्व
(c) 3000 ईसा पूर्व (d) 8000 ईसा पूर्व

RRB Group-D 27-11-2018 (Shift-III)

Ans. (c) सिंधु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है। इस सभ्यता का नामकरण हड़प्पा नामक स्थल जहाँ यह संस्कृति पहली बार खोजी गई थी, के नाम पर किया गया है। यह स्थल रावी नदी के तट पर स्थित है। इसकी खोज 1921 ई. में दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स द्वारा की गयी थी। इस हड़प्पा स्थल की वर्तमान भौगोलिक स्थिति पाकिस्तान का माण्टगोमरी जिला है।
इसका काल निर्धारण निम्न है–

- एन.सी.ई.आर.टी. - 2600-1900 ईसा पूर्व के बीच।

- परिपक्व हड़प्पा संस्कृति का अस्तित्व मोटे तौर पर 2550 ईसा पूर्व एवं 1900 ईसा पूर्व के बीच रहा।
- रेडियोकार्बन C^{14} जैसी नवीन विश्लेषण- पद्धति के द्वारा सिन्धु सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2500 ईसा पूर्व से 1750 ईसा पूर्व मानी गयी है।
- कुछ इतिहासकार सिन्धु घाटी सभ्यता की तिथि 3250 ईसा पूर्व से 2750 ईसा पूर्व मानते है।

उपर्युक्त व्याख्या को ध्यान में रखते हुए, निकटतम विकल्प (c) को सही माना जा सकता है।

26. _____ का विकास 5000 बी. सी. ई. से मालवा के दक्षिण की ओर एवं उत्तर की ओर गंगा घाटी के पूरे तलहटी क्षेत्र में हुआ।

(a) सिन्धु घाटी सभ्यता (b) आर्य साम्राज्य
(c) मौर्य साम्राज्य (d) मगध साम्राज्य

RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-II)

Ans : (a) सिन्धु घाटी सभ्यता का विकास 5000 ईसा पूर्व में मालवा के दक्षिण की ओर एवं उत्तर की ओर गंगा घाटी के तलहटी क्षेत्र में हुआ था।

27. हड़प्पा सभ्यता 2500 बी.सी. के आस-पास विकास किया था आज उन्हें हम क्या कहते हैं?

(a) पाकिस्तान और अफगानिस्तान
(b) पश्चिमी भारत और पाकिस्तान
(c) अफगानिस्तान और पश्चिमी भारत
(d) भारत और चीन

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) हड़प्पा सभ्यता 2500 बी.सी. के आस-पास विकसित हुई थी। इस सभ्यता का विस्तार पश्चिमी भारत और पाकिस्तान में है। हड़प्पा रावी नदी के तट पर, पाकिस्तान के माण्टगोमरी जिले में स्थित है। इसकी खोज सन् 1921 में दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स ने की थी।

28. भारत का इतिहास सिंधु घाटी सभ्यता के जन्म से शुरू होता है, जो लगभग _____ अस्तित्व में आयी थी।

(a) 2500 ईसा पूर्व (b) 4500 ईसा पूर्व
(c) 1500 ईसा पूर्व (d) 6500 ईसा पूर्व

RRB Group-D 03-12-2018 (Shift-II)

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी?

(a) वस्तु विनिमय प्रणाली (b) स्थानीय परिवहन प्रणाली
(c) ईंट के बने भवन (d) प्रशासनिक प्रणाली

RRB NTPC 05.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) सिन्धु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता ईंट के बने भवन थे। यह विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में प्रमुख है। ईंटों का प्रयोग सभी हड़प्पा बस्तियों में किया गया था। इस समय की ईंटें एक निश्चित अनुपात 4 : 2 : 1 में थी।

30. सिन्धु घाटी सभ्यता है?

(a) ताम्र युगीन सभ्यता (b) लौह-युगीन सभ्यता
(c) अक्ष-युगीन सभ्यता (d) कांस्य-युगीन सभ्यता

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (d) सिन्धु घाटी सभ्यता को कांस्य युगीन सभ्यता भी कहा जाता है। इस सभ्यता में पहली बार कांसा धातु का प्रयोग किया गया था जो तांबे और टिन का मिश्रण था। सिन्धु सभ्यता के 1400 केन्द्रों को खोजा जा चुका है, जिसमें 925 केन्द्र भारत में है। यह सभ्यता सिंधु और उसकी सहायक नदियों के आस-पास विस्तृत थी।

31. सिंधु सभ्यता के लोग ..... बनाने के लिए तांबे और टिन को मिश्रित करते थे।

(a) सीसा (b) कांस्य
(c) लोहा (d) सोना

RRB Group-D 10-12-2018 (Shift-III)

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. निम्नलिखित में से कौन सा सिंधु घाटी सभ्यता का महत्वपूर्ण स्थल नहीं है?

(a) कालीबंगा (b) हड़प्पा
(c) मोहनजोदड़ो (d) आजमगढ़

RRB Group-D 24-10-2018 (Shift-III)

Ans. (d) सिन्धु सभ्यता या सैंधव सभ्यता नगरीय सभ्यता थी। सैंधव सभ्यता के प्रमुख स्थल निम्न है- मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, चन्हूदड़ो, लोथल, बनावली, धौलावीरा, राखीगढ़ी एवं कालीबंगन। अर्थात् सिन्धु सभ्यता में आजमगढ़ (यू.पी.) का कोई स्थान नहीं है।

33. 'मोहनजोदड़ो' नाम का अर्थ ..... में 'मुर्दों का टीला' है–

(a) फारसी (b) उर्दू
(c) हिंदी (d) सिंधी

RRB Group-D 28-11-2018 (Shift-I)

Ans : (d) सिंधी भाषा में मोहनजोदड़ो का अर्थ "मृतकों का टीला" है। यह दुनिया का सबसे पुराना नियोजित और उत्कृष्ट शहर माना जाता है। यह सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे परिपक्व शहर है।

34. हड़प्पा के लोग निम्नलिखित भगवान में से किसकी पूजा नहीं करते थे?

(a) शिव (b) विष्णु
(c) कबूतर (d) स्वास्तिक

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) मोहनजोदड़ो की एक मुहर पर स्वास्तिक चिह्न तथा एक त्रिमुखी पुरुष को सिंहासन पर योग मुद्रा में बैठे दिखाया गया है जिसे शिव का आदि रूप माना जाता है। इसके दायें तरफ हाथी एवं बाघ तथा बायें तरफ गैंडा एवं भैंसे का अंकन है। हड़प्पा सभ्यता के लोग धरती को उर्वरता की देवी मानकर इसकी पूजा करते थे। पशु, पक्षी, जल, वृक्ष, सर्प, अग्नि आदि की पूजा भी हड़प्पा सभ्यता में होती थी। हड़प्पा सभ्यता के लोग भगवान विष्णु की पूजा नहीं करते थे।

35. सिंधु घाटी सभ्यता के लोग ..... की पूजा करते थे–

(a) हनुमान (b) काली
(c) अयप्पा (d) पशुपति

RRB ALP & Tec. (13-08-18 Shift-I)

Ans : (d)
* सिन्धु घाटी सभ्यता एक नगरीय सभ्यता थी।
* सिंधु घाटी सभ्यता के लोग तीन मुख वाले देवता पशुपति की पूजा करते थे। यह मूर्ति मोहनजोदड़ो से मिली है।
* सिंधु घाटी सभ्यता में विशाल स्नानागार मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुआ है।
* सिंधु घाटी सभ्यता की भावचित्रात्मक लिपि दाई ओर से बाईं ओर लिखी जाती थीं।

36. किस वर्ष में जर्मनी और इटली के पुरातत्वविदों के एक दल ने मोहनजोदड़ो में सतह-अन्वेषण शुरू किया था?

(a) 1955 (b) 1970
(c) 1980 (d) 1990

RRB NTPC 15.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : वर्ष 1980 ई. में जर्मन और इटली (इतालवी) के पुरातत्वविदों की संयुक्त टीम ने मोहनजोदड़ो में सतह अन्वेषण को प्रारम्भ किया था। 1986 में अमेरीकी दल द्वारा हड़प्पा में उत्खनन प्रारम्भ किए गए और 1990 ई. में आर.एस. विष्ट ने धौलावीरा में उत्खननों को प्रारम्भ किया।

37. हड़प्पा सभ्यता की मुहरों पर निम्नलिखित में से कौन सा पशु अक्सर देखा जाता था?

(a) बैल (b) शेर
(c) लोमड़ी (d) हिरन

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : हड़प्पा सभ्यता में पायी गयी मुहरें आयताकार, गोलाकार, वर्गाकार एवं बेलनाकार थीं। इन मुहरों पर हाथी, गैंडा, बाघ, बकरी व बैल जैसे पशुओं की आकृति विद्यमान थी। उल्लेखनीय है कि हड़प्पा सभ्यता की मुहरें मध्य एशिया के 'उम्मा' और 'उर' शहरों में तथा इनके साक्ष्य मोहनजोदड़ो, लोथल तथा कालीबंगा से भी मिले है। जिससे इनके व्यापारिक क्रियाकलापों का बोध होता है।

38. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पा स्थल शिल्प-कलाओं के उत्पादन से संबंधित नहीं है?

(a) बालाकोट (b) माँडा
(c) चंहुदड़ो (d) नागेश्वर

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी के दायें तट पर स्थित सिंधु सभ्यता का माँडा स्थल शिल्प कलाओं के उत्पादन से संबंधित नहीं है। जबकि बालाकोट से बहुतायत में सीप की बनी चूड़ियों के टुकड़े प्राप्त हुए हैं तथा चन्हुदड़ो से वक्राकार ईंटे प्राप्त हुई हैं। नागेश्वर से शंख से बनी वस्तुएँ चूड़ियाँ, करछियाँ तथा पच्चीकारी की वस्तुएँ प्राप्त हुई है।

3. वैदिक सभ्यता (Vedic Civilization)

39. ऋग्वेद में 1028 सूक्त हैं, जिन्हें दस पुस्तकों में वर्गीकृत किया गया है, जिन्हें ..... के नाम से जान जाता है।

(a) मंडल (b) अनुदत्त
(c) सूक्त (d) पदपथ

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : ऋग्वेद में 1028 सूक्त हैं, जिन्हें दस पुस्तकों में वर्णित किया गया है, जिन्हें मण्डल के नाम से जाना जाता है।

40. वृहदारण्यक, मुंडक और तैत्तिरीय निम्नलिखित में से किस श्रेणी के धार्मिक ग्रंथों के उदाहरण हैं।

(a) पुराण (b) महाकाव्य
(c) उपनिषद (d) जातक कथा

RRB Group-D – 06/10/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : बृहदारण्यक, मुंडक और तैत्तिरीय उपनिषद श्रेणी के धार्मिक ग्रंथो के उदाहरण हैं। भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' मुण्डकोपनिषद से लिया गया है। पुराणों की संख्या-18 है जिसमें मत्स्य पुराण सबसे प्राचीन है।

41. हिन्दू धर्म में, ... देव को ''पौधों के स्वामी'', रोगों के उपचारक और धन के दाता माना जाता है।

(a) उषा (b) यम
(c) वारुणी (d) सोम

RRB Group–D 29/08/2022 (Shift–I)

Ans. (d) : हिन्दू धर्म में सोम देव को पौधों का स्वामी, रोगों का उपचारक और धन का दाता माना जाता है। वरुण को समुद्र का देवता, विश्व के नियामक सत्य के प्रतीक, ऋतु परिवर्तन के देवता के रूप में जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उषा को भोर की देवी माना गया है। यम/यमराज को मृत्यु का देवता माना गया है।

42. निम्न में से कौन सी हिंदू धर्म की प्रमुख दार्शनिक विचारधारा है?

(a) सन्यास (b) मोक्ष
(c) अर्थ (d) वैशेषिक

RRB Group–D : 30/08/2022 (Shift II)

Ans. (d) : हिन्दू धर्म की प्रमुख दार्शनिक विचारधारा वैशेषिक दर्शन है। वैशेषिक दर्शन का प्रवर्तक कणाद मुनि को माना जाता है। इस दर्शन के सिद्धान्त न्याय दर्शन के सिद्धान्तों के समान ही है। वैशेषिक दर्शन का मुख्य उद्देश्य वाह्य जगत की व्यापक समीक्षा करना है। वैशेषिक दर्शन में न्याय दर्शन के 16 तत्वों की अपेक्षा केवल सात तत्वों को स्वीकार किया गया है।

43. निम्न में से किस वेद को ▪ कर्मकांड ग्रंथ (Book of rituals)▪ के रूप में जाना जाता है ?

(a) यजुर्वेद (b) सामवेद
(c) ऋग्वेद (d) अथर्ववेद

RRB Group-D – 02/09/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : यजुर्वेद को ▪ कर्मकांड ग्रंथ▪ के रूप में जाना जाता है, जो कि बलिदान धर्म की स्थापना करता है। इसे यज्ञवेद भी कहते है। इसके पाठकर्ता को अध्वर्यु कहा जाता है। इसमें यज्ञों के नियम, विधि विधानों का संकलन तथा बलिदान विधि का वर्णन मिलता है। यह एक ऐसा वेद है, जो गद्य एवं पद्य दोनों में है। जबकि ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संग्रह को ऋग्वेद कहा जाता है। इसमें 10 मंडल, 1028 सूक्त एवं लगभग 10,600 ऋचाएं हैं। इसके ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को ▪ होतृ▪ कहते हैं। सामवेद में यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले ऋचाओं (मंत्रों) का संकलन है। इसके पाठकर्ता को उद्गाता कहते हैं। तथा अथर्ववेद, अथर्वा ऋषि द्वारा रचित है, जिसमें कुल 731सूक्त और 6000मंत्र है।

44. यजुर्वेद _____ से संबंधित है।

(a) गायत्री मंत्र (b) यज्ञ के अनुष्ठानों
(c) जादू और टोना (d) राग

RRB Group-D – 17/09/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : यजुर्वेद का सम्बन्ध यज्ञ के अनुष्ठानों तथा मंत्रों के संग्रह से है। चार वेदों-ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद तथा अथर्ववेद में यजुर्वेद तीसरा वेद है। यजुर्वेद की दो शाखाएँ हैं-कृष्ण यजुर्वेद तथा शुक्ल यजुर्वेद।

45. यजुर्वेद की कितनी शाखएं हैं?

(a) 3 (b) 2
(c) 5 (d) 4

RRB Group-D – 13/09/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : यजुर्वेद की दो शाखाएं है - शुक्ल यजुर्वेद और कृष्ण यजुर्वेद। यजुर्वेद की 85 शाखाओं की चर्चा मिलती है, किन्तु आज उनमें से केवल ये चार ही उपलब्ध है। - कठ और कपिष्ठल शुक्ल यजुर्वेद की दो शाखाएँ है तथा कृष्ण यजुर्वेद की शाखाएं है कण्व, माध्यन्दिनी।

46. वैदिक ग्रंथों के अनुसार, 'संग्रहित्री' का क्या कार्य था?

(a) कोषाध्यक्ष/खजांची (b) सारथी
(c) कर संग्राहक (d) चारण

RRB Group-D – 22/09/2022 (Shift-II)

Ans.(a) : वैदिक ग्रन्थों के अनुसार, 'संग्रहित्री' का अर्थ है - कोषाध्यक्ष/खजांची। प्रमुख वैदिक ग्रन्थों में चार वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद), आठ ब्राह्मण ग्रन्थ, 7 आरण्यक और 12 प्रारम्भिक उपनिषद आते हैं।

47. हिंदू धर्म 'पुरूषार्थ-जीवन के लक्ष्य, के माध्यम से जीवन में पूर्ण भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। निम्न में से कौन एक पुरूषार्थ नही हैं?

(a) काम (b) सत्व
(c) मोक्ष (d) अर्थ

RRB Group-D – 30/09/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : प्राचीन काल में मनुष्य के उद्देश्यपूर्ण जीवन को व्यतीत करने हेतु आश्रम व्यवस्था का निर्धारण किया गया था। निर्धारित आश्रम व्यवस्था की सफलता 'पुरुषार्थ' पर ही निर्भर थी। ये पुरुषार्थ हैं– धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। इन्हें चर्तुवर्ग भी कहा गया हैं। पुरुषार्थ के अन्तर्गत मनुष्य भौतिक सुखों का उपभोग करते हुए धर्म का भी समान रूप से अनुसरण करके मोक्ष का अधिकारी होता हैं। अतः दिए गए विकल्प में 'सत्व' पुरुषार्थ नहीं है।

48. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रंथ वैदिक साहित्य का हिस्सा नहीं है?

(a) ब्राह्मण (b) आरण्यक
(c) पिटक (d) उपनिषद

RRB Group-D – 24/08/2022 (Shift-I)

Ans.(c) : वेद हिन्दू धर्म के आधारभूत ग्रन्थ हैं, जिनकी संख्या चार है 1. ऋग्वेद, 2. यजुर्वेद, 3. अथर्ववेद, 4. सामवेद।
इन सभी वेदों के ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद है। चारों वैदिक संहिताएँ तथा इनके ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद् मिलाकर वैदिक साहित्य कहलाते हैं, जबकि पिटक बौद्ध धर्म की प्रमुख पुस्तक हैं। बौध धर्म में पिटकों का वेदों (हिन्दू धर्म में) के समान ही महत्व है। पिटक तीन है-
1. विनय पिटकः बौद्ध धर्म व संघ के नियमों का संकलनः
2. सुत्त पिटकः बौद्ध धर्म के सिद्धांतो का संकलन,
3. अभिधम्म पिटकः इसमें दार्शनिक क्रिया कलापों की व्याख्या की गई है।

49. हिन्दू धर्म में, इनमें से किस देवता को सृजनकर्त्ता माना जाता है?

(a) ब्रह्मा (b) गणेश
(c) महेश (d) विष्णु

RRB Group-D– 29/08/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : हिन्दू धर्म में सृजनकर्ता का देवता ब्रह्मा को माना जाता है। भगवान विष्णु को इस सृष्टि के संचालन कर्ता के रूप में तथा भगवान शिव को सृष्टि के विनाशक के रूप में जाना जाता है।

50. ऐतरेय उपनिषद, ———— के ऐतरेय आरण्यक की दूसरी पुस्तक के चौथे, पांचवें और छठे अध्याय से संबंधित है, और इसे सबसे पुराना उपनिषद माना जाता है।

(a) ऋग्वेद (b) सामवेद
(c) यजुर्वेद (d) अथर्ववेद

RRB Group-D – 23/08/2022 (Shift–II)

Ans. (a) : ऐतरेय उपनिषद ऋग्वेद के ऐतरेय आरण्यक की दूसरी पुस्तक के चौथे, पांचवें और छठे अध्याय से संबंधित है और इसे सबसे पुराना उपनिषद माना जाता है। ऋग्वेद 10 मण्डल 1028 सूक्त एवं लगभग 10600 ऋचाएँ हैं। इस वेद के ऋचाओं के पढ़ने वाले ऋषि को होतृ कहते है। इस वेद से आर्यों के राजनीतिक प्रणाली एवं इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है।

51. ऋग्वेद चार वेदों में से पवित्रतम वेद है, जिसमें 10,600 ऋचाओं के _____ सुक्तों के 10 अध्याय (जिन्हें मंडल कहा जाता है) शामिल हैं।

(a) 1,028 (b) 1,128
(c) 1,210 (d) 1,230

RRB Group-D – 26/08/2022 (Shift–II)

Ans. (a) : चारो वेदों में ऋग्वेद सबसे प्राचीन है तथा अथर्ववेद सबसे नवीन है। ऋग्वेद को दस भागों में बांटा गया है जिन्हे मंडल के नाम से जाना जाता है, इसमें 10,600 ऋचाओं और 1028 सूक्तों का संग्रह है। ऋग्वेद में उद्धृत प्रमुख देवता इन्द्र हैं। प्रसिद्ध गायत्री मंत्र का उल्लेख ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में है, तथा 9वें मंडल में देवता सोम का उल्लेख है।

52. किस वेद में ऋचाओं (verses) की संख्या सर्वाधिक है?

(a) सामवेद (b) अथर्ववेद
(c) ऋग्वेद (d) यजुर्वेद

RRB Group-D – 02/09/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. निम्नलिखित में से कौन सा चारों वेदों में से सबसे पुराना और सबसे बड़ा वेद है?

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद
(c) अथर्ववेद (d) सामवेद

RRB Group-D – 16/09/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. ऋग्वेद -----का संग्रह है।

(a) 1028 सूक्तों (b) 2028 सूक्तों
(c) 4028 सूक्तों (d) 3028 सूक्तों

RRB Group-D – 13/09/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

55. प्रारंभिक हिंदू दर्शन में जीवन के कितने चरण निर्धारित किए गए हैं?

(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

RRB Group-D – 30/08/2022 (Shift–III)

Ans. (c) : प्रारंभिक हिंदू दर्शन में जीवन के चार चरण निर्धारित किए गए है –
(1) ब्रह्मचर्य (0-25 वर्ष) (2) गृहस्थ (25-50 वर्ष)
(3) वानप्रस्थ (50-75 वर्ष)(4) संन्यास (75-100 वर्ष)

56. चारों वेदों में से किस वेद को 'यज्ञ' सूत्रों के वेद के रुप में जाना जाता है, जिसमें समान उद्देश्य के लिए इच्छित छंदों के साथ -साथ विभिन्न संस्कारों के लिए अपनाएं जानें वाले गद्य सूत्र भी शामिल है?

(a) सामवेद (b) अथर्ववेद
(c) यजुर्वेद (d) ऋग्वेद

RRB Group-D – 29/09/2022 (Shift–III)

Ans. (c) : चारो वेदों में से यजुर्वेद को 'यज्ञ सूत्रों के वेद' के रूप में जाना जाता है, जिसमें समान उद्देश्य के लिए इच्छित छंदो के साथ-साथ विभिन्न संस्कारों के लिए अपनाए जाने वाले गद्य सूत्र भी शामिल हैं।

57. उपनिषद शब्द में 'उप' शब्द क्या दर्शाता है?

(a) गुप्तता (b) निकटता
(c) समग्रता (d) खुशी

RRB Group-D – 17/08/2022 (Shift–III)

Ans. (b) : उपनिषद शब्द में 'उप' शब्द निकटता को दर्शाता है। उपनिषद सामान्यतः वेदान्त कहलाते हैं। वे दार्शनिक ग्रंथ हैं। भारतीय दर्शन के कुछ प्रमुख उपनिषद वृहदारण्यक, छांदोग्य, ऐतरेय, कौषितकी, मैत्रायणी आदि हैं।

58. ऋग्वेद के स्तोत्रों (Hymns) को _____के रूप में भी जाना जाता है ।

(a) सूक्त (b) ज्ञान
(c) रूद्र (d) कर्मकांडों

RRB Group-D – 06/09/2022 (Shift–I)

Ans. (a) : ऋग्वेद के स्तोत्रों को सूक्त के रूप में भी जाना जाता है। ऋग्वेद सबसे प्राचीन वेद है। इसमें कुल 1028 सूक्त है। संपूर्ण ऋग्वेद को 10 मण्डलों में विभक्त किया गया है।

59. निम्नलिखित में से किस वेद को ''गीत की पुस्तक'', ''मंत्रों का वेद'' या ''गीत का योग'' भी कहा जाता है?

(a) सामवेद (b) यजुर्वेद
(c) अथर्ववेद (d) ऋग्वेद

RRB Group-D – 08/09/2022 (Shift–I)

Ans. (a) : सामवेद को 'गीत की पुस्तक', 'मंत्रों का वेद' या 'गीत का योग' कहा जाता है। इसमें कुल मंत्रों की संख्या 1869 है, इनमें से 1474 मंत्र ऋग्वेद से लिये गये है। इसी कारण सामवेद को ऋग्वेद से अभिन्न माना जाता है। यह पद्य में है तथा सूर्य देवता को समर्पित है।

60. सबसे पुराना वेद.....है।

(a) सामवेद (b) यजुर्वेद
(c) अथर्ववेद (d) ऋग्वेद

RRB Group-D 12-12-2018 (Shift-I)
RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संग्रह को ऋग्वेद कहते हैं। ऋग्वेद सबसे पुराना वेद है। इसमें 10 मण्डल, 1028 सूक्त (वालखिल्य पाठ के 11 सूक्त) एवं 10,462 ऋचाएँ (मंत्र) हैं। हालांकि मंत्रों/ऋचाओं की संख्या के बारे में विद्वानों में मतभेद है। इस वेद के ऋचाओं के पढ़ने वाले पुरोहित को होतृ कहते हैं।
विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के तीसरे मण्डल में सूर्य देवता सावित्री (सवितृ) को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है। इसके 9वें मण्डल में देवता सोम का उल्लेख है।

61. ऋग्वेद में ऐसे ..... मंत्र है जिनमें अप्रमाणिक वलखिल्य भजन शामिल हैं–

(a) 1549 (b) 1028
(c) 760 (d) 1875

RRB Group-D 29-10-2018 (Shift-III)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. ऋग्वेद में ..... मंत्र है-

(a) 1,014 (b) 1,028
(c) 1,035 (d) 1,020

RRB Group-D 12-10-2018 (Shift-III)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. वेदों का इनमें से कौन सा अंग जटिल शब्दों के अर्थ एवं व्याख्या के लिए प्रसिद्ध है ?

(a) कल्प (b) छंद
(c) व्याकरण (d) निरुक्त

RRB NTPC 23.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : वेदों के अंग को वेदांग कहा जाता है। वेदांगों की संख्या छः है- शिक्षा, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष और कल्प। इनमें से वेदों का अंग 'निरुक्त' जटिल शब्दों के अर्थ एवं व्याख्या के लिए प्रसिद्ध है। जो कठिन शब्द व्याकरण की पहुँच से बाहर थे, उनके अर्थ जानने के लिए ही निरूक्त की रचना हुई। निरूक्त के रचयिता यास्क है। यास्क मुनि ने निरूक्त को व्याकरण का पूरक माना है।

64. भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य, 'सत्यमेव जयते' (अर्थात ''सत्य की हमेशा विजय होती है'') किस प्राचीन भारतीय शास्त्र से उद्धत एक मंत्र है?

(a) ऋग्वेद (b) मुण्डकोपनिषद्
(c) भगवद् गीता (d) मत्स्य पुराण

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]
RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' (अर्थात् सत्य की हमेशा विजय होती है) मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है। इसका उल्लेख सम्राट अशोक द्वारा बनवाये गये सिंह स्तम्भ (सारनाथ) में भी रहा है जिसे हू-ब-हू भारत के राष्ट्रीय प्रतीक में शामिल किया गया है।

65. धनुर्वेद, यजुर्वेद का उपवेद है। इसका संबंध निम्न में से किससे है?

(a) चिकित्सा से (b) वास्तुकला से
(c) कला एवं संगीत से (d) युद्ध कौशल से

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : धनुर्वेद, यजुर्वेद का एक उपवेद है। इसके अन्तर्गत धनुर्विद्या या सैन्य विज्ञान आता है। धनुर्वेद वह शास्त्र है, जिसमें धनुष चलाने की विद्या का निरूपण किया गया है। मधुसूदन सरस्वती ने अपने 'प्रस्थान भेद' नामक ग्रंथ में धनुर्वेद को यजुर्वेद का उपवेद लिखा है।

66. निम्न में से किस वेद में संगीत से संबंधित ज्ञान संग्रहित है?

(a) ऋग्वेद (b) अथर्ववेद
(c) सामवेद (d) यजुर्वेद

RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-I)

Ans. (c) : सामवेद, संगीत से संबंधित वेद है। 'साम' का अर्थ 'गान' से है। सामवेद में संकलित मंत्रों को देवताओं की स्तुति के समय गाया जाता था। सामवेद में कुल 1875 ऋचायें हैं। इनमें से 75 ही सामवेद के हैं, शेष ऋग्वेद से ग्रहण किये गये है।

67. वेदों को इंडो-आर्यन सभ्यता का सर्वप्रथम साहित्यिक अभिलेख माना जाता है। इसमें शामिल चार वेदों के नाम ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और _____ हैं।

(a) अथर्ववेद (b) धनुर्वेद
(c) आयुर्वेद (d) शिल्पवेद

RRB NTPC 16.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : वेदों को इण्डो-आर्यन सभ्यता का सर्वप्रथम साहित्यिक अभिलेख माना जाता है, जिनका संकलन 'महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास' ने की थी। वेद का अर्थ 'ज्ञान' है। इनसे आर्यों के आगमन व बसने की जानकारी मिलती है। वेद चार हैं –: ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। इन चार वेदों को संहिता कहा जाता है।

68. मुंडक उपनिषद् किससे संबंधित है?

(a) सामवेद (b) अथर्ववेद
(c) यजुर्वेद (d) ऋग्वेद

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : मुण्डकोपनिषद् अथर्ववेद की शौनकीय शाखा का उपनिषद् है। इस उपनिषद् में तीन मुण्डक हैं, प्रत्येक मुण्डक के दो-दो खण्ड हैं तथा कुल 64 मंत्र हैं। मुण्डकोपनिषद् को मंत्रोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। भारत के राष्ट्रीय प्रतीक में अंकित 'सत्यमेव जयते' शब्द भी मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है।

69. भारत की वैदिक काल अवधि कब तक चली :

(a) 1500 to 500 BC (b) 336 to 323 BC
(c) 3000 to 2600 BC (d) 550 to 323 BC

RRB NTPC 22.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : सिंधु सभ्यता के पतन के बाद जो नवीन संस्कृति प्रकाश में आयी, उसके विषय में हमें सम्पूर्ण जानकारी वेदों से मिलती है। इसलिए इस काल को हम वैदिक काल के नाम से जानते है। इसका समय 1500–500 ई.पू. तक है।

70. निम्नलिखित में से कौन सा वेद जादुई अनुष्ठानों और वशीकरण के बारे में बताता है?

(a) अथर्ववेद (b) सामवेद
(c) ऋग्वेद (d) यजुर्वेद

RRB Group-D 25-09-2018 (Shift-I)

Ans. (a) अथर्ववेद को ब्रह्मावेद भी कहा जाता है। अथर्वा ऋषि के नाम पर इस वेद का नाम अथर्ववेद पड़ा। इस वेद की रचना सबसे बाद में हुई। इसमें 20 अध्याय, 731/730 सूक्त व 5987 मंत्र है। इसमें वशीकरण, जादू–टोना, भूत–प्रेतों व औषधियों से सम्बन्धित मन्त्रों का वर्णन है। काशी का प्राचीनतम उल्लेख अथर्ववेद में ही मिलता है।

71. 'यजुर्वेद' में यजुर का अर्थ क्या है?

(a) जीवन (b) प्रकृति
(c) बलिदान (d) सत्य

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-III) Stage II[nd]

Ans : (c) यजुर्वेद में 'यजुर' का अर्थ बलिदान है, यजुर्वेद हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण श्रुति धर्मग्रन्थ है। इसमें यज्ञ एवं बलि की प्रक्रिया के बारे में बताया गया है। यह हिन्दू धर्म के चार प्रमुख ग्रन्थों में से एक है।

72. निम्न में से किस वेद में बीमारियों का उपचार दिया गया है?

(a) यजुर (b) ऋग्
(c) साम (d) अथर्व

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage II[nd]

Ans : (d) अथर्ववेद में बीमारियों के उपचार के बारे में बताया गया है। अथर्ववेद में मनुष्यों के सामान्य विचारों तथा अंधविश्वासों का विवरण मिलता है। इसमें विविध विषयों से सम्बंधित मंत्र तथा रोग निवारण, समन्वय, राजभक्ति, विवाह तथा प्रणय गीतों आदि के विवरण सुरक्षित है। यह अथर्वा ऋषि द्वारा रचित है।

73. निम्नलिखित में से किस उपनिषद् में 'वसुधैवकुटुम्बकम' शब्द का उल्लेख किया गया है?

(a) महा उपनिषद् (b) छांदोग्य उपनिषद्
(c) बृहदारण्यका उपनिषद् (d) केनोपनिषद्

RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-III)

Ans. (a) महा उपनिषद् में 'वसुधैवकुटुम्बकम' शब्द का उल्लेख किया गया है। इसका अर्थ 'धरती (संसार) ही परिवार' होता है।

74. ..... उपनिषदों में से ..... उपनिषद् मुख्य माने जाते हैं–

(a) 108, 11 (b) 116, 22
(c) 100, 12 (d) 99, 10

RRB Group-D 11-10-2018 (Shift-II)

Ans. (a) उपनिषद् ही समस्त भारतीय दर्शन के मूल स्रोत हैं। इन्हें वेदान्त भी कहा जाता है। 'सत्यमेव जयते' भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है जो मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है। भारतीय इतिहास में मुक्तिका उपनिषद् में 108 उपनिषदों का उल्लेख मिलता है, लेकिन 11 उपनिषद् ही प्रामाणिक हैं जिनमें वृहदारण्यक उपनिषद सबसे बड़ा, मांडूक्योपनिषद् सबसे छोटा (12 श्लोक) तथा छांदोग्य उपनिषद् सबसे पुराना है।

75. _____ सबसे पुराना उपनिषद् है।

(a) ईशा उपनिषद् (b) मांडुक्य उपनिषद्
(c) केना उपनिषद् (d) छांदोग्य उपनिषद्

RRB Group-D 12-10-2018 (Shift-I)

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

76. प्रारंभिक भारतीय दार्शनिक के अनुसार, प्रत्येक वस्तु _____ मूल तत्वों से बनी है।

(a) 2 (b) 4
(c) 3 (d) 5

RRB ALP & Tec. (09-08-18 Shift-III)

Ans : (d) पञ्चभूत (पंचतत्व या पंचमहाभूत) भारतीय दर्शन में सभी पदार्थों के मूल माने गये हैं। आकाश, वायु, अग्नि, जल तथा पृथ्वी ये पांच महाभूत माने गये हैं जिनसे सृष्टि का प्रत्येक पदार्थ बना है। इनसे बने पदार्थ जड़ होते हैं, सजीव बनने के लिए इनको आत्मा चाहिए। आत्मा को वैदिक साहित्य में पुरूष कहा जाता है। सांख्य दर्शन में प्रकृति इन्हीं पंचभूतों से बना माना गया है।

77. 'कठोपनिषद्' में नचिकेता नामक एक किशोर और देवता के बीच हुई बातचीत दर्ज है। निम्नलिखित में से कौन सा देवता नचिकेता से बात कर रहा है?

(a) भगवान यम (b) भगवान शिव
(c) भगवान इंद्र (d) भगवान कार्तिकेय

RRB ALP & Tec. (09-08-18 Shift-II)

Ans : (a) 'कठोपनिषद' में नचिकेता एवं देवता यम के मध्य हुई बातचीत (संवाद) दर्ज है। यह कृष्ण यजुर्वेद शाखा का उपनिषद है। इस उपनिषद के रचयिता 'कठ' नामक आचार्य है।

4. महाजनपद काल (Mahajanpada Period)

78. निम्नलिखित विकल्पों में से गलत जोड़ी का चयन करें–

(a) चन्द्रगुप्त : मौर्य (b) बिम्बिसार : गुप्त
(c) राजराजा : चोल (d) कनिष्क : कुषाण

RRB NTPC Stage I[st] 28.04.2016 (Shift-II)

Ans : (b) बिम्बिसार ने 544 ई. पू. में मगध पर हर्यक वंश की स्थापना की। इसके पूर्व यहाँ बृहद्रथ का शासन था। बिम्बिसार ने गिरिव्रज को अपनी राजधानी बनायी। इसने वैवाहिक सम्बन्धों द्वारा अपनी स्थिति मजबूत की। बिम्बिसार ने लिच्छवि शासक चेटक की पुत्री चेल्लना, कोशलराज प्रसेनजित की बहन महाकोशला तथा मद्र देश की कन्या क्षेमा से विवाह किया। काशी, महाकोशला देवी के साथ दहेज में मिला था।

79. बिम्बिसार ..... का शासक था।

(a) मगध (b) मथुरा
(c) गांधार (d) तक्षशिला

RRB JE CBT-II 31.08.2019 IInd Shift

Ans : (a) बिम्बिसार मगध का शासक था।

80. निम्नलिखित में से कौन सी मगध साम्राज्य की राजधानी थी?

(a) वैशाली (b) राजगीर
(c) उज्जैन (d) कौशांबी

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : मगध प्राचीन भारत के सोलह महाजनपदों में से एक था। यह बौद्ध काल में उत्तर भारत का सबसे शक्तिशाली जनपद था। इसकी प्राचीन राजधानी राजगृह (राजगीर) या गिरिव्रज थी। कालांतर में मगध की राजधानी पाटलिपुत्र स्थानांतरित हुई। हालांकि शिशुनाग के शासनकाल में राजगीर (गिरिव्रज) के अतिरिक्त वैशाली नगर को भी दूसरी राजधानी बनाया गया था जो बाद में उसकी प्रधान राजधानी बन गई।

81. आर्य संस्कृति के सर्वोच्च काल में, गंगा घाटी के जनपद, जो संख्या में _____ थे, महाजनपद बन गए थे।

(a) 16 (b) 14
(c) 15 (d) 18

RRB Group-D 12-12-2018 (Shift-III)

Ans. (a) छठी शताब्दी ई. पू. में 16 महाजनपदों का उदय हुआ। ये 16 महाजनपद पूर्व में आर्य संस्कृति के सर्वोच्च काल में, गंगा घाटी के 16 जनपद थे। इन 16 महाजनपदों का उल्लेख बौद्ध ग्रंथ 'अंगुत्तर निकाय' तथा जैन ग्रंथ 'भगवती सूत्र' से मिलता है। इन 16 महाजनपदों में मगध (गिरिव्रज), वत्स (कौशाम्बी), कोशल (श्रावस्ती) एवं अवन्ति (उज्जैन) सर्वाधिक प्रसिद्ध थे। प्राचीन भारत में राज्य या प्रशासनिक इकाईयों को महाजनपद कहा जाता था।

82. प्राचीन काल में 'अवध' को किस नाम से जाना जाता था?

(a) कोसल (b) कपिलवस्तु
(c) कौशाम्बी (d) काशी

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-II) Stage II[nd]

Ans : (a) 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व में भारतवर्ष 16 महाजनपदों में विभाजित था। प्राचीन काल में 'अवध' को 'कोशल' नाम से जाना जाता था। वर्तमान में यह क्षेत्र फैजाबाद (उत्तर प्रदेश) में स्थित है।

5. जैन धर्म (Jainism)

83. 19वीं शताब्दी में निर्मित अजमेर का सोनीजी की नसिया मंदिर _____ को समर्पित है।

(a) भगवान ऋषभदेव (b) भगवान अजितनाथ
(c) भगवान महावीर (d) भगवान चंद्रप्रभ

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : 19वीं शताब्दी में निर्मित सोनी जी की नसिया मंदिर अजमेर शहर में स्थित एक जैन मंदिर है। इसे 'लाल मंदिर' भी कहते है। यह मंदिर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को समर्पित है।

84. जैन धर्म से संबंधित जल मंदिर का निर्माण किसने करवाया था?

(a) सम्राट अशोक (b) ऋषभदेव
(c) राजा नंदिवर्धन (d) पार्श्वनाथ

RRB Group–D : 23/08/2022 (Shift -III)

Ans. (c) : जैन धर्म से संबंधित जल मंदिर बिहार के पावापुरी शहर में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण महावीर के बड़े भाई राजा नंदिवर्द्धन ने करवाया था। यह मंदिर एक तालाब के मध्य में बना है, तथा इसमें मुख्य पूज्यनीय वस्तु भगवान महावीर की चरण पादुका है।

85. जैन धर्म में तीर्थंकर किसे कहते हैं?

(a) धर्म का रक्षक एवं आध्यात्मिक शिक्षक, जो मोक्ष, या मुक्ति का मार्ग बताता है।
(b) वह व्यक्ति, जो एक ईश्वर और एक आत्मा में विश्वास करता है, तथा पुनर्जन्म में विश्वास रखता है।
(c) वह व्यक्ति, जो कभी भी ईश्वर में विश्वास नहीं करता है।
(d) तीर्थयात्रियों का एक समूह।

RRB Group-D – 06/10/2022 (Shift -I)

Ans. (a) : जैन धर्म में तीर्थंकर को धर्म का रक्षक एवं आध्यात्मिक शिक्षक के रूप में माना जाता है जो मोक्ष या मुक्ति का मार्ग बताता है। जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए हैं। ऋषभदेव जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर और महावीर स्वामी चौबीसवें तीर्थंकर हुए।

86. निम्न में से कौन-सा स्थान जैन धर्म से सम्बन्धित नहीं है?

(a) दिलवाड़ा (b) पार्श्वनाथ
(c) श्रवणबेलगोला (d) कुशीनगर

RRB Group- D – 20/09/2022 (Shift–II)

Ans. (d) : कुशीनगर जैन धर्म से संबंधित स्थान नहीं है। यहाँ बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण हुआ था। मल्लों ने यहाँ बुद्ध के अवशेषों पर एक स्तूप का निर्माण करवाया था। यह नगर बौद्ध धर्म में विशेष स्थान रखता है तथा यहाँ कनिष्क ने विहारों एवं चैत्यों का निर्माण करवाया था।

87. जब कोई तीर्थंकर अपने नश्वर शरीर को छोड़ता है, तो इसे ----- के रूप में जाना जाता है।

(a) सिद्धशिला (b) तपकल्याण
(c) जन्मकल्याण (d) निर्वाण

RRB Group- D – 11/10/2022 (Shift–II)

Ans. (d) : जब कोई तीर्थंकर अपने नश्वर शरीर को छोड़ता है, तो इसे निर्वाण (मृत्यु) के रूप में जाना जाता है। जैन धर्म के संस्थापक ऋषभदेव थे, तथा जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी थे।

88. निम्नलिखित में से कौन सा 'आगम' जैन धर्म में अहिंसा का वर्णन करता है?

(a) सूत्रक्रातांग सूत्र (b) स्थानांग सूत्र
(c) समवायांग सूत्र (d) अंतः क्रदाशांग सूत्र

RRB Group-D – 01/09/2022 (Shift–II)

Ans. (a) : जैन साहित्य को आगम कहा जाता है। इसके अन्तर्गत 12 अंग, 12 उपांग, 10 प्रकीर्ण, 6 छेदसूत्र 4 मूलसूत्र, अनुयोग सूत्र तथा नंदिसूत्र की गणना की जाती है। जैन धर्म का सूत्रक्रातांग सूत्र अहिंसा का वर्णन करता है। इस सूत्र में कहा गया है कि यह जानते हुए कि सभी बुराइयां और दुख जीवित प्राणियों की चोट से उत्पन्न होते है और यह अंतहीन शत्रुता की ओर ले जाता है और महान भय का मूल कारण है, एक बुद्धिमान व्यक्ति जो जागृत हो गया है, उसे सभी पाप कर्मो से बचना चाहिए।

89. निम्नलिखित में से किसे जैन धर्म का प्रथम तीर्थंकर माना जाता है?

(a) ऋषभनाथ (b) नेमिनाथ
(c) पार्श्वनाथ (d) वर्धमान महावीर

RRB Group-D – 16/09/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे। महावीर स्वामी जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर हैं।

• जैन धर्म अनीश्वरवादी है। यह ईश्वर तथा वेदों की सत्ता में विश्वास नही रखता है।

• जैन अनुयायी अहिंसा में विश्वास करते हैं।
• जैन धर्म में कर्म की प्रधानता दी गई है।
• जैन धर्म आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार करता है।

90. वर्धमान महावीर जैन धर्म के _____ तीर्थंकर थे।
(a) 2वें (b) 20 वें
(c) 24 वें (d) 5 वें

RRB Group- D – 14/09/2022 (Shift–I)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

91. जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से प्रथम तीर्थंकर कौन हैं ?
(a) सुमतिनाथ (b) ऋषभनाथ
(c) संभवनाथ (d) पद्मप्रभु

RRB Group-D – 07/10/2022 (Shift–II)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

92. जीवन में जिन पांच बंधनों को जैन धर्म के लोगों द्वारा पालन करना होता है, उनमें से निम्न में से किसका अर्थ गैर-अभिग्रहण (non-acquisition) है?
(a) ब्रह्मचर्य (b) अपरिग्रह
(c) अस्तेय (d) अहिंसा

RRB Group-D – 15/09/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : जैनियों के अनुसार कर्म और बंधन से आत्मा को मुक्ति दिलाने के लिए पाँच महाव्रत– अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य तथा अपरिग्रह है। 'अपरिग्रह' का अर्थ गैर-अभिग्रहण अर्थात् कोई भी वस्तु संचित ना करना।

93. ____ को वह पवित्र व्यक्ति माना जाता है, जिसने जैन धर्म को उसका वर्तमान स्वरूप प्रदान किया।
(a) महावीर (b) वासुदेव
(c) ऋषभनाथ (d) दिगंबर

RRB Group-D – 12/09/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : महावीर को वह पवित्र व्यक्ति माना जाता है, जिसने जैन धर्म को उसका वर्तमान स्वरूप प्रदान किया। महावीर का जन्म प्राचीन वज्जि गणतन्त्र की राजधानी वैशाली के निकट कुण्डग्राम के ज्ञातृककुल के प्रधान सिद्धार्थ के यहाँ 540 ई.पू. में हुआ था। इनकी माता का नाम त्रिशला था, जो लिच्छवी राजकुमारी थी, तथा इनकी पत्नी का नाम यशोदा था।

94. स्वामी महावीर का जन्म कहां हुआ था?
(a) पावापुरी (b) पाटलिपुत्र
(c) लुंबिनी (d) कुंडग्राम

RRB Group-D – 26/09/2022 (Shift–II)

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. महावीर और उनके अनुयायियों की शिक्षाओं को लगभग 1500 वर्ष पहले जिस रूप में लिखा गया था, उसी रूप में वे वर्तमान में किस स्थान पर उपलब्ध हैं?
(a) बिहार में वैशाली (b) बिहार में लघुआर
(c) बिहार में पावापुरी (d) गुजरात में वल्लभी

RRB Group-D – 28/09/2022 (Shift–I)

Ans. (d) : जैन धर्म के 24वें व अन्तिम तीर्थंकर महावीर स्वामी और उनके अनुयायियों की शिक्षाओं को लगभग 1500 वर्ष पहले जैसे लिखा गया उसी रूप में वर्तमान में गुजरात के वल्लभी में उपलब्ध है। वल्लभी, गुजरात में दूसरी जैनसभा का आयोजन 512 AD में भानुगुप्त के शासनकाल में किया गया, जिसकी अध्यक्षता देवर्धि क्षमाश्रवम ने की थी।

जैन संगीतियाँ

संगीति	काल	स्थान	अध्यक्ष
प्रथम	चतुर्थ शताब्दी ई.पू.	पाटलिपुत्र	स्थूलभद्र
द्वितीय	512 ई.	वल्लभी	देवर्धि क्षमा श्रमण

96. जैन धर्म में, 'जैन' शब्द संस्कृत शब्द 'जिन' से लिया गया है, जिसका अर्थ है....., अर्थात् जिसने सभी मानवीय भावावेशों पर विजय प्राप्त कर ली हो।
(a) विजेता (b) फुर्ती
(c) अमर (d) खरापन

RRB Group-D – 17/08/2022 (Shift–I)

Ans. (a) : जैन धर्म में, 'जैन' शब्द संस्कृत 'जिन' शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है ''विजेता'' अर्थात् जिसने प्रेम, द्वेष, सुख, दुख, राग, तृष्णा तथा सभी मानवीय भावावेशों पर विजय प्राप्त कर लिया है और इस तरह ज्ञान, सत्य और क्षमता को ढकने व कर्मों से अपनी आत्मा को मुक्त कर लिया है। वह एक 'जिन' कहलाता है।

97. जैन धर्म का तीर्थ स्थल-पालीताणा मंदिर निम्न में से किस राज्य में स्थित है?
(a) झारखंड (b) गुजरात
(c) राजस्थान (d) कर्नाटक

RRB Group-D – 14/09/2022 (Shift–III)

Ans. (b) : जैन धर्म का तीर्थस्थल– पालीताणा मन्दिर गुजरात के भावनगर जिले में शत्रुंजय पहाड़ी पर स्थित जैनियों का पवित्र तीर्थस्थल है। मुख्य मंदिर प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को समर्पित है। यह मंदिर एक महान जैन संरक्षक कुमारपाल सोलंकी ने 11वीं शताब्दी में बनाया था। पालिताना शहर को 'मंदिरों का शहर' माना जाता है।

98. दिगंबर संप्रदाय इनमें से किस धर्म से संबंधित है?
(a) सिख धर्म (b) बौद्ध धर्म
(c) इस्लाम धर्म (d) जैन धर्म

RRB Group-D – 25/08/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : दिगंबर सम्प्रदाय जैन धर्म के दो सम्प्रदाओं में से एक है। लगभग 300 ईसा पूर्व मगध में भीषण अकाल पड़ने पर जैन धर्म के अनुयाइयों में मतभेद पड़ जाने से यह धर्म दो सम्प्रदायों दिगम्बर और श्वेतांबर में विभक्त हो गया। दिगम्बर सम्प्रदाय के प्रवर्तक - भद्रबाहु।
श्वेतांबर सम्प्रदाय के प्रवर्तक - स्थूलभद्र।
• जैन धर्म के 24वें व अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी
• प्रथम तीर्थंकर - ऋषभदेव
• 23वें तीर्थंकर - पार्श्वनाथ।

99. छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व के प्रारंभ में भगवान महावीर का जन्म निम्नलिखित में से किस स्थल पर हुआ?
(a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) वैशाली (d) सारनाथ

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें एवं अन्तिम तीर्थंकर थे। उनका जन्म 540 ई. पूर्व में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। इनके पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक कुल के प्रधान थे और माता त्रिशला लिच्छवि राजा चेटक की बहन थी। विदित है कि जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे।

100. भगवान महावीर का मूल नाम क्या है ?
(a) आनंद (b) सिद्धार्थ
(c) सारिपुत्त (d) वर्धमान

RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : भगवान महावीर का मूल नाम 'वर्धमान' था। महावीर का जन्म प्राचीन वज्जि गणतंत्र की राजधानी वैशाली के निकट कुण्डग्राम के ज्ञातृक कुल के प्रधान सिद्धार्थ के यहां 540 ई.पू. में हुआ था। इनकी माता का नाम त्रिशला था, जो लिच्छवी राजकुमारी थी। इनकी पत्नी का नाम यशोदा था। महावीर को जृम्भिक के समीप ऋजुपालिका नदी के किनारे कैवल्य (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त हुआ।

101. जैन मठ संस्थानों को क्या कहा जाता है ?

(a) अपरिग्रह (b) श्वेतांबर
(c) तीर्थ (d) बसादिस

RRB NTPC 23.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) जैन मठ संस्थानों को बसादी (बसादिस) कहा जाता है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव तथा 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी हुए। महावीर स्वामी के अनुयायियों को मूलतः निर्ग्रंथ कहा जाता था।

102. महावीर____ तीर्थंकरों में अंतिम तीर्थंकर माने जाते हैं।

(a) 22 (b) 26
(c) 24 (d) 20

RRB Group-D 11-10-2018 (Shift-I)

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

103. चौबीसवें जैन तीर्थंकर का नाम क्या था ?

(a) गोमतेश्वर (b) पारसनाथ
(c) ऋषभ (d) महावीर

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : जैन धर्म के चौबीसवें एवं अंतिम तीर्थंकर महावीर थे। महावीर स्वामी का जन्म 599 ई. पूर्व में कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ था। जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर ऋषभ देव थे। जैन धर्म दो समुदायों में विभाजित हैं–(1) श्वेताम्बर, (2) दिगम्बर। जैन साहित्य बहुत विशाल है जिनमें से अधिकांश धार्मिक साहित्य ही है। संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं में यह साहित्य लिखा गया है। जैन धर्म के त्रिरत्न है – सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक आचरण।

104. पार्श्वनाथ जो एक क्षत्रिय और बनारस के राजा अश्वसेन का पुत्र था, वह ..... जैन तीर्थंकर बना?

(a) तेईसवाँ (b) चौबीसवां
(c) प्रथम (d) द्वितीय

RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-III)

Ans. (a) काशी नरेश अश्वसेन के पुत्र पार्श्वनाथ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे। इनका प्रतीक चिन्ह सर्प फन था। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव (आदिनाथ) थे जिनका प्रतीक वृषभ था।

105. त्रिरत्न की अवधारणा ..... से संबंधित है–

(a) सिख धर्म (b) जैन धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) पारसी धर्म

RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (b/c) जैन धर्म के अनुसार त्रिरत्न– सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान एवं सम्यक् आचरण है। बौद्ध धर्म के अनुसार त्रिरत्न बुद्ध, धम्म और संघ है।

नोट– RRB द्वारा इस प्रश्न को निरस्त कर दिया गया है।

106. निम्नलिखित में से अनुसरण किए जाने वाले धर्म एवं पवित्र पुस्तिका की कौन सी जोड़ी असंगत है?

(a) इस्लाम : कुरान
(b) सिख धर्म : गुरू ग्रंथ साहेब
(c) जैन धर्म : उपनिषद
(d) ईसाई धर्म : बाइबल

RRB NTPC Stage Ist 26.04.2016 (Shift-II)

Ans : (c) जैन साहित्य का प्राचीनतम भाग 'आगम' कहलाता है। जैन रचनाकारों ने पुराण काव्य, चरित काव्य, कथा काव्य, रास काव्य आदि ग्रंथों की रचनाएं की हैं।

उपनिषद– हिन्दू धर्म के महत्वपूर्ण श्रुति धर्मग्रन्थ है। ये वैदिक वांग्मय के अभिन्न अंग है, इनमें परमेश्वर, परमात्मा–ब्रह्मा और आत्मा के स्वभाव और सम्बन्ध का बहुत ही दार्शनिक और ज्ञान पूर्वक वर्णन किया गया है।

107. शब्द श्वेताम्बर ——— से जुड़ा हुआ है।

(a) सिख धर्म (b) जैन धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) यहूदी धर्म

RPF Constable 18-02-2019 (Shift-III)

Ans. (b) : श्वेताम्बर शब्द जैन धर्म से जुड़ा है। चन्द्रगुप्त मौर्य के शासन काल में जैन धर्म दो सम्प्रदायों- श्वेताम्बर एवं दिगम्बर में बट गया था। श्वेताम्बर सम्प्रदाय के अनुयायी सफेद वस्त्र धारण करते हैं जबकि दिगम्बर सम्प्रदाय के अनुयायी नग्न रहते हैं।

6. बौद्ध धर्म (Buddhism)

108. बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को दिया था,जिसे _____ कहा जाता है।

(a) धर्मचक्रप्रवर्तन (b) महा परिनिर्वाण
(c) महाभिनिष्क्रमण (d) निरंजन

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : उरुवेला में ज्ञान प्राप्त करने बाद गौतम बुद्ध ने पहला उपदेश सारनाथ में पाँच ब्राह्मणों को दिया था, जिसे 'धर्मचक्रप्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है। बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश कोशल की राजधानी श्रावस्ती में तथा महावीर स्वामी सर्वाधिक उपदेश राजगृह में दिये थे।

109. वैशाली में, द्वितीय बौद्ध संगीति (Second Buddhists Council) _____ द्वारा संचालित की गई थी।

(a) मुण्डा (b) कालाशोक
(c) सुनिधा (d) अनिरुद्ध

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : बौद्ध धर्म की संगीतियाँ तथा उनके समकालीन शासक निम्नलिखित है-

बौद्ध संगीतियाँ	अध्यक्ष	समकालीन शासक	स्थान
प्रथम संगीति	महाकस्सप	अजातशत्रु	राजगृह
द्वितीय संगीति	सबाकामी	कालाशोक	वैशाली
तृतीय संगीति	मोग्गलिपुत्ततिस्स	अशोक	पाटलिपुत्र
चतुर्थ संगीति	वसुमित्र	कनिष्क	कुण्डलवन

110. थेरीगाथा, एक बौद्ध ग्रंथ है, जो _____ का हिस्सा है, यह भिक्षुणियों द्वारा रचित छंदो का संग्रह है।

(a) दीपवंश (b) सुत्त पिटक
(c) महावंश (d) विनय पिटक

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : थेरीगाथा, एक बौद्ध ग्रंथ है, जो सुत्त पिटक के खुद्दक निकाय का हिस्सा है, जिसमें 15 लघु ग्रंथ है। यह स्थिविर भिक्षुणियों द्वारा रचित छंदों का संग्रह है। इनमें कुल 73 गीतों तथा 522 कविताओं का संग्रह है।

111. तीन पिटकों में से, अभिधम्म पिटक .....से संबंधित है।

(a) सारनाथ स्तम्भ संबंधी कहानियों
(b) बुद्ध की शिक्षाओं
(c) दार्शनिक मामलों
(d) संघ में शामिल होने वालों के लिए नियमों

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : अभिधम्म पिटक में बौद्ध मतों की दार्शनिक व्याख्या की गई है। इस पिटक का संकलन अशोक के समय में हुए तृतीय बौद्ध संगीति में मोग्गालिपुत्तिस्स ने किया था। ये हीनयानी थे। अभिधम्म पिटक में कुल सात ग्रन्थ सम्मिलित है। इन्हें सप्त प्रकरण कहा जाता है, (1) धम्म संगनि (2) विभंग (3) धातु कथा (4) पुग्गल पंगति (5) कथावत्थु (6) यमक (7) पट्ठान जिसमें सबसे महत्वपूर्ण ग्रन्थ कथावत्थु है, जिसकी रचना स्वयं मोग्गलिपुत्त तिस्स ने की है।

112. माना जाता है कि गौतम (सिद्धार्थ) ने अंतिम ज्ञान प्राप्ति के लिए बोधगया जाने से पहले छह साल तक _____ स्थान पर शुद्ध चित्त से ध्यान किया था।

(a) इतखोरी (b) प्रागबोधि
(c) राजगीर (d) कपिलवस्तु

RRB Group- D – 09/09/2022 (Shift–I)

Ans. (b) : माना जाता है कि गौतम (सिद्धार्थ) ने अंतिम ज्ञान प्राप्ति के लिए बोधगया जाने से पहले छह साल तक प्रागबोधि स्थान पर शुद्ध चित्त से ध्यान किया था।

113. 'त्रिपिटक' इनमें से किस धर्म का पवित्र ग्रंथ है?

(a) जैन धर्म (b) बौद्ध धर्म
(c) पारसी धर्म (d) सिख धर्म

RRB Group-D – 20/09/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : त्रिपिटक बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रंथ है जिसे सभी बौद्ध सम्प्रदाय (महायान, थेरवाद, वज्रयान, मूलसर्वास्तिवाद आदि) मानते हैं। यह बौद्ध धर्म के प्राचीनतम ग्रंथ है जिसमें भगवान बुद्ध के उपदेश संगृहीत है। यह ग्रंथ पालि भाषा में लिखा गया है। इसके तीन भाग हैं। सुत्तपिटक, विनय पिटक तथा अभिधम्म पिटक।

114. गौतम बुद्ध का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस गण से था?

(a) शाक्य (b) लिच्छवि
(c) मोरिया (d) मल्ला

RRB Group-D – 27/09/2022 (Shift–III)

Ans. (a) : गौतम बुद्ध का संबंध शाक्य गण से था। इनका जन्म 563 ई. पू. लुंबिनी में इक्ष्वाकु वंशीय राजा शुद्धोधन के घर में हुआ था। उनकी माता का नाम महामाया था, जो कोलीय वंश की थीं, जन्म के सातवें दिन माता का देहान्त हो जाने से इनका पालन इनकी मौसी महाप्रजापति गौतमी ने किया। 6 वर्षों के कठोर साधना के पश्चात् बोध गया (बिहार) में बोधि वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ से गौतम बुद्ध बन गये।

115. गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहाँ दिया था?

(a) बोध गया (b) लुम्बिनी
(c) सारनाथ (d) कुशीनगर

RRB Group-D – 22/09/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : ऋषिपत्तन या सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश पाँच पुराने साथियों को दिया था। गौतम बुद्ध का प्रथम उपदेश बौद्ध धर्म में 'धर्मचक्रप्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है।

116. गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस शहर में हुई थी?

(a) कौशांबी (b) बोधगया
(c) सांची (d) लुंबिनी

RRB Group-D – 24/08/2022 (Shift–II)

Ans. (b) : बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी नामक ग्राम में हुआ था। 29 वर्ष की अवस्था में सत्य की खोज व ज्ञान प्राप्ति हेतु गृह त्याग देने के पश्चात इन्हें 35 वर्ष की अवस्था में वैशाख पूर्णिमा की रात बोध गया (बिहार) में निरंजना नदी (फाल्गु) के किनारे पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई, तत्पश्चात् वे बुद्ध कहलाए। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ, माता का नाम महामाया तथा पिता का नाम शुद्धोधन था।
गौतम बुद्ध की 483 ई. पू. में 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में देहान्त (महापरिनिर्वाण) हो गया।

117. निम्नलिखित में से कौन सा बौद्ध धर्म से संबंधित एक पवित्र ग्रंथ है?

(a) तनख (b) आगम
(c) हदीस (d) त्रिपिटक

RRB Group–D 22/08/2022 (Shift–I)

Ans. (d) : त्रिपिटक बौद्ध धर्म से सम्बंधित एक पवित्र ग्रन्थ है। यह तीन भागों में है–
1. विनय पिटक 2. सुत्तपिटक 3. अभिधम्मपिटक
तीनों पिटकों की भाषा पालि है। बौद्ध धर्म मूलतःअनीश्वरवादी है। कर्म एवं पुनर्जन्म की परिकल्पना करता है परन्तु आत्मा की नहीं। आगम का सम्बन्ध जैन धर्म, हदीस का मुस्लिम धर्म से, तनख यहूदियों का मुख्य धार्मिक ग्रंथ है।

118. इनमें से कौन-सा शब्द सामान्यतः एक बौद्ध मठ को संदर्भित करता है, जिसमें बौद्ध भिक्षु रहते हैं?

(a) विहार (b) स्तूप
(c) चैत्य (d) गृह

RRB Group-D – 29/09/2022 (Shift–I)

Ans.(a) : बौद्ध मतानुयायियों के मठों को विहार कहा गया है। विहारों में बुद्ध प्रतिमा होती है जहाँ बौद्ध भिक्षु निवास करते हैं। बौद्ध धर्म में पूजा के निमित्त जिन गुफाओं का निर्माण किया गया उसे चैत्य कहते हैं।

119. निम्नलिखित में से किस स्थान पर गौतम बुद्ध ने आत्मज्ञान प्राप्त किया था?

(a) कुशीनगर (b) लुम्बिनी
(c) बोधगया (d) सारनाथ

RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। इनका जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। इन्हें 35 वर्ष की आयु में वैशाख पूर्णिमा की रात निरंजना (फाल्गु) नदी के किनारे, पीपल वृक्ष के नीचे बोध गया में ज्ञान प्राप्त हुआ। इन्होंने अपना पहला उपदेश ऋषिपत्तनम् (सारनाथ) में दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया।

120. सुत्त पिटक के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह बुद्ध का जीवन चरित्र है।
(b) यह मगध के शासक और बुद्ध के बीच की बातचीत से संबंधित है।
(c) यह श्रीलंका में लिखा गया बौद्ध ग्रंथ है।
(d) यह उन लोगों के लिए बनाए गए नियमों और विनियमों के बारे में है, जिन्होंने बौद्ध मठ व्यवस्था को अंगीकार किया था।

RRB NTPC 19.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : विनयपिटक, सुत्तपिटक व अभिधम्मपिटक बौद्ध धर्म के त्रिपिटक कहलाते हैं। इन तीनों पिटकों की भाषा पालि है। सुत्तपिटक में बुद्ध के धार्मिक सिद्धांतों को संवाद के रूप में संकलित किया गया है। विनयपिटक में संघ के भिक्षु एवं भिक्षुणी के लिए बनाये गये नियमों का संग्रह किया गया है। अभिधम्मपिटक का संबंध बौद्ध धर्म के दर्शन से है।

121. हीनयान और महायान किस धर्म के पंथ हैं?

(a) हिंदू धर्म (b) जैन धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) सिख धर्म

RRB NTPC 28.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : हीनयान और महायान बौद्ध धर्म की शाखायें हैं। 'चतुर्थ बौद्ध संगीति' (कनिष्क के समय) के बाद बौद्ध धर्म दो भागों हीनयान एवं महायान में विभाजित हो गया। बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का आदर्श 'बोधिसत्व' है। बोधिसत्व दूसरे के कल्याण को प्राथमिकता देते हुये अपने निर्वाण में विलम्ब करते हैं।
हीनयान का आदर्श 'अर्हत पद' को प्राप्त करना है, जो व्यक्ति अपनी साधना से निर्वाण की प्राप्ति करते हैं, उन्हें ही 'अर्हत' कहा जाता है।

122. सिंहचतुर्मुख स्तंभ कहां स्थित है?

(a) सारनाथ (b) धौली
(c) नागार्जुन हिल्स (d) बराबर हिल्स

RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : महात्मा बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था, जिसे 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा जाता है। जैन ग्रंथों में सारनाथ को सिंहपुर कहा गया है। सारनाथ में अशोक का सिंह चतुर्भुज स्तंभ, बुद्ध का मंदिर, धमेख स्तूप, चौखण्डी स्तूप, सारनाथ का वस्तु संग्रहालय, मूलगंधकुटी आदि दर्शनीय स्थल है।

123. बोधिसत्व की अवधारणा इनमें से किससे संबंधित है?

(a) जैन धर्म (b) हीनयान बौद्ध धर्म
(c) सिख धर्म (d) महायान बौद्ध धर्म

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : बोधिसत्व बौद्ध मत के महायान संप्रदाय का आदर्श एवं केंद्रीय संकल्पना है। पारम्परिक रूप से महान दया से प्रेरित, बोधिचित्त जनित सभी संवेदनशील प्राणियों को लाभ के लिए सहज इच्छा से बुद्धत्व प्राप्त करने वाले को बोधिसत्व माना जाता है।

124. विनय और सुत्त पिटक इनमें से किसकी शिक्षाओं के संकलन हैं?

(a) गौतम बुद्ध (b) ऋषभदेव
(c) महावीर जैन (d) गुरु गोविंद सिंह

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : त्रिपिटक बौद्व ग्रन्थों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों में बाँटा गया, इन्हीं को त्रिपिटक कहते हैं। ये विनय पिटक (संघ संबधी नियम तथा आचार की शिक्षाएं), सुत्तपिटक (धार्मिक सिद्धान्त) तथा अभिधम्म पिटक (दार्शनिक सिद्धान्त) के रूप में मिलते है इन सभी को पालि भाषा में लिखा गया है।

125. गौतम बुद्ध के निम्नलिखित उपदेशों में से किसे अग्नि उपदेश (Fire Sermon) के रूप में जाना जाता है?

(a) धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त (b) अदित्तपरियाय सुत्त
(c) अनात्त-लक्खना सुत्त (d) ब्रह्मजल सूत्र

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : अदित्तपरियाय सुत्त को अग्नि उपदेश (Fire Sermon) के रूप में जाना जाता है। इस प्रवचन में बुद्ध पाँचों इंद्रियों और मन से वैराग्य के माध्यम से दुःख से मुक्ति प्राप्त करने का उपदेश देते है।
धम्मचक्कप्पवत्तन सुत्त (पालि में) या धर्मचक्रप्रवर्तनसूत्र (संस्कृत में), बौद्ध ग्रन्थ है जिसमें गौतम बुद्ध द्वारा ज्ञान प्राप्ति के बाद दिया गया प्रथम उपदेश संग्रहीत है।
अनात्त-लक्खना सुत्त (पालि), या अनात्मलत्त सूत्र (संस्कृत में), को पारंपरिक रूप से गौतम बुद्ध द्वारा दिया गया दूसरे प्रवचन के रूप में दर्ज किया गया है। जिसे पंचवर्गीय सूत्र के रूप में जाना जाता है। जिसका अर्थ है ''पाँच लोगों का समूह''।

126. जातक कथाएं _____ से संबंधित हैं।

(a) सिक्ख धर्म (b) बौद्ध धर्म
(c) जैन धर्म (d) हिन्दू धर्म

RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : जातक कथाएँ, साहित्यिक रचनाएँ हैं जो गौतम बुद्ध के पिछले जन्मों के बारे में हैं। ये बौद्ध ग्रन्थ त्रिपिटक का भाग है। बौद्ध धर्म की स्थापना गौतम बुद्ध ने पाँचवी शताब्दी ई. पू. में की थी। इनका जन्म लगभग 563 ई.पू. में हुआ था।

127. 'बुद्धचरितम्' नामक महाकाव्य किसने लिखा था?

(a) गौतम बुद्ध (b) नागार्जुन
(c) हेमचंद्र (d) अश्वघोष

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : 'बुद्धचरितम्' महाकाव्य के लेखक अश्वघोष है। बुद्धिचरितम् संस्कृत का महाकाव्य है। इसकी रचना दूसरी शताब्दी में हुई। इस महाकाव्य में गौतम बुद्ध का जीवनचरित्र वर्णित है। बुद्धचरित में 28 सर्ग है। जिसमें 14 सर्गों तक बुद्ध के जन्म से बुद्धत्व- प्राप्ति का वर्णन है। अश्वघोष की अन्य रचनाएँ हैं -: सौन्दरानंदकाव्यम् , गंडीस्तोत्रगाथा, शारिपुत्रप्रकरणम् आदि।
नागार्जुन :- नागार्जुन शून्यवाद तथा माध्यमिक मत के प्रख्यात बौद्ध आचार्य थे। नागार्जुन का जन्म 150 ई. में तथा मृत्यु लगभग 250 ई. में हुई थी।
हेमचन्द्र :- श्वेताम्बर जैन परम्परा के आचार्य हेमचन्द्र का जन्म गुजरात में अहमदाबाद के पास धुन्धमा नगर में 1088 ई. में (कार्तिक पूर्णिमा) को हुआ था। हेमचन्द्र राजा सिद्धराज जयसिंह के सभा में कवि थे। इनके अद्वितीय ज्ञान एवं बहुमुखी प्रतिभा के कारण कलिकाल सर्वज्ञ की उपाधि दी गयी थी। इनकी मृत्यु 1172 ई. में अन्हिलवाड़ पाटन में हुई थी। इनकी प्रमुख रचनाएँ -सिद्धहेम, शब्दानुशासनम्।

128. निम्नलिखित में से कौन सा स्थल बौद्धों के तीर्थ स्थलों में से नहीं हैं ?

(a) बोध गया (b) सारनाथ
(c) ग्वालियर (d) कुशीनगर

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। इनका जन्म 563 ई.पूर्व में लुंबिनी (नेपाल) नामक स्थान पर हुआ था। बोधगया बौद्धों का प्रमुख तीर्थस्थल है, बुद्ध को यहीं पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। सारनाथ बनारस के पास स्थित बौद्ध तीर्थ स्थल है जहाँ पर बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद अपना प्रथम उपदेश दिया था। कुशीनगर उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित है। कुशीनगर में ही भगवान बुद्ध को महापरिनिर्वाण (मृत्यु) प्राप्त हुआ था। दिए गए विकल्पों में ग्वालियर का सम्बन्ध बौद्ध तीर्थ स्थल से नहीं है।

129. गौतम बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था?

(a) अयोध्या (b) लुम्बिनी
(c) वैशाली (d) मगध

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। इन्हें एशिया का ज्योति पुञ्ज (Light of Asia) कहा जाता है। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में कपिलवस्तु के लुम्बिनी (वर्तमान में नेपाल में स्थित) नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे। इनकी माता का नाम महामाया तथा मौसी प्रजापति गौतमी थी। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। गौतम बुद्ध का विवाह 16 वर्ष की अवस्था में यशोधरा के साथ हुआ। इनके पुत्र का नाम राहुल था। गौतम बुद्ध के गृह-त्याग को बौद्ध धर्म में महाभिनिष्क्रमण कहा गया और बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया, जिसे बौद्ध ग्रन्थों में धर्म चक्र-प्रवर्तन कहा गया है।

130. उस बौद्ध ग्रन्थ का नाम बताइए, जिनमें भिक्षुओं के लिए नियमों का उल्लेख है।

(a) त्रिपिटक (b) विनय पिटक
(c) अभिधम्म पिटक (d) सुत्त पिटक

RRB NTPC 08.01.2021 (Shift-II) Stage I[st]

Ans. (b) : बौद्ध धर्म के बारे में हमें विशद ज्ञान 'त्रिपिटक' (विनयपिटक, सुत्तपिटक एवं अभिधम्मपिटक) से प्राप्त होता है। सुत्त पिटक में बुद्ध के धार्मिक विचारों व उपदेशों को संवादों के रूप में संकलित किया गया है। विनयपिटक में संघ के भिक्षु एवं भिक्षुणी के लिए बनाये गए अनुशासन संबंधी नियमों का संग्रह किया गया है। अभिधम्म पिटक में बौद्ध मतों की दार्शनिक व्याख्या की गई है। बौद्ध परम्परा की ऐसी मान्यता है कि इस पिटक का संकलन अशोक के समय में सम्पन्न तृतीय बौद्ध संगीति में मोग्गलिपुत्त तिस्स ने किया था।

131. स्तूप क्यों बनाए गए थे ?

(a) पवित्र स्मृतिचिह्न रखने के लिए
(b) धार्मिक सभाएं करने के लिए
(c) बुद्ध की पूजा करने के लिए
(d) बौद्ध ग्रंथ रखने के लिए

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : स्तूप निर्माण की परंपरा बहुत पुरानी है। वैदिक काल में शव-समाधियों को मिट्टी के थूहों या टीलों के रूप में बनाया जाता था। इन्हीं शव-समाधियों को स्तूपों का आदि-प्रारूप माना जाता है। पहले इसका उद्देश्य मात्र अस्थि संचय था, बाद में इसका विकास पवित्र स्मृतिचिन्ह के रूप में हुआ। स्तूप निर्माण की परंपरा का वास्तविक इतिहास बौद्ध और जैन धर्म के साथ शुरू होता है।

132. _____का जन्म 560 ईसा पूर्व में हुआ था और 480 ईसा पूर्व में अस्सी वर्ष की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई थी।

(a) महावीर (b) हर्ष
(c) बुद्ध (d) अशोक

RRB Group-D 03-12-2018 (Shift-III)

Ans. (*) : गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में लुम्बिनी (कपिल वस्तु) तथा मृत्यु 80 वर्ष की अवस्था में 483 ईसा पूर्व में कुशीनारा (उ.प्र.) में हुई थी।

133. किस वृक्ष के नीचे रानी मायादेवी ने गौतम बुद्ध को जन्म दिया था ?

(a) साल का वृक्ष (b) अशोक वृक्ष
(c) पीपल का वृक्ष (d) आम का वृक्ष

RRB Group-D 12-10-2018 (Shift-III)

Ans. (a) गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई. पूर्व में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर साल वृक्ष के नीचे हुआ था। इनके पिता शुद्धोधन शाक्य गण के मुखिया थे। गौतम बुद्ध को 6 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद वैशाख पूर्णिमा की रात निरंजना (फाल्गु) नदी के किनारे, पीपल वृक्ष (अश्वत्य) के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।

134. बौद्ध धर्म की नींव _____ महान सच्चाइयों एवं _____ अंगीय पथ पर आधारित हैं।

(a) छः, चार (b) दो, आठ
(c) आठ, छः (d) चार, आठ

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-II)

Ans. (d) बुद्ध ने सांसारिक दुःखों के सम्बन्ध में चार आर्य सत्यों (सच्चाइयाँ) का उपदेश दिया। इसे संस्कृत में 'चत्वारि आर्यसत्यानि' और पालि में 'चत्तरि अरियसच्चानि' कहते है।
भगवान बुद्ध के चार आर्य सत्य निम्न है–
(1) दुःख - संसार में दुःख है।
(2) दुःख समुदाय – दुःख का कारण है।
(3) दुःख निरोध – दुःख का निवारण है।
(4) दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा– निवारण के लिये अष्टांगिक मार्ग है।
इन सांसारिक दुःखों से मुक्ति हेतु बुद्ध ने अष्टांगिक मार्ग का वर्णन किया है। ये हैं- सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाक्, सम्यक् कर्मान्त, सम्यक् आजीव, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति, सम्यक् समाधि।

135. निम्नलिखित में से कौन सा भगवान बुद्ध की चार महान सच्चाइयों में नहीं है?

(a) संसार दुखों का घर है
(b) दुख का कारण इच्छा है
(c) यदि इच्छाओं से छुटकारा नहीं मिलता है तो दुखों से निवारण हो सकता है
(d) यह एट–फोल्ड पथ के पालन से किया जा सकता है

RRB Group-D 10-10-2018 (Shift-I)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

136. त्रिपिटक पवित्र धर्मग्रंथ कौन से धर्म से संबंधित है?

(a) हिंदू धर्म (b) पारसी धर्म
(c) जैन धर्म (d) बौद्ध धर्म

RRB Group-D 20-09-2018 (Shift-III)

Ans. (d) बौद्ध साहित्य को 'त्रिपिटक' कहा जाता है। ये पालि भाषा में रचित है। बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक में विभाजित किया गया है, यहाँ पिटक शब्द का अर्थ होता है– टोकरी।
सुत्त पिटक– सुत्त का अर्थ धर्म उपदेश होता है। इस पिटक में बौद्ध धर्म के उपदेश संग्रहीत है। इसमें बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाएँ भी है।
विनय पिटक– इस पिटक में मठ में निवास करने वाले भिक्षु एवं भिक्षुणियों के दैनिक जीवन सम्बन्धी आचार विचार एवं अनुशासन सम्बन्धी नियम दिये गये है।
अभिधम्म पिटक– इस पिटक में बौद्ध दार्शनिक सिद्धान्तों का वर्णन है।

137. त्रिपिटक.....उपदेशों का सबसे पहला संग्रह है।

(a) जैन (b) हिंदू
(c) बौद्ध धर्म (d) आर्य

RRB Group-D 09-10-2018 (Shift-II)

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

138. गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम प्रवचन कहाँ दिया?

(a) कुशीनगर (b) सारनाथ
(c) पाटलिपुत्र (d) वैशाली

RRB J.E. –2014

Ans. (b) : सारनाथ वाराणसी से 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थल है। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात् भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश यहीं दिया था, जिसे धर्मचक्रप्रवर्तन का नाम दिया जाता है और जो बौद्ध मत के प्रचार-प्रसार का आरम्भ था। यह स्थान बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थों में से एक है।

139. गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश _____ में दिया था।

(a) कपिलवस्तु (b) बोध गया
(c) सारनाथ (d) पाटलिपुत्र

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-III)

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

140. गौतम बुद्ध को ज्ञान कहाँ पर प्राप्त हुआ था?

(a) बोधगया (b) अमरनाथ
(c) कुशीनगर (d) लुम्बिनी

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans :(a) बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध को 35 वर्ष की आयु में उरूवेला (बोधगया) में बोधि (पीपल) वृक्ष के नीचे निरंजना नदी के तट पर वैशाख पूर्णिमा के दिन ज्ञान प्राप्त हुआ। इसके पश्चात ये बुद्ध कहलाये। बुद्ध ने अपना सर्वाधिक उपदेश कोशल देश की राजधानी श्रावस्ती में दिया।

141. बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए विजयवाड़ा में कौन सा चीनी विद्वान रहा?

(a) दांग जहोंग्शू (b) जुआन जांग
(c) कुई वीपिंग (d) डाँगफांग शुओ

RRB Group-D 22-09-2018 (Shift-II)

Ans. (b) बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए विजयवाड़ा में जुआन जांग नामक चीनी विद्वान रहता था।
चीनी बौद्ध धर्म, बौद्ध धर्म की चीनी शाखा है। बौद्ध धर्म की परम्पराओं ने दो हजार वर्षों तक चीनी संस्कृति एवं सभ्यता पर गहरा प्रभाव छोड़ा। यह बौद्ध परम्पराएँ चीनी कला, राजनीति, साहित्य, दर्शन तथा चिकित्सा में देखी जा सकती है। दुनिया की 65% से अधिक बौद्ध आबादी चीन में रहती है। इन्हीं कारणों से चीन के विद्वान भारत में आकर यहाँ के बौद्ध ग्रंन्थों का अध्ययन करते थे तथा यहाँ के विचारों एवं मूल्यों को चीन में बौद्ध धर्म के लोग आत्मसात कर लेते थे।

142. बोधगया किस भारतीय राज्य में स्थित है?

(a) ओडिशा (b) बिहार
(c) झारखंड (d) पश्चिम बंगाल

RRB Group-D 30-10-2018 (Shift-III)

Ans. (b) बोधगया भारत के बिहार राज्य में स्थित है।

143. गौतम बुद्ध ने अपने उपदेशों में जन साधारण की भाषा ..... का प्रयोग किया –

(a) मगधी (b) संस्कृत
(c) प्राकृत (d) पालि

RRB Group-D 11-10-2018 (Shift-III)

Ans. (d) गौतम बुद्ध ने अपने उपदेशों में पालि भाषा का प्रयोग किया।

144. जातक कथाओं में ..... के जन्म और उनके पूर्व जीवन का वर्णन मिलता है–

(a) बुद्ध (b) भगवान विष्णु
(c) महावीर (d) भगवान कृष्ण

RRB Group-D 10-10-2018 (Shift-III)

Ans. (a) जातक कथाएँ भगवान बुद्ध के पूर्व जन्मों की कहानियाँ है जिन्हें बौद्ध धर्म के सभी मतों में संरक्षित किया गया है। यह जातक कथाएँ सुत्त पिटक में वर्णित है। यह कथाएँ व्यक्ति को नैतिकता, सत्य, धर्म, प्रेम तथा भाई-चारे का संदेश देती हैं।

145. जैन धर्म और बौद्ध धर्म के उदय में भारत में ईसा पूर्व ..... शताब्दी में धार्मिक अशांति देखी गई थी।

(a) पाँचवीं (b) चौथी
(c) छठी (d) सातवीं

RRB Group-D 09-10-2018 (Shift-I)

Ans. (c) छठी शताब्दी ईसा पूर्व का काल कई मामले में संक्रान्ति का काल था। इस काल में मगध साम्राज्य की स्थापना होती है, द्वितीय नगरीकरण घटित होता है तथा वैदिक धर्म की बढ़ती रुढ़िवादिता, कट्टरता व शूद्रों में असंतोष ने कई धर्मों को जन्म दिया, जिनमें जैन व बौद्ध धर्म प्रमुख थे।

146. गौतम बुद्ध की माँ का नाम क्या था?

(a) माया (b) त्रिशला
(c) कनिका (d) कौशल्या

RRB Group-D 05-10-2018 (Shift-I)

Ans. (a) गौतम बुद्ध की माता का नाम 'मायादेवी' था जो कोलीय गणराज्य की राजकुमारी थी। इनका विवाह शाक्य कुल के मुखिया शुद्धोधन के साथ हुआ था। बुद्ध के जन्म के सात दिन पश्चात् ही इनका निधन हो गया। इनकी मृत्यु के बाद प्रजापति गौतमी ने बुद्ध का पालन-पोषण किया था।

147. बौद्ध धर्म में दिए गए आचार के नियम _____ और पंचशील सिद्धांत के नाम से जाने जाते हैं।

(a) पंचांगिक मार्ग (b) साष्टांगिक मार्ग
(c) अष्टांगिक मार्ग (d) चतुर्थक मार्ग

RRB Group-D 10-10-2018 (Shift-II)

Ans : (*) बौद्ध धर्म में भगवान बुद्ध ने अष्टांगिक मार्ग का उपदेश दिया था। बौद्ध धर्म के अनुयायी इन्हीं मार्गों पर चलकर मोक्ष प्राप्त करते हैं। बुद्ध द्वारा बताए गए अष्टांगिक मार्ग इस प्रकार है-
1. सम्यक् दृष्टि 2. सम्यक् संकल्प 3. सम्यक् वाणी
4. सम्यक् कर्मान्त 5. सम्यक् आजीविका 6. सम्यक् व्यायाम
7. सम्यक् स्मृति 8. सम्यक् समाधि।

बुद्ध के पंचशील सिद्धान्त जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का परिचय देते है, बुद्ध के पाँच उपदेश निम्न है-
1. प्राणिमात्र को हिंसा से विरत रहना
2. चोरी करने या जो दिया नहीं गया है, उसको लेने से विरत रहना
3. लैंगिक दुराचार या व्यभिचार से विरत रहना
4. असत्य बोलने से विरत रहना
5. अपरिग्रह (संपत्ति का संचय न करना)

Note– RRB द्वारा इस प्रश्न को निरस्त कर दिया गया है।

148. _____ वास्तु कला में मुख्य रूप से चैत्य, विहार, स्तूप और स्तम्भ होते हैं।

(a) मौर्य (b) बौद्ध
(c) हिंदू (d) मुगल

RRB ALP & Tec. (10-08-18 Shift-II)

Ans : (b) बौद्ध धर्म की धार्मिक वास्तुकला भारतीय उपमहाद्वीप में विकसित हुई। शुरूआती बौद्ध धर्म के धार्मिक वास्तुकला से निम्न प्रकार के ढाँचे जुड़े हुए हैं : मठ (विहार), अवशेष (स्तूप) एवं मंदिर या प्रार्थना कक्ष (चैत्य) एवं स्तम्भ। चैत्य बौद्ध पूजा स्थल है जबकि विहार बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थल होता है। स्तूपों के निर्माण का उद्देश्य गौतम बुद्ध के अवशेषों की पूजा व सुरक्षा थी। बौद्ध मठ (विहार) का तात्पर्य उस जगह से जहाँ बौद्ध धर्म के गुरू अपने शिष्यों को शिक्षा, उपदेश आदि देते हैं। बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर बौद्ध मठ का एक उदाहरण है।

149. बौद्ध तीर्थस्थान 'दाँत का मंदिर' यहाँ स्थित है–

(a) मलेशिया (b) श्रीलंका
(c) नेपाल (d) चीन

RRB NTPC Stage I[st] 19.01.2017 (Shift-II)

Ans : (b) बौद्ध तीर्थस्थान, 'दाँत का मन्दिर' श्रीलंका के कैंडी शहर में स्थित है। कैंडी के पूर्व राजशाही के शाही महल परिसर में स्थित इस मन्दिर में महात्मा बुद्ध के दाँत रखे गये थे, कैंडी श्रीलंका के राजाओं की अन्तिम राजधानी थी। वर्तमान में यह यूनेस्को के विरासत स्थलों में शामिल है।

150. बोरोबुदुर बौद्ध मंदिर कहाँ स्थित है?

(a) नेपाल (b) श्रीलंका
(c) इंडोनेशिया (d) मलेशिया

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (c) बोरोबुदुर अथवा बोरोबुदुर इण्डोनेशिया के मध्य जावा प्रान्त के मगेलांग नगर में स्थित 750–850 ईसवी के मध्य का महायान बौद्ध विहार है। यह आज भी संसार में सबसे बड़ा बौद्ध विहार है। इसका निर्माण 9वीं सदी में शैलेन्द्र राजवंश के दौरान हुआ था।

151. जहाँ यह मानते हैं कि भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था उस स्मारक का नाम बताएँ और जिसे 'सीट ऑफ द होली बुद्ध' (seat of the holy Buddha) भी कहा जाता है?

(a) धमेख स्तूप, सारनाथ
(b) सांची स्तूप, सांची
(c) शिन्गारदार स्तूप, स्वात घाटी
(d) दो–दुल चोर्तेन, गंगटोक

RRB NTPC Stage I[st] 29.04.2016 (Shift-II)

Ans : (a) महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में पाँच ब्राह्मण संन्यासियों को दिया था। इसी स्थान पर सम्राट अशोक ने धमेख स्तूप का निर्माण करवाया था। इनके द्वारा दिया गया पहला उपदेश 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहलाया। इसे 'सीट ऑफ द होली बुद्ध' भी कहा जाता है।

152. निम्नलिखित में से कौन सा एक बुद्ध की शिक्षाओं का संग्रह है?

(a) आगम (b) ब्राह्मण
(c) पुराण (d) त्रिपिटक

RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (d) त्रिपिटक बौद्ध धर्म का आधारभूत और मुख्य ग्रन्थ है। भगवान बुद्ध के उपदेश तीन साहित्य खण्डों में संकलित है, जिन्हें त्रिपिटक कहते हैं।
1. विनय पिटक 2. सुत्त पिटक 3. अभिधम्मपिटक

7. पारसी/यहूदी धर्म (Zoroastrianism/Judaism)

153. भारत का एक धर्म- जोरोआस्ट्रियन (Zoroastrian) मुख्य रूप से किस राज्य में पाया जाता है?

(a) महाराष्ट्र (b) हरियाणा
(c) बिहार (d) केरल

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (a) जोरोऑस्ट्रियन (पारसी) धर्म को मानने वाली अधिकतम आबादी महाराष्ट्र में निवास करती है। इस धर्म के संस्थापक महात्मा जरथुष्ट्र हैं। भारत में इसे पारसी धर्म के नाम से जाना जाता है जो ईरान का प्राचीन काल से प्रचलित धर्म है।

154. नीचे शब्दों के चार युग्म दिये गए हैं जिनमें से तीन किसी तरीके से एक समान है और एक युग्म भिन्न है। कौन सा युग्म शेष से भिन्न है?

(a) अवेस्ता : पारसी (b) तोरा : यहूदी
(c) त्रिपिटक : बौद्ध (d) मंदिर : हिंदू

Ans : (d) अवेस्ता पारसी का, तोरा यहूदी का एवं त्रिपिटक बौद्ध धर्म का ग्रंथ है, जबकि मंदिर, हिंदुओं के पूजा करने का स्थान है। अत: विकल्प **(d)** अन्य सभी से भिन्न है।

155. 'जेंद अवेस्ता' (Zend Avesta) ..... के साथ जुड़ा हुआ है।

(a) पारसी धर्म (b) सिख धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) जैन धर्म

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (a) जेंद अवेस्ता पारसी धर्म का पवित्र ग्रंथ है। पारसी धर्म के पैगम्बर जरथुष्ट्र (ईरानी) थे, इनकी शिक्षाओं का संकलन जेन्द अवेस्ता नामक ग्रंथ में है।

156. यहूदी किस धर्म का पालन करते हैं?

(a) ईसाई धर्म (b) पारसी धर्म
(c) जैन धर्म (d) यहूदी धर्म

RRB JE - 23/05/2019 (Shift-II)

Ans : (d) यहूदियों का एकेश्वरवादी धर्म, यहूदी धर्म है, जिसका मानना है कि ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव मानव गतिविधियों और इतिहास द्वारा होता है तथा ईश्वर अपना संदेश पैगम्बरों के माध्यम से प्रेषित करता है। यहूदी लोग 'अब्राहम', 'ईसाक' और 'जेकब' को अपना पितामह, 'मूसा' को मुख्य पैगम्बर मानते है। यहूदी धर्म इस्त्राइल और हिब्रु भाषियों का राजधर्म है।

157. निम्नलिखित में से कौन–सा यहूदी धर्म से संबंधित है?

(a) धम्मपद (b) तोरा
(c) गुरू ग्रंथ साहिब (d) त्रिपिटक

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (b) यहूदियों की धर्मभाषा 'इब्रानी' (हिब्रू) और यहूदी धर्मग्रन्थ का नाम 'तनख' है जो इब्रानी भाषा में लिखा गया है। इसे तालमुद या 'तोरा' भी कहते हैं। त्रिपिटक बौद्ध धर्म से संबंधित है। इसके अंतर्गत विनय पिटक, सुत्त पिटक व अभिधम्म पिटक का वर्णन मिलता है। गुरूग्रंथ साहिब सिक्खों का पवित्र धार्मिक ग्रंथ है जबकि धम्मपद सुत्तपिटक का ही एक भाग है।

8. मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire)

158. पाटलिपुत्र में स्थानांतरित होने से पहले निम्न में से कौन-सा कई वर्षों तक मगध की राजधानी थी?

(a) पटना (b) नालंदा
(c) राजगृह (d) गया

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : राजगृह, अजातशत्रु के शासनकाल में पाटलिपुत्र से पहले मगध की राजधानी हुआ करती थी। उदायिन ने मगध की राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित कर दिया था। राजगृह का अपना ऐतिहासिक और धार्मिक महत्त्व है। यह महावीर स्वामी तथा गौतमबुद्ध का साधना स्थल रहा है, जिसके कारण यह दोनों धर्मों के लिए पूजनीय स्थल है। यहीं पर प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन अजातशत्रु के शासनकाल में महाकस्सप की अध्यक्षता में हुआ था। राजगृह पाँच पहाड़ियों (विपुलाचल, रत्नागिरी, उदयगिरी, स्वर्णगिरी, वैभवगिरी) से घिरा हुआ है।

159. लौरिया नन्दनगढ़ स्तंभ -----में स्थित है।

(a) वाराणसी (b) कुम्रहार
(c) चंपारण (d) पटना

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : लौरिया नन्दनगढ़ स्तम्भ बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में बूढ़ी गंडक नदी के किनारे स्थित है। यह मौर्यकालीन स्तम्भ है, जिसे सम्राट अशोक ने धर्मलेख के तौर पर स्थापित करवाया था।

160. किस मौर्य सम्राट ने लगभग 287/268-231 ईसा पूर्व के अपने शासनकाल के दौरान शिलाओं और स्तंभों पर अपने लेख उत्कीर्ण करवाए थे?

(a) बिंदुसार (b) बृहद्रथ
(c) अशोक (d) चंद्रगुप्त मौर्य

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : मौर्य सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान शिलाओं और स्तम्भों पर अपने लेख उत्कीर्ण करवाए थे। अशोक के शिलालेख 14 विभिन्न लेखों का समूह है जो आठ भिन्न-भिन्न स्थानों से प्राप्त किए गये हैं। अशोक ने अपनी कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को प्रजा में प्रसारित करने के लिए तथा धम्म का प्रचार करने के लिए सम्पूर्ण साम्राज्य में अभिलेखों की स्थापना करवाई।

161. सम्राट अशोक का पितामह कौन था?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) बिन्दुसार
(c) दशरथ (d) विताशोक

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : सम्राट अशोक मौर्यवंश का एक महान शासक था। वह बिन्दुसार का पुत्र था, और चन्द्रगुप्त मौर्य का पौत्र था। इसे देवनामप्रिय एवं प्रियदर्शी आदि नामों से भी जाना जाता है। अपने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष (261 ई. पू.) उसने कलिंग का युद्ध लड़ा और विजयी हुआ। इस युद्ध में हुए भयंकर रक्तपात से आहत होकर उसने युद्ध का त्याग कर बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। इसने भारत ही नही अपितु सम्पूर्ण एशिया में बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का प्रचार किया। इसने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए सम्राट अशोक ने अपने पुत्र व पुत्री क्रमशः (महेन्द्र व संघमित्रा) को श्रीलंका भेजा था।

162. निम्न में से कौन सा स्थल आधुनिक गुजरात में स्थित है, जहाँ अशोक के शिलालेख अवस्थित हैं?

(a) सन्नति (b) शिशुपालगढ़
(c) गिरनार (d) कलसी

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : गिरनार गुजरात में जूनागढ़ के निकट स्थित पहाड़ियाँ हैं। गिरनार की पहाड़ियों से पश्चिम और पूर्व दिशा में 'भादस, रोहजा, शतंरुजी' और घेलों नदियां बहती हैं। इन पहाड़ियों पर मौर्य सम्राट' अशोक का 'चतुर्दश शिलालेख' अंकित है।

अशोक मौर्य वंश के सबसे प्रसिद्ध शासक था। वह ऐसा पहला शासक था जिसने अभिलेखों द्वारा जनता तक अपने संदेश पहुंचाने की कोशिश की। अशोक के ज्यादातर अभिलेख प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में हैं।

163. लगभग 260 ईसा पूर्व किस मौर्य सम्राट ने कलिंग को जीतने के लिए सैन्य अभियान का नेतृत्व किया था?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) बृहद्रथ
(c) अशोक (d) बिंदुसार

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) :लगभग 261 ई.पू. मौर्य सम्राट अशोक ने कलिंग को जीतने के लिए सैन्य अभियान का नेतृत्व किया था। कलिंग युद्ध मौर्य साम्राज्य और कलिंग राज्य के बीच लड़ा गया था, जो वर्तमान में ओडिशा और आन्ध्र प्रदेश का उत्तरी भाग है। जिसके परिणाम स्वरूप अशोक ने कलिंग के राजा अनंत पद्मनाभन को हराकर कलिंग पर विजय प्राप्त की। इस युद्ध में हुए रक्तपात को देखकर अशोक ने बौद्ध धर्म को अपना लिया और वह अहिंसा के मार्ग पर चल पड़ा।

164. अशोक के अधिकांश शिलालेख ..... भाषा में थे, जबकि उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में पाये गये शिलालेख आरम्भिक और यूनानी भाषा में थे।

(a) तमिल (b) प्राकृत
(c) संस्कृत (d) पालि

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : अशोक के अभिलेख ब्राह्मी, खरोष्ठी, आरमेइक तथा यूनानी लिपि में लिखे गये हैं, किन्तु अधिकांश अभिलेख प्राकृत भाषा व ब्राह्मी लिपि में लिखे गये हैं।

अशोक ने राष्ट्रीय भाषा एवं लिपि के रूप में पालि भाषा एवं ब्राह्मी लिपि का प्रयोग किया। भारतीय क्षेत्र में पाये गये अभिलेखों की लिपि ब्राह्मी है। भारत के बाहर पाये गये कुछ शिलालेखों की लिपियाँ खरोष्ठी, आइमेइक तथा यूनानी हैं।

165. मौर्य शासन के दौरान निम्नलिखित में से किस प्रांत को कर्नाटक में सोने की खान का केंन्द्र माना जाता था?

(a) सुवर्णगिरि (b) उज्जयिनी
(c) तक्षशिला (d) तोशलि

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : मौर्य शासन के दौरान सुवर्णगिरि को कर्नाटक में सोने की खान का केन्द्र माना जाता था तथा यह दक्षिणी प्रांत की राजधानी थी।

166. सेल्यूकस निकेटर नामक..... शासक द्वारा मेगस्थनीज नामक राजदूत को चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया था।

(a) चीनी (b) अरब
(c) फारसी (d) यूनानी

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : सेल्यूकस निकेटर, सिकन्दर का प्रमुख सेनापति था। सिकन्दर की मृत्यु के पश्चात् वह सीरिया (यूनान) का शासक बना। सिकन्दर द्वारा विजित प्रदेशों को उसने पुनः अधिकार में लेने के उद्देश्य से उसने 305 ई.पू. भारत पर आक्रमण किया, परन्तु चन्द्रगुप्त मौर्य ने उसे पराजित कर संधि कर ली। जिसके फलस्वरूप चन्द्रगुप्त को सेल्युकस से चार प्रान्त अराकोसिया (कान्धार), पेरोपनिसडाई (काबुल), एरिया (हेरात) व जेड्रोसिया (मकरान तट) मिले तथा सेल्यूकस को चन्द्रगुप्त ने 500 हाथी दिए। इसी संधि के फलस्वरूप सेल्यूकस निकेटर ने मेगस्थनीज नामक राजदूत को चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा था, जिसने 'इण्डिका' नामक पुस्तक की रचना की थी।

167. मौर्य शासक अशोक द्वारा निर्मित सारनाथ सिंहचतुर्मुख —— से बना था।

(a) लोहा (b) बलुआ पत्थर
(c) अभ्रक (d) संगमरमर

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-III)

Ans. (b) : अशोक द्वारा निर्मित सारनाथ सिंहचतुर्मुख धर्मचक्र प्रवर्तन की घटना का स्मारक है, जिसकी स्थापना धर्मसंघ की अक्षुण्णता बनाए रखने के लिए हुई थी। यह चुनार के बलुआ पत्थर के लगभग 45 फुट लम्बे प्रस्तर खण्ड का बना हुआ है। धरती में गड़े हुए आधार को छोड़कर इसका दण्ड गोलाकार है, जो ऊपर की ओर क्रमशः पतला होता जाता है।

168. 326 ई.पू. में भारत पर आक्रमण करने के लिए सिकंदर (Alexander) ने सबसे पहले निम्नलिखित में से किस नदी को पार किया था ?

(a) सिंधु (b) झेलम
(c) चेनाब (d) सतलुज

RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : 326 ईसा पूर्व में सिकंदर ने भारत पर आक्रमण किया, सिंधु नदी को पार करने के बाद वह तक्षशिला की ओर बढ़ा। उसके बाद उन्होंने झेलम और चेनाब नदियों के बीच स्थित पंजाब के शासक राजा पोरस के साथ युद्ध करना पड़ा। इस लड़ाई को हाइडेस्पीज या झेलम (वितस्ता) के युद्ध के नाम से जाना जाता है। इस युद्ध में पोरस की हार हुई।

169. ..... मध्य प्रदेश में भगवान बुद्ध के सम्मान में सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया बौद्ध स्मारक है।

(a) धामक स्तूप (b) बविकोंडा स्तूप
(c) महाबोधि स्तूप (d) सांची स्तूप

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : सांची स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक द्वारा तीसरी सदी ई.पू. में भगवान बुद्ध के सम्मान में करवाया गया था। सांची भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में बेतवा नदी के तट पर स्थित छोटा सा गांव है। रायसेन जिले में एक अन्य विश्व पर्यटक स्थल भीमबेटका भी है। सांची स्तूप को वर्ष 1989 में यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया।

170. सांची के स्तूप का निर्माण किसने कराया था?

(a) अशोक (b) बिंदुसार
(c) चाणक्य (d) चंद्रगुप्त

RRB NTPC 04.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

171. बौद्ध धर्म से संबंधित प्रख्यात भवन संरचना धामेक स्तूप (Dhamekh Stupa) का निर्माण मूलतः ..... वंश के शासनकाल के दौरान कराया गया था।

(a) नंद (b) शुंग
(c) कण्व (d) मौर्य

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : बौद्ध धर्म से संबंधित प्रख्यात भवन संरचना धमेक स्तूप का निर्माण मौर्य वंश के शासनकाल के दौरान किया गया था। धमेक स्तूप उत्तर प्रदेश के सारनाथ में स्थित प्रसिद्ध बौद्ध धार्मिक स्थल है। सारनाथ में ही भगवान बुद्ध ने अपने शिष्यों को प्रथम उपदेश दिया था। धमेक स्तूप की नींव अशोक ने 249 ई. पू. में रखी थी तथा इसका विस्तार कुषाण काल में हुआ। यह स्तूप पूर्ण रूप से गुप्तकाल में तैयार हुआ।

172. बौद्ध संरचना, 'धम्मेख स्तूप' ('Dhamek Stupa') कहाँ पर है?

(a) सारनाथ (b) सांची
(c) कोणार्क (d) महाबलीपुरम

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

173. तृतीय बौद्ध परिषद (Buddhist Council) का आयोजन किसके द्वारा कराया गया था?

(a) चंद्रगुप्त (b) हर्षवर्धन
(c) अशोक (d) कनिष्क

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : तृतीय बौद्ध परिषद (संगीति) का आयोजन 250 ई.पू. में अशोक के द्वारा पाटलिपुत्र में कराया गया था। इसकी अध्यक्षता मोग्गलिपुत्त तिस्स द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य संघ भेद के विरुद्ध कठोर नियमों का प्रतिपादन करके बौद्ध धर्म को स्थायित्व प्रदान करना था। इसमें धर्म ग्रंथों को अंतिम रूप से सम्पादित किया गया एवं तीसरे पिटक अभिधम्मपिटक को जोड़ा गया। ज्ञातव्य है कि प्रथम बौद्ध संगीति में बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों विनय पिटकों तथा सुत्तपिटक में संकलित किया गया था।

174. चंद्रगुप्त मौर्य, मौर्य वंश के संस्थापक थे। भारतीय इतिहास में उनके शासन के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) उन्होंने सिकंदर (अलेक्जेंडर) से मुलाकात की और उसकी सेना में शामिल हुए, ताकि मैसेडोनियन युद्ध कौशल को सीख सकें।
(b) बैरम खां उनका सबसे अच्छा सहयोगी, संरक्षक और मार्गदर्शक था।
(c) चंद्रगुप्त मौर्य को पहले अखिल भारतीय (लगभग) साम्राज्य की स्थापना का श्रेय दिया जाता है।
(d) साम्राज्य के पुरातात्विक साक्ष्य कई कस्बों और शहरों के अस्तित्व को दर्शाते हैं, जिसमें सबसे प्रमुख राजधानी पाटलिपुत्र है।

RRB NTPC 24.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : मौर्य राजवंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था। चन्द्रगुप्त मौर्य को प्रथम अखिल भारतीय साम्राज्य की स्थापना का श्रेय दिया जाता है। यूनानी राजदूत मेगस्थनीज (कृति : इण्डिका) चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्मावलम्बी था तथा उसने जैन क्रिया संलेखना विधि द्वारा कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में अपने प्राण त्याग दिये। जबकि बैरम खाँ अकबर का संरक्षक था।

175. अशोक, तर्कसिद्ध रूप से प्रारंभिक भारत के सबसे प्रसिद्ध शासक थे, जिसने कलिंग पर विजय प्राप्त की। वे ..... के पोते थे।

(a) समुद्रगुप्त (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) प्रभावती गुप्त (d) चंद्रगुप्त द्वितीय

RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : कलिंग का प्रख्यात युद्ध सम्राट अशोक और कलिंग के राजा के बीच 261 ईसा पूर्व में लड़ा गया। सम्राट अशोक मौर्य वंश के शासक बिन्दुसार के पुत्र तथा चन्द्रगुप्त मौर्य के पोते थे। इस युद्ध का वर्णन सम्राट अशोक के 13वें शिलालेख में है, और सम्राट अशोक के राज्याभिषेक के बाद 8वें वर्ष में यह युद्ध लड़ा गया था।

176. ऐतिहासिक ग्रांड ट्रंक रोड का निर्माण कई शासकों द्वारा कराया गया था। मौर्य वंश के शासन काल के दौरान इसे क्या कहा जाता था?

(a) उत्तरापथ (b) पूर्वी पथ
(c) बादशाही सड़क (d) राजपथ

RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : मौर्य काल में:– इस सड़क को उत्तरापथ के नाम से जाना जाता था। यह मार्ग गंगा नदी के किनारे से होते हुए, गंगा के मैदान के पार, पंजाब के रास्ते तक्षशिला को जाता था। आठ चरणों में निर्मित यह राजमार्ग पेशावर, तक्षशिला, हस्तिनापुर, कन्नौज, प्रयाग, पाटलिपुत्र और ताम्रलिप्त के शहरों को जोड़ता था।

मुगल काल में:– मौर्य काल के बाद इस मार्ग में तब बड़ा बदलाव हुआ जब इस मार्ग का ज्यादातर भाग शेरशाह सूरी द्वारा नए सिरे से पुनर्निर्मित कराया गया। सासाराम, अपने गृहनगर के साथ, आगरा तथा अपनी राजधानी को जोड़ना। शेरशाह के देहांत के बाद इस सड़क का नाम 'सड़क-ए-आजम' उनके नाम पर समर्पित कर दिया गया। इसके बाद मुगल शासकों ने इसे पश्चिम में खैबर दर्रे को पार कर काबुल तक और पूर्व में बंगाल के चटगांव बंदरगाह तक बढ़ाया।

अंग्रेजों के काल में:– 17वीं सदी में इस मार्ग का ब्रिटिश शासकों ने पुनर्निर्माण किया और इसका नाम बदलकर ग्रैंड ट्रंक रोड कर दिया।

177. कलिंग युद्ध की हिंसा को देखकर प्रतिशोध लेने की सोच रखने वाले सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और वे एक स्थिर-चित्त एवं शांतिप्रिय सम्राट और ..... के अनुयायी बन गए।

(a) बौद्ध धर्म (b) वेदान्त
(c) हिन्दू धर्म (d) जैन धर्म

RRB NTPC 31.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : कलिंग युद्ध की हिंसा को देखकर प्रतिशोध लेने की सोच रखने वाले सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और वे एक स्थिर-चित्त एवं शांतिप्रिय सम्राट और बौद्ध धर्म के अनुयायी बन गए।

178. चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु कौन थे?

(a) स्कंदगुप्त (b) विष्णु गुप्त
(c) विष्णु शर्मा (d) कल्हण

RRB NTPC 02.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : चंद्रगुप्त मौर्य के गुरु विष्णु गुप्त (अन्य नाम चाणक्य व कौटिल्य) थे। चन्द्रगुप्त मौर्य ने भारत में 'मौर्य साम्राज्य' की स्थापना की थी यह पूरे भारत को एक साम्राज्य के अधीन लाने में सफल रहा।

179. उदयन ने मगध की राजधानी को किस शहर से हटाकर पाटलिपुत्र में स्थानांतरित किया गया ?

(a) तक्षशिला (b) कौशांबी
(c) सारनाथ (d) राजगीर

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उदयन (461 - 445 ई.पू0) अपने पिता अजातशत्रु (हर्यक वंश) की हत्या करके मगध का शासक बना। पुराणों एवं जैन ग्रंथो के अनुसार उदयन गंगा एवं सोन नदियों के संगम पर पाटलिपुत्र नामक नगर की स्थापना की तथा उसे राजगीर के स्थान पर अपनी राजधानी बनायी। यह जैन धर्मावलंबी शासक था।

180. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक मेगस्थनीज ने लिखी है?

(a) हर्षचरित (b) मालविकाग्निमित्रम्
(c) इंडिका (d) याज्ञवल्क्य स्मृति

RRB NTPC 18.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। वह सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था। उसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्ययुगीन समाज एवं संस्कृति के विषय में लिखा है।

हर्षचरित - बाणभट्ट
मालविकाग्निमित्रम - कालिदास की पुस्तक है।

181. अशोक के प्राचीनतम प्राप्त अभिलेख निम्न में से किस लिपि में लिखे गए हैं

(a) खरोष्ठी (b) हड़प्पाई
(c) ब्राह्मी (d) देवनागरी

RRB NTPC 07.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : अशोक के प्राप्त प्राचीनतम अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गए थे। अभी तक अशोक के कुल 40 अभिलेख प्राप्त हो चुके हैं। सर्वप्रथम 1837 ई. में जेम्स प्रिंसेप नामक विद्वान ने अशोक के अभिलेख को पढ़ने में सफलता हासिल की थी। शाहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा के अभिलेख खरोष्ठी लिपि एवं तक्षशिला एवं लघमान के (अफगानिस्तान) अभिलेख आरमाइक एवं ग्रीक लिपि में उत्कीर्ण हैं। इसके अतिरिक्त अशोक के समस्त शिलालेख, लघुशिला स्तम्भ लेख एवं लघु लेख ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण है।

182. इनमें से किसने मौर्य प्रशासन में अध्यक्षों को विभिन्न विभागों के अधीक्षकों के रूप में उल्लिखित किया था?

(a) कौटिल्य (b) प्लिनी
(c) मेगस्थनीज (d) स्ट्रैबो

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : चाणक्य/विष्णुगुप्त/ कौटिल्य मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री थे। ये तक्षशिला विश्वविद्यालय में आचार्य थे। इनके द्वारा रचित पुस्तक 'अर्थशास्त्र' राजनीति, अर्थनीति आदि का महान ग्रन्थ है। इसी पुस्तक में कौटिल्य ने मौर्य प्रशासन में अध्यक्षों को विभिन्न विभागों के अधीक्षक के रूप में उल्लिखित किया है। 'इंडिका' मेगस्थनीज द्वारा रचित पुस्तक है। इसका सम्बन्ध भी मौर्य काल से है।

183. सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म के आदर्शों के प्रचार के लिए धर्मप्रचारकों को दूरदराज के स्थानों पर भेजा ताकि लोग भगवान बुद्ध की शिक्षाओं द्वारा अपने जीवन को प्रेरित कर सकें। इन धर्मप्रचारकों में उनका पुत्र _____ एवं पुत्री_____भी शामिल थे।

(a) मनोज एवं संजना (b) महेश एवं संगीता
(c) महेंद्र एवं संघमित्रा (d) मनदीप एवं सुहासना

RRB Group-D 05-11-2018 (Shift-II)

Ans : (c) सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म के आदर्शों के प्रचार के लिए धर्मप्रचारकों को दूरदराज के स्थानों पर भेजा ताकि लोग भगवान बुद्ध की शिक्षाओं द्वारा अपने जीवन का उद्धार कर सकें। इसने बौद्ध धर्म के प्रचार एवं प्रसार के लिए अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका भेजा। सम्राट अशोक का नाम देवानामप्रिय है। उनका शासनकाल 273 ई. पू0 से 232 ई.पू0 था।

184. निम्नलिखित में से कौन-से राजा, संघमित्रा और महेंद्रवर्मन के पिता थे।

(a) बिम्बिसार (b) कृष्णदेव राय
(c) अशोक (d) कनिष्क

RRB JE - 22/05/2019 (Shift-III)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

185. .....ने धर्म विजया, 'धार्मिकता द्वारा विजय' की नीति विकसित की।

(a) बिंदुसार (b) महेंद्र
(c) अशोक (d) बिम्बिसार

RRB Group-D 04-12-2018 (Shift-III)

Ans. (c) मौर्य राजवंश के चक्रवर्ती सम्राट अशोक ने अखण्ड भारत पर शासन किया है। अशोक ने धर्म विजय या 'धार्मिकता द्वारा विजय' की नीति विकसित की और बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार किया।

186. अशोक के शासनकाल की सबसे महत्वपूर्ण घटना कलिंग, आधुनिक युग में _____पर विजय थी, जो उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण परिवर्तन सिद्ध हुआ।

(a) असम (b) झारखंड
(c) बिहार (d) ओडिशा

RRB Group-D 04-12-2018 (Shift-II)

Ans. (d) कलिंग युद्ध अशोक के जीवन का आखिरी युद्ध था। यह युद्ध (अशोक के राज्याभिषेक के आठवें वर्ष) 261 ई.पू. में लड़ा गया। इस युद्ध में भयंकर नरसंहार हुआ जिसे देखकर अशोक का हृदय परिवर्तन हो गया और उसने हिंसा त्याग दी। इस युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म को अपना लिया तथा बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार भी किया। उसने अपने संसाधन प्रजा की भलाई में लगा दिये तथा धम्म की स्थापना की। आधुनिक युग में कलिंग को ओडिशा के नाम से जाना जाता है।

187. अशोक ने _____ के युद्ध के बाद बौद्ध उपदेशों को अपना लिया था।

(a) बक्सर (b) कलिंग
(c) पानीपत (d) मगध

RRB Group-D 01-12-2018 (Shift-II)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

188. प्रसिद्ध कलिंग युद्ध ने सम्राट अशोक को युद्ध छोड़ने और बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया था, यह युद्ध उड़ीसा में कब लड़ा गया था।

(a) 261 BC (b) 262 BC
(c) 260 BC (d) 264 BC

RRB Group-D 23-10-2018 (Shift-III)

Ans : (a) भारतीय इतिहास में कलिंग के युद्ध का प्रमुख स्थान है। यह युद्ध महान सम्राट अशोक ने 261 ईसा पूर्व में लड़ा था, जिसमें सम्राट अशोक विजयी हुये। कलिंग युद्ध का वर्णन एवं अशोक के हृदय परिवर्तन की बात अशोक के तेरहवें शिलालेख में वर्णित है।

189. अशोक के किस शिलालेख में कलिंग युद्ध में अशोक की विजय का उल्लेख किया गया है?

(a) तेरहवें (b) चौथे
(c) पहले (d) दसवें

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : अशोक के तेरहवें शिलालेख से कलिंग युद्ध के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। कलिंग युद्ध में हुए नरसंहार से विचलित होकर अशोक ने युद्ध नीति को सदा के लिए त्याग दिया।

190. चंद्रगुप्त का पुत्र ————मौर्य साम्राज्य के सिंहासन पर बैठने वाला दूसरा शासक था।

(a) धनानंद (b) अशोक
(c) बिम्बसार (d) बिन्दुसार

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-I)

Ans. (d) : चंद्रगुप्त का पुत्र बिन्दुसार (298 ई.पू. 273 ई.पू.) मौर्य साम्राज्य के सिंहासन पर बैठने वाला दूसरा शासक था। बिन्दुसार आजीवक सम्प्रदाय का अनुयायी था। 'वायुपुराण' में इसे भद्रसार या वारिसार कहा गया है। बिन्दुसार को 'अमित्रघात' के नाम से भी जाना जाता है। इसके दरबार में यूनानी राजदूत 'डाइमेकस' आया था। बौद्ध विद्वान् तारानाथ ने इसे 16 राज्यों का विजेता बताया है।

191. सम्राट अशोक _____ का पुत्र था, जो मौर्य वंश से संबंधित था।

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) चंद्रगुप्त II
(c) बिंदुसार (d) बिंबसार

RRB Group-D 15-10-2018 (Shift-II)

Ans : (c) मौर्य वंश का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था। चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिन्दुसार हुआ, जो 298 ई. पू. में मगध की राजगद्दी पर बैठा। बिन्दुसार का उत्तराधिकारी अशोक महान हुआ, जो 269 ई. पू. में मगध की राजगद्दी पर बैठा। राजगद्दी पर बैठने के समय अशोक अवन्ति का राज्यपाल था।

192. सम्राट अशोक किसके उत्तराधिकारी थे?

(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) बिन्दुसार
(c) सुशीम (d) दशरथ

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (b) सम्राट अशोक बिन्दुसार के उत्तराधिकारी थे। सुशीम मौर्य शासक बिन्दुसार का ज्येष्ठ पुत्र तथा अशोक का सौतेला भाई था।

193. सम्राट अशोक ने पत्थर के स्तंभों और पत्थर के तख्तों पर अपने ..... आदेश उत्कीर्ण करवाकर अपने राज्य के प्रमुख स्थानों पर स्थापित किया ताकि लोग तद्नुसार आचरण कर सकें।

(a) 16 (b) 14
(c) 8 (d) 10

RRB Group-D 26-10-2018 (Shift-III)

Ans : (b) सम्राट अशोक 14 शिलालेख उत्कीर्ण करवाये ताकि लोग उसके अनुसार आचरण कर सकें।

194. अशोक महान,.....से संबंधित थे।

(a) गुप्त वंश (b) चोल वंश
(c) मौर्य वंश (d) शुंग वंश

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : अशोक महान मौर्य वंश से संबंधित थे।

195. महान सम्राट अशोक किस वंश के थे?

(a) मौर्य वंश (b) मुगल वंश
(c) गुप्त वंश (d) चोल वंश

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

196. _____, मौर्य साम्राज्य की राजधानी थी।

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) नालंदा (d) तक्षशिला

RRB Group-D 15-10-2018 (Shift-I)

Ans : (b) मौर्य साम्राज्य की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने 323 ई.पू. में की। इन्होंने नंद वंश के शासक धनानंद को पराजित कर मौर्य साम्राज्य को स्थापित किया था। मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी।

197. कौटिल्य का अर्थशास्त्र हमें ———प्रशासन के बारे में जानकारी देता है।

(a) गुप्त (b) मौर्य
(c) प्रतिहार (d) राष्ट्रकूट

RRB Group-D 28-09-2018 (Shift-II)

Ans. (b) कौटिल्य या चाणक्य या विष्णुगुप्त, सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य (323-298 ई.पू.) के प्रधानमंत्री थे। अर्थशास्त्र कौटिल्य द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रन्थ है। उन्होंने चंद्रगुप्त के प्रशासकीय उपयोग तथा मौर्य काल के इतिहास को जानने के लिए इस ग्रन्थ की रचना की थी। इसमें राज्यव्यवस्था, कृषि, न्याय एवं राजनीति आदि के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया है।

198. चाणक्य का एक अन्य नाम क्या था?

(a) देववर्मन (b) विष्णुगुप्त
(c) राम गुप्त (d) बृजेश्वर

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

199. मेगस्थनीज भारत आने वाले सबसे शुरुआती खोजकर्ताओं में से एक था। उसका संबंध किस देश से था?

(a) यूनान (b) स्पेन
(c) मिस्र (d) इटली

RRB ALP & Tec. (21-08-18 Shift-II)

Ans : (a) यूनानी राजदूत मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी सम्राट सेल्यूकस के राजदूत के रूप में भारत आया।

200. सम्राट अशोक ने अपने राज्यकाल के 12 वर्ष में, एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की, जो भूमि का सर्वेक्षण करता था तथा भू–अभिलेखों का रखरखाव करता था और न्याय का पालन करता था। इन अधिकारियों को .....कहा जाता था।

(a) अमात्य (b) समाहर्ता
(c) रज्जुक (d) चालुक्य

RRB J.E. -2014

Ans. (c) : सम्राट अशोक ने अपने राज्यकाल के 12वें वर्ष में एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की, जो भूमि का सर्वेक्षण करता था तथा भू–अभिलेखों का रखरखाव करता था और न्याय का पालन करता था। इन अधिकारियों को रज्जुक कहा जाता था।

201. किस राजा की कहानी, मुद्राराक्षस (Mudrarakshasa) नाटक का विषय है?

(a) जयचन्द (b) चन्द्रगुप्त II
(c) चन्द्रपीड़ (d) चन्द्रगुप्त मौर्य

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (d) मुद्राराक्षस की रचना विशाखदत्त ने की थी। इस ग्रन्थ से मौर्य इतिहास, मुख्यत: चन्द्रगुप्त मौर्य के जीवन पर प्रकाश पड़ता है। इसमें चन्द्रगुप्त मौर्य को 'वृषल' तथा 'कुलहीन' कहा गया है।

202. मौर्य वंश को किस वंश ने समाप्त किया?

(a) शुंग (b) गुप्त
(c) शिशुनाग (d) चोल

RRB NTPC 12.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (a) मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 185 ई.पू. में कर दी और मगध पर शुंग वंश की स्थापना की। इस वंश का शासन उत्तर भारत में 187 ई. पू. से 75 ई.पू. तक यानि 112 वर्ष तक रहा था। पुष्यमित्र शुंग इस राजवंश का प्रथम शासक था।

203. मौर्य वंश का अंतिम सम्राट कौन था?

(a) चंद्रगुप्त (b) अशोक
(c) बृहद्रथ (d) शतधन्वन

RRB NTPC 02.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. मौर्योत्तर काल (Post-Mauryan Period)

204. किस मूल भारतीय राजवंश ने अपने शासकों के चित्र वाले सिक्के जारी किए थे ?

(a) पेशवा वंश (b) राष्ट्रकूट वंश
(c) सातवाहन वंश (d) पांड्य वंश

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : सातवाहन राजवंश ने अपने शासकों के चित्र वाले सिक्के जारी किये। सातवाहन शासकों द्वारा सर्वप्रथम सीसे के सिक्के जारी किये गये। इसके अतिरिक्त उन्होंने चाँदी, ताँबा, कॉसा पोटीन आदि के सिक्के भी चलाए। सातवाहन वंश की स्थापना सिमुक ने की थी। सातवाहन शासकों ने अपनी राजधानी 'प्रतिष्ठान' में स्थापित की।

205. दिए गए विकल्पों में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) बौद्ध धर्मग्रंथ पाली भाषा में लिखे गये थे।
(b) गौतम बुद्ध का जन्म स्थान नेपाल में स्थित है।
(c) उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया।
(d) चरक गौतम बुद्ध के निजी चिकित्सक थे।

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : जीवक बुद्ध के निजी चिकित्सक थे। चरक गौतम बुद्ध के निजी चिकित्सक नही थे, बल्कि कुषाण शासक कनिष्क के राजवैद्य थे। इनके द्वारा रचित 'चरक संहिता' एक प्रसिद्ध आयुर्वेद ग्रंथ है। जबकि बौद्ध धर्मग्रंथ पालि भाषा में लिखे गये थे। गौतम बुद्ध का जन्म स्थान नेपाल (लुम्बिनी) में स्थित है और उपगुप्त ने अशोक को बौद्ध धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया, ये सभी कथन सत्य है।

206. कनिष्क किस वंश से संबंधित थे?

(a) चोल (b) पल्लव
(c) कुषाण (d) मौर्य

RRB JE - 23/05/2019 (Shift-III)

Ans : (c) कनिष्क कुषाण वंश का सबसे प्रतापी शासक था। इसने 78ई. में अपना राज्यारोहण किया तथा इस उपलक्ष्य में एक संवत चलाया, जो शक-संवत कहलाता है तथा जिसे भारत सरकार द्वारा ग्रेगोरियन कैलेंडर के साथ 22 मार्च, 1957 से 'भारत के राष्ट्रीय

कैलेंडर के रूप में प्रयोग में लाया जाता है। 78 ई. को शक युग का आरम्भ भी माना जाता है। इसके शासन काल में चौथी बौद्ध संगीति, कुण्डलवन (कश्मीर) में बौद्ध विद्वान वसुमित्र की अध्यक्षता में हुई। जिसमें बौद्ध धर्म का विभाजन हीनयान तथा महायान में हो गया। कनिष्क बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का अनुयायी था। कुषाण वंश का अंतिम शासक वासुदेव था।

207. कनिष्क ..... वंश का सम्राट था।

(a) गुप्त (b) कुषाण
(c) चेर (d) चोल

RRB JE - 30/05/2019 (Shift-III)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

208. शक युग (Saka era) आरंभ हुआ था :

(a) 58 ई.पूर्व में (b) 78 ई.पूर्व में
(c) सन् 58 ईस्वी में (d) सन् 78 ईस्वी में

RRB J.E. –2014

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

209. कुषाण राजाओं में सबसे मशहूर.....थे, जो कुषाण राजवंश में तीसरे शासक थे।

(a) कृतवर्मा (b) कृष्णदेवराय
(c) कौटिल्य (d) कनिष्क

RRB Group-D 05-12-2018 (Shift-II)

Ans. (d) कुषाण शासकों में सबसे प्रसिद्ध कनिष्क (78 ई.–101 या 102 ई.) थे, जो कुषाण राजवंश के तीसरे शासक थे। इसकी राजधानी पुरुषपुर (पेशावर) थी। कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कडफिसेस था। कनिष्क भारतीय इतिहास में अपनी विजय, धार्मिक प्रवृत्ति, साहित्य, कला प्रेमी होने के नाते विशेष स्थान रखता है।

210. ईसा पूर्व _____शताब्दी की शुरुआत में, कुषाणों ने भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर अपना अधिकार स्थापित किया।

(a) तीसरी (b) चौथी
(c) पहली (d) दूसरी

RRB Group-D 05-12-2018 (Shift-I)

Ans : (c) ईसा पूर्व पहली शताब्दी के आरम्भ (15 ई.) में कुषाणों ने भारत की उत्तर-पश्चिम सीमा पर अपना अधिकार स्थापित किया था। कुषाण वंश का संस्थापक कुजुल कडफिसेस था जो चीनी समुदाय से सम्बन्धित था। इस वंश का सबसे महत्वपूर्ण शासक कनिष्क था जो 78 ई. में राजा बना। कनिष्क बौद्ध धर्म का अनुयायी था। उसके शासन काल में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कुण्डलवन (कश्मीर) में किया गया था।

211. ओडिशा के उदयगिरी से हाथीगुम्फा शिलालेख कलिंग के राजा ——— ने लिखा था।

(a) खारवेल (b) महेंद्र
(c) बिम्बिसार (d) अशोक

RRB Group-D 12-12-2018 (Shift-II)

Ans. (a) : ओडिशा में उदयगिरि नामक पहाड़ी की गुफा में एक शिलालेख प्राप्त हुआ जो हाथीगुम्फा शिलालेख के नाम से प्रसिद्ध है। इसे तिथिरहित अभिलेख भी कहते है। इसे कलिंग के राजा खारवेल ने उत्कीर्ण कराया था। यह लेख प्राकृत भाषा में है और प्राचीन भारतीय इतिहास में इसका बहुत अधिक महत्व है।

10. गुप्त एवं गुप्तोत्तर साम्राज्य (Gupta and Post-Gupta Empire)

212. प्रयाग प्रशस्ति (जिसे इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख के रूप में भी जाना जाता है) हमें _____ की उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

(a) श्रीगुप्त (b) अशोक
(c) चंद्रगुप्त-प्रथम (d) समुद्रगुप्त

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-III)

Ans. (d) : प्रयाग प्रशस्ति से हमें गुप्त शासक समुद्रगुप्त के बारे में जानकारी मिलती है। यह समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित है, इसमें उन राज्यों का वर्णन है, जिन पर समुद्रगुप्त ने विजय प्राप्त की थी। इसे इलाहाबाद स्तम्भ लेख के रूप में भी जाना जाता है। इस प्रशस्ति को मूल रूप से कौशाम्बी में अशोक के स्तम्भ पर उकेरा गया था। अकबर के समय जहाँगीर इसे इलाहाबाद में स्थापित करवाया था। इस प्रशस्ति की भाषा संस्कृत तथा शैली चम्पू है। इसमें कुल 33 पंक्तियाँ हैं।

213. हर्षवर्धन, निम्नलिखित में से किस वंश से संबंधित था?

(a) पुष्यभूति वंश (b) चालुक्य वंश
(c) मौर्य वंश (d) गुप्त वंश

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-II)

Ans. (a) : सम्राट हर्षवर्धन (606-647ई) उत्तर भारत में सातवीं शताब्दी के शक्तिशाली राज्य थानेश्वर के पुष्यभूति वंशी शासक प्रभाकरवर्धन का पुत्र था। इसने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाई तथा सम्राट हर्ष ने 'रत्नावली', 'प्रियदर्शिका' और 'नागानंद' नामक नाटकों की रचना की।

214. रविकीर्ति का ऐहोल शिलालेख, पुलेकिशन द्वितीय की --- पर विजय के बारे में विस्तार से वर्णन करता है।

(a) कीर्तिवर्मन् प्रथम (b) खारवेल
(c) समुद्रगुप्त (d) हर्ष

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : ऐहोल शिलालेख रविकीर्ति द्वारा लिखा गया था जो पुलकेशिन द्वितीय के शासनकाल में एक जैन कवि था। रविकीर्ति का ऐहोल शिलालेख, पुलकेशिन द्वितीय की हर्ष पर विजय के बारे में विस्तार से वर्णन करता है। ऐहोल शिलालेख कर्नाटक में स्थित है।

215. निम्न में से कौन हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था ?

(a) जुआन जांग (ह्वेन सांग)
(b) फ़ाहियान
(c) इब्न बतूता (अबू अब्दुल्ला मुहम्मद इब्न बतूता)
(d) मार्को पोलो

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) :

शासकों का शासनकाल	-	राजदूत (विदेशी यात्री)
हर्षवर्धन	-	ह्वेनसाँग
चन्द्रगुप्त द्वितीय	-	फ़ाहियान
मो. बिन तुगलक	-	इब्नबतूता
महमूद गजनवी	-	अलबरूनी
मारवर्मन कुलशेखर	-	मार्कोपोलो

216. उस महान व्यक्ति का नाम बताएं, जिसने भारत में बीजगणित के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया?

(a) चरक (b) ब्रह्मगुप्त
(c) वराहमिहिर (d) आर्यभट्ट

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : आर्यभट्ट प्राचीन भारत के एक महान ज्योतिषविद् और गणितज्ञ थे। जिन्होने बीजगणित के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण योगदान दिया था। आर्यभट्ट का जन्म पटना के कुसुमपुर में हुआ था।

[व्यक्ति]		[कार्य क्षेत्र]
(1) चरक	→	महर्षि और आयुर्वेद विशारद
(2) ब्रह्मगुप्त	→	भारतीय गणितज्ञ
(3) वराहमिहिर	→	भारतीय गणितज्ञ

217. इनमें से कौन राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे ?

(a) आनंद भट्ट (b) वल्लाल
(c) जयचंद्र (d) बाणभट्ट

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : बाणभट्ट राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। बाणभट्ट ने 'हर्षचरित' नामक पुस्तक की रचना की, जिसमें हर्षवर्धन के शासनकाल की जानकारी मिलती है। चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत आया था। हर्षवर्धन स्वंय साहित्यकार था। प्रियदर्शिका, रत्नावली, नागानन्द की रचना हर्षवर्धन ने की थी।

218. चीनी यात्री ह्वेनसांग (Hiuen Tsang) किसके शासनकाल में भारत आया था।

(a) कीर्तिवर्मन (b) पुलकेशिन द्वितीय
(c) हर्षवर्धन (d) विक्रमादित्य

RRB J.E. –2014
RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : ह्वेनसांग, हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था। ह्वेनसांग 629 ई. में चीन से भारत के लिए प्रस्थान किया। भारत से वह 645 ई. में चीन लौट गया। वह नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन करने तथा भारत से बौद्ध ग्रन्थों के संग्रह के लिए आया था। इसका भ्रमण वृत्तांत 'सी-यू-की' नाम से प्रसिद्ध है। ध्यातव्य है कि ह्वेनसांग के अध्ययन के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य शीलभद्र थे।

219. ..... एक चीनी बौद्ध भिक्षु था, जिसने नालंदा में बौद्ध शास्त्रों का अध्ययन किया था और 627 से 643 ईसवी तक भारत की 17 वर्ष की लंबी यात्रा के लिए प्रसिद्ध है–

(a) मेगस्थनीज (b) अलबरूनी
(c) ह्वेनत्सांग (d) फाहियान

RRB ALP & Tec. (17-08-18 Shift-III)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

220. इनमें से कौन हर्षवर्धन के शासनकाल में भारत आया था?

(a) फाहियान (b) अलबरुनी
(c) इत्सिंग (d) ह्वेनसांग

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

221. इनमें से कौन सा चीनी यात्री नालंदा आया और छात्र और शिक्षक दोनों के रूप में रहा?

(a) फाहियान (b) कुबलई खान
(c) ह्वेनसांग (d) इत्सिंग

RRB JE - 26/05/2019 (Shift-II)

Ans : (c) चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में नालंदा आया तथा छात्र और शिक्षक दोनों के रूप में रहा।

222. बाणभट्ट किस राजा के दरबारी कवि थे?

(a) चंद्रगुप्त (b) हर्षवर्धन
(c) अशोक (d) समुद्रगुप्त

RRB NTPC 01.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : बाणभट्ट सातवीं शताब्दी के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे। ये राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। इनके दो प्रमुख ग्रन्थ हर्षचरितम् तथा कादम्बरी है। इनके दोनो ग्रन्थ संस्कृत साहित्य के महत्वपूर्ण ग्रंथ माने जाते है।

223. निम्नलिखित में से कौन चंद्रगुप्त द्वितीय के नौ रत्नों में से एक है?

(a) वराहमिहिर (b) मोगल्लना
(c) विशाखदत्त (d) ब्रह्मगुप्त

RRB NTPC 07.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त द्वितीय को विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने 375 से 415 ई. तक शासन किया। गुप्त साम्राज्य का यह समय भारत का स्वर्णिम युग भी कहा जाता है। चन्द्रगुप्त ने गुप्त सम्वत की शुरुआत की। साँची अभिलेख में उन्हें 'देवराज' कहा गया है। चन्द्रगुप्त के दरबार में नवरत्न निवास करते थे, जिनमें- कालिदास, वराहमिहिर, धन्वन्तरि, घटखर्पर, शंकु, अमर सिंह, वेताल भट्ट, क्षपणक, वररुचि थे।

224. इनमें से किसे 'भारत के नेपोलियन' के नाम से जाना जाता है?

(a) स्कंन्दगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) चंद्रगुप्त (d) कुमारगुप्त

RRB NTPC 13.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : समुद्रगुप्त- वह चन्द्रगुप्त प्रथम का पुत्र था। वह गुप्त वंश का एक महान योद्धा तथा कुशल सेनापति था। समुद्रगुप्त की विजयों के कारण इतिहासकार विंसेट स्मिथ ने अपनी पुस्तक 'अर्ली हिस्ट्री ऑफ इण्डिया' में समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा था।
उपाधियाँ- पराक्रमांक, अप्रतिरथ, सर्वराजोच्छेता, लिच्छवी दौहित्र आदि समुद्रगुप्त की उपाधियां हैं।

225. प्राचीन भारतीय इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण शासकों में से एक, चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री का नाम बताएं।

(a) लोपामुद्रा (b) रुद्रमा देवी
(c) पार्वती गुप्त (d) प्रभावती गुप्त

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चन्द्रगुप्त द्वितीय (375-415 ई.) गुप्त वंश का शक्तिशाली शासक था। इसने वैवाहिक संबंध और विजय दोनों तरह से साम्राज्य की सीमा का विस्तार किया। अपनी वैवाहिक नीति को इसने दो पड़ोसी राज्य नागाओं और वाकाटक के खिलाफ निर्देशित किया। इन दो शक्तियों को जीतना चन्द्रगुप्त द्वितीय के लिए बहुत आवश्यक था ताकि शक क्षत्रपों को वश में किया जा सकें। सबसे पहले चन्द्रगुप्त ने नाग राजकुमारी कुबेरनागा से शादी की और इनकों मित्र बनाया तथा चन्द्रगुप्त अपनी बेटी प्रभावती गुप्त का विवाह महाराष्ट्र के वाकाटक शासक रुद्रसेन द्वितीय से किया। इस तरह वह महाराष्ट्र और मध्य भारत में अपनी शक्ति को मजबूत किया।

226. विक्रमादित्य किस प्रसिद्ध गुप्त शासक का एक अन्य नाम है?

(a) कुमार गुप्त द्वितीय (b) चंद्र गुप्त प्रथम
(c) चन्द्रगुप्त द्वितीय (d) राम गुप्त

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : चन्द्रगुप्त द्वितीय जिनको संस्कृत में विक्रमादित्य या चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नाम से जाना जाता है, गुप्त वंश के एक शक्तिशाली सम्राट थे। चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य), समुद्रगुप्त के उत्तराधिकारी थे। इनके शासन काल में चीनी बौद्ध यात्री फाह्यान भारत आया।

227. सुप्रसिद्ध काव्य 'मेघदूत' इनमें से किसकी कृति है?

(a) सत्तनार (b) प्रेमचंद
(c) कालिदास (d) इलांगो

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : कालिदास तीसरी-चौथी शताब्दी में गुप्त साम्राज्य में संस्कृत भाषा के महान कवि और नाटककार थे। अभिज्ञानशाकुंतलम् कालिदास का एक प्रसिद्ध नाटक है। कालिदास की प्रमुख कृतियाँ निम्न हैं-

नाटक - अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम, मालविकॉग्निमित्रम्
महाकाव्य - रघुवंशम् और कुमारसंभवम्
खण्डकाव्य - मेघदूतम् और ऋतुसंहारम्

228. प्रशस्ति में किस राजवंश के शासकों ने अपनी उपलब्धियाँ लिखी?

(a) राजपूत वंश (b) गुप्त वंश
(c) मुगल वंश (d) खिलजी वंश

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : गुप्त वंश के अन्तर्गत शासकों ने प्रशस्ति में अपनी उपलब्धियाँ लिखवायी थी। प्रशस्ति अपने शासकों की प्रशंसा में कवियों द्वारा रचित शिलालेखों की एक भारतीय शैली है। प्रशस्ति का सबसे पहला प्रसिद्ध उदाहरण खारवेल का हाथीगुम्फा शिलालेख है जो प्राकृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लगभग पहली शताब्दी ईसा पूर्व में लिखा हुआ माना जाता है।

229. गुप्त साम्राज्य के निम्नलिखित राजाओं में से कौन एक अच्छा वीणावादक भी था?

(a) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य (b) समुद्रगुप्त
(c) कुमारगुप्त (d) चंद्रगुप्त प्रथम

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त हुआ, समुद्र गुप्त को गुप्त वंश का महानतम शासक एवं एक अच्छा वीणावादक के रूप में भी जाना जाता है। इसने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को पराजित किया। इन्हीं विजयों के कारण इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है। समुद्रगुप्त विष्णु का उपासक था, और इसे संगीत-प्रेमी भी कहा गया। ऐसा अनुमान उसके सिक्कों पर उसे वीणा-वादन करते हुए दिखाया जाने से लगाया गया है।

230. किस युग को प्राचीन भारत का स्वर्ण युग कहा जाता है?

(a) मौर्य साम्राज्य, तीसरी शताब्दी
(b) चोल साम्राज्य, तीसरी शताब्दी
(c) गुप्त साम्राज्य, चौथी शताब्दी
(d) कुषाण साम्राज्य, पहली शताब्दी

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग माना जाता है। इसे भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार, धार्मिक सहिष्णुता, आर्थिक समृद्धि तथा शासन व्यवस्था की स्थापना काल के रूप में जाना जाता है।

- मूर्तिकला के क्षेत्र में देखें तो गुप्तकाल में भरहुत अमरावती, सांची तथा मथुरा इस काल की प्रसिद्ध मूर्तियों के निर्माण का काल था।
- चित्रकारी के क्षेत्र में अजन्ता, एलोरा तथा बाघ की गुफाओं में की गई चित्रकारी है।
- विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में आर्यभट्ट जहाँ पृथ्वी की त्रिज्या की गणना की और सूर्य-केन्द्रित ब्रह्माण्ड का सिद्धान्त दिया वही दूसरी ओर वराहमिहिर ने चन्द्र कैलेण्डर की शुरुआत की।

231. किस काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा गया है?

(a) मगध काल (b) मुगल काल
(c) मौर्य काल (d) गुप्त काल

RRB NTPC 30.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

232. नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के महान प्राचीन विश्वविद्यालयों में से एक तथा महत्वपूर्ण बौद्ध शैक्षणिक उत्कृष्टता केंद्र माना जाता हैं। इसकी स्थापना किस भारतीय शासक ने की थी ?

(a) हर्ष वर्धन (b) चन्द्रगुप्त मौर्य
(c) कुमारगुप्त प्रथम (d) अशोक

RRB NTPC 28.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के महान प्राचीन विश्वविद्यालयों में से एक महत्वपूर्ण केन्द्र माना जाता है। इसकी स्थापना गुप्तवंश के शासक कुमारगुप्त-I (415-455 ई. पू.) ने बिहार राज्य के नालंदा जिले में करवाया था। महायान बौद्ध धर्म के इस विश्वविद्यालय में हीनयान बौद्ध के साथ अन्य धर्मों की शिक्षा दी जाती थी। ह्वेनसांग के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति शीलभद्र थे। 1193 ई. में तुर्क सेनापति बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर दिया था।

233. चंद्रगुप्त प्रथम के बाद गुप्त साम्राज्य की बागडोर किसने संभाली ?

(a) ब्रह्मगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) शूद्रक (d) श्री गुप्त

RRB NTPC 25.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : चंद्रगुप्त प्रथम के बाद गुप्त साम्राज्य की बागडोर समुद्रगुप्त ने संभाली। समुद्रगुप्त, गुप्त राजवंश के चौथे शासक थे।

234. हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद, प्रतिहार, पाल एवं राष्ट्रकूट वंश के राजाओं ने _____ पर आधिपत्य प्राप्त करने के लिए दूसरे के साथ युद्ध किया।

(a) बादामी (b) कन्नौज
(c) दिल्ली (d) गुजरात

RRB Group-D 12-11-2018 (Shift-III)

Ans. (b) हर्ष के पश्चात् कन्नौज विभिन्न शक्तियों का केंद्र बन गया। आठवीं शताब्दी में कन्नौज पर अधिकार करने के लिये तीन बड़ी शक्तियों- पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट के बीच संघर्ष आरंभ हो गया। यह संघर्ष लगभग 200 वर्षों तक चला। त्रिपक्षीय संघर्ष के फलस्वरूप कन्नौज पर अंतिम रूप से गुर्जर-प्रतिहार शासकों का अधिकार हो गया।

235. चौथी शताब्दी की शुरूआत में, गुप्तों ने ..... में एक छोटा सा साम्राज्य स्थापित कर लिया था?

(a) वातापी (b) अवध
(c) मगध (d) मालवा

RRB ALP & Tec. (21-08-18 Shift-I)

Ans : (c) चौथी शताब्दी में उत्तर भारत के मगध में एक नए वंश का उदय हुआ। इस वंश का नाम गुप्त वंश था। इस वंश के संस्थापक श्रीगुप्त थे। मौर्य वंश के पतन के पश्चात् नष्ट हुई मगध की राजनीतिक एकता को पुनः स्थापित करने का श्रेय गुप्त वंश को है।

236. निम्नलिखित में से कौन सा नगर गुप्त वंश की राजधानी था?

(a) पाटलिपुत्र (b) कौशल
(c) काशी (d) उज्जैन

RRB JE - 30/05/2019 (Shift-I)

Ans : (a) कुषाणों के पतन के बाद उत्तर भारत में अनेक राज्यों का उदय हुआ, जिनमें से मगध में गुप्त राजवंश भी एक था। गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था। इसके बाद घटोत्कच शासक हुआ। गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम को माना जाता है। गुप्तों की राजधानी 'पाटलिपुत्र' (आधुनिक पटना) थी।

237. गुप्त साम्राज्य के वास्तविक संस्थापक कौन थे?

(a) चंद्रगुप्त II (b) समुद्रगुप्त
(c) श्री गुप्त (d) घटोत्कच

RRB NTPC Stage Ist 28.04.2016 (Shift-II)

Ans : (c) गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था, जिसने महाराज की उपाधि धारण की थी। श्रीगुप्त के बाद उसका पुत्र 'घटोत्कच' गुप्त वंश का शासक बना। इसके बाद चंद्रगुप्त प्रथम राजा बना, जो गुप्त वंश का शक्तिशाली शासक था। चन्द्रगुप्त प्रथम को ही गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।

238. गुप्त काल के दौरान चीन के किस यात्री ने भारत का भ्रमण किया था?

(a) हियुन सैंग (b) फाहियान
(c) आई चिंग (d) ली क्सियु

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) गुप्तकाल के दौरान चीनी यात्री फाह्यान भारत आया था। वह चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में आया था। फाह्यान की भारत यात्रा का उद्देश्य बौद्ध हस्तलिपियों एवं बौद्ध स्मृतियों को खोजना था इसलिए फाह्यान ने उन्हीं स्थानों के भ्रमण को महत्व दिया जो बौद्ध धर्म से सम्बन्धित थे।

239. हर्षवर्धन के राजसभा कवि कौन थे?

(a) जयदेव (b) बाणभट्ट
(c) चंद्रबरदाई (d) विल्हण

RRB Group-D 15-10-2018 (Shift-II)

Ans. (b) बाणभट्ट हर्षवर्धन की राजसभा के दरबारी कवि थे। ये संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान थे। इन्होंने 'हर्षचरित' एवं 'कादम्बरी' की रचना की थी। चन्द्रबरदाई, पृथ्वीराज चौहान के राजकवि थे। इन्होंने 'पृथ्वीराज रासो' की रचना की थी। जयदेव, लक्ष्मण सेन के दरबारी कवि थे। इन्होंने 'गीत गोविन्द' की रचना की थी।

240. हर्ष की मृत्यु के बाद सातवीं शताब्दी के आसपास _____ प्रभुत्व में आए और उनके काल को भारत के अंधे युग के रूप में माना जाता था।

(a) राजपूत (b) अंग्रेज
(c) तुर्क (d) मुगल

RRB Group-D 30-10-2018 (Shift-I)

Ans : (a) हर्षवर्धन की मृत्यु के पश्चात उसका सम्पूर्ण साम्राज्य छोटे-छोटे राज्यों में बँट गया, जिसमें अधिकांश राज्य के शासक राजपूत जाति के थे। 7वीं से 12वीं सदी, भारतीय इतिहास में राजपूत युग के नाम से जानी जाती है। हर्ष की मृत्यु के बाद राजपूतों (गुर्जर-प्रतिहार, पाल तथा राष्ट्रकूटों) में त्रिकोणात्मक संघर्ष हुआ जिसमें गुर्जर-प्रतिहार वंश विजयी हुए और कन्नौज पर उनका अधिपत्य हुआ।

241. चंद्रगुप्त द्वितीय ने गुप्त साम्राज्य का .....ईस्वी में गुजरात तक विस्तार कर लिया था।

(a) 930 (b) 903
(c) 309 (d) 390

RRB Group-D 03-10-2018 (Shift-II)

Ans : (d) चन्द्रगुप्त द्वितीय ने गुप्त साम्राज्य का 390 ईस्वी में गुजरात तक विस्तार कर लिया था।

242. चीनी यात्री इत्सिंग (I-tsing) _____ में तीन वर्ष ठहरकर संस्कृत सीखा था।

(a) ताम्रलिप्ति (b) नालंदा
(c) पाटलिपुत्र (d) बोध गया

RRB Group-D 22-10-2018 (Shift-II)

Ans. (a) इत्सिंग चीनी बौद्ध यात्री था। यह सातवीं शताब्दी के अन्त में भारत आया। वह दक्षिण के समुद्री मार्ग से होकर भारत आया। सुमात्रा तथा लंका होते हुए वह ताम्रलिप्ति पहुँचा जहाँ तीन वर्षों तक रहकर संस्कृत का अध्ययन किया।

11. दक्षिण भारतीय राजवंश (चोल/चालुक्य/पल्लव/संगम) [South Indian Dynasties (Chola/ Chalukya/Pallava/Sangama)]

243. संगम साहित्य की रचना किस शास्त्रीय भाषा में हुई थी?

(a) संस्कृत (b) ओड़िया
(c) मलयालम (d) तमिल

RRB Group-D – 19/09/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : संगम साहित्य की रचना **तमिल भाषा** में हुई थी। ऐतिहासिक युग के प्रारम्भ में दक्षिण भारत का क्रम बद्ध इतिहास जिस साहित्य से प्राप्त होता है, उसे संगम साहित्य कहा जाता है। संगम युग के दौरान दक्षिण भारत पर तीन राजवंशों - चेर, चोल और पाण्ड्य का शासन था। संगमकालीन प्रमुख रचनाएं - तोलकाप्पियम, इत्थुथोकै तथा शिलप्पादिकारम आदि है।

244. चोल शिलालेख से उल्लिखित गुरुकुल के अनुरक्षण हेतु प्रदान की गई भूमि को ..... कहा जाता था।

(a) ब्रह्मदेय (b) वेल्लनवगाई
(c) पल्लिच्चंदम (d) शालाभोग

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चोल शिलालेख में उल्लिखित गुरुकुल के अनुरक्षण हेतु प्रदान की गयी भूमि को शालाभोग कहा जाता था। ब्रह्मदेय, ब्राह्मणों को उपहार दी गयी भूमि थी। वही वेल्लनवगाई गैर ब्राह्मणों व किसानों को प्रदान की गयी भूमि थी। पल्लिच्चंदम, जैन संस्थाओं को प्रदान की गयी भूमि थी।

245. _____ होयसल (Hoysala) साम्राज्य की राजधानी थी।

(a) देवगिरि (b) द्वारसमुद्र
(c) मैसूर (d) कल्याणी

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : होयसल यादवों के वंशज थे तथा ये चोल या पश्चिमी चालुक्यों के सामन्त थे। ये कर्नाटक के एक छोटे से भाग पर शासन करते थे। होयसल वंश की स्थापना विष्णुवर्धन ने की थी। इनकी राजधानी द्वारसमुद्र थी।

246. दिए गए विकल्पों में से, किस राजवंश ने दक्षिण पूर्व एशिया में शिपिंग उद्यम स्थापित किए?

(a) चालुक्य वंश (b) गुप्त वंश
(c) चेर वंश (d) चोल वंश

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : चोल राजवंश पेन्नार और कावेरी नदियों के बीच पूर्वी समुद्र तट पर स्थित था। इस राजवंश की स्थापना विजयालय (850-887) ने की थी। चोलकालीन प्रमुख बन्दरगाह महाबलिपुरम्, कावेरी पत्तनम्, शालियूर, कोरकई आदि थे।

247. राजा सिंह विष्णु _____ वंश के शासक थे।

(a) चोल (b) पल्लव
(c) पाल (d) चालुक्य

RRB NTPC 26.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : राजा सिंहविष्णु (575-600 ई.) पल्लव वंश के शासक थे। सातवाहनों के ध्वंसावशेषों पर निर्मित होने वाले पल्लव वंश की स्थापना इन्होंने ही की थी। सातवाहन साम्राज्य के दक्षिण-पूर्वी भाग में शासन करने वाले पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम (तमिलनाडु) थी। उल्लेखनीय है कि संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध कवि व 'किरातार्जुनीयम' के रचयिता भारवि सिंहविष्णु के दरबार में रहते थे।

248. पुलकेशिन प्रथम और पुलकेशिन द्वितीय नामक शासक _____ से संबंधित थें।

(a) चोल वंश (b) चालुक्य वंश
(c) कुषाण वंश (d) मगध वंश

RRB NTPC 23.07.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना राजा जयसिंह ने की थी। इसकी राजधानी वातापी (बीजापुर के निकट) थी। इस वंश के प्रमुख शासक थे-पुलकेशिन प्रथम, कीर्तिवर्मन, पुलकेशिन द्वितीय, विक्रमादित्य, विनयादित्य एवं विजयादित्य। इन सब में से सबसे प्रतापी राजा पुलकेशिन द्वितीय था। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्धन को हराकर परमेश्वर की उपाधि धारण की थी। इसने दक्षिणा पथेश्वर की उपाधि धारण की थी। वातापी के चालुक्य वंश का अंतिम राजा कीर्तिवर्मन द्वितीय था जिसे दन्तिदुर्ग ने परास्त कर राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की थी।

249. पुलकेशिन द्वितीय किस राजवंश का सर्वाधिक प्रख्यात शासक था?

(a) चालुक्य (b) काकतीय
(c) पांड्य (d) होयसल

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : पुलकेशिन द्वितीय वातापी के चालुक्य वंश का प्रतापी शासक था। यह कीर्ति वर्मन प्रथम का पुत्र था। पुलकेशिन-II के युद्ध एव विजयों के विषयों में जानकारी ऐहोल अभिलेख से मिलती है। इसकी रचना उसके समकालीन कवि रविकीर्ति ने की थी। पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्धन को नर्मदा नदी के तट पर हराकर सम्पूर्ण दक्षिण भारत को अपने नियंत्रण में कर लिया। हर्षवर्धन को पराजित करने के पश्चात पुलकेशिन द्वितीय ने अपना दूसरा नाम परमेश्वर रखा। लोहनेर अभिलेख में पुलकेशिन द्वितीय को 'पूरब एवं पश्चिमी पयोधि का स्वामी' कहा गया है। इसी अभिलेख में इसे परमभागवत् कहा गया है।

250. ..... सातवीं और आठवीं सदी में बहुत शक्तिशाली हो गए और कांचीपुरम उनकी राजधानी थी।

(a) पल्लव (b) प्रतिहार
(c) पाल (d) चोल

RRB Group-D 26-10-2018 (Shift-II)

Ans : (a) सातवीं और आठवीं सदी में पल्लव एक शक्तिशाली वंश के रूप में स्थापित हुए, जिसका वास्तविक संस्थापक सिंहविष्णु (570-600 ई.) को माना जाता है। इन्होंने 'अवनिसिंह' की उपाधि धारण की। इस वंश के सबसे प्रतापी शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय ने काँची के कैलाशनाथ तथा ऐरावतेश्वर मंदिर और महाबलीपुरम के तटीय मंदिर का निर्माण करवाया था।

251. कांची ..... की राजधानी थी–

(a) राष्ट्रकूट (b) चोल
(c) पल्लव (d) चालुक्य

RRB JE CBT-II 28–08–2019 (morning)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

252. .....पांड्य वंश की राजधानी थी।

(a) गया (b) कांचीपुरम
(c) मदुरै (d) द्वारसमुद्र

RRB Group-D 01-10-2018 (Shift-II)

Ans. (c) तमिल प्रदेश का इतिहास मुख्य रूप से तीन राजवंशों का रहा है–चोल, चेर, पाड्य। पांड्य राजवंश का साम्राज्य तमिल प्रदेश के दक्षिण पूर्वी छोर पर बेल्लारी नदी के किनारे स्थित है। पांड्यों की राजधानी का नाम 'मदुरै' था।

253. ..... ने मदुरै के आस–पास के क्षेत्र पर शासन किया और तेरहवीं शताब्दी में सर्वोच्चता प्राप्त की–

(a) राजपूत (b) चोल
(c) चेर (d) पांड्या

RRB Group-D 24-10-2018 (Shift-I)

Ans : (d) पांड्य वंश के शासकों ने मदुरै पर शासन किया। पाण्ड्य वंश का इतिहास तीन चरणों में विभाजित किया जाता है।
(1) संगमकालीन पाण्ड्य राज्य
(2) कंडुगोन द्वारा स्थापित प्रथम पाण्ड्य साम्राज्य
(3) सुन्दरपाण्ड्य द्वारा स्थापित द्वितीय पाण्ड्य साम्राज्य
तमिल रचना 'संगम साहित्य' से पाण्ड्य वंश की जानकारी प्राप्त होती है। मदुरै दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य का एक मुख्यालय नगर है। यह नगर अपने प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। यहाँ का मुख्य आकर्षण 'मीनाक्षी मंदिर' है।

254. पूर्व चोल राजाओं में से किसे सबसे महान माना जाता है?

(a) पुलकेशीन II (b) राजसिम्हा
(c) करिकाल (d) नन्दीवर्मन

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (c) चोलों की प्रारम्भिक राजधानी 'उत्तरी मनलूर' थी, बाद में उरैयुर एवं तंजावूर बनी। संगम कालीन तीनों राज्यों में सर्वप्रथम चोलों का अभ्युदय हुआ। इस वंश का सबसे प्रतापी शासक करिकाल (करीकला) था, जिसने वण्णि के युद्ध में पांड्य तथा चेर सहित 11 राजाओं को हराया। करिकाल ने कावेरी नदी के तट पर पुहार पत्तन (कावेरीपत्तनम) नामक नगर की स्थापना की। चोलों का प्रमुख बंदरगाह कावेरीपत्तनम तथा राजकीय चिन्ह बाघ था।

255. पल्लव वंश के कौन से राजा संस्कृत नाटक भी लिखा करते थे?

(a) राजा राज चोल (b) महेंद्रवर्मन
(c) राजसिम्हा (d) विक्रमादित्य

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (b) पल्लव वंश के राजा महेन्द्रवर्मन-I (600-630 ई.) के समय में पल्लव साम्राज्य न केवल राजनीतिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कलात्मक दृष्टि से भी अपने चरमोत्कर्ष पर था। महेन्द्रवर्मन- I ने 'मत्तविलासप्रहसन' तथा ''भगवद्ज्जुकीयम'' जैसे महत्वपूर्ण ग्रन्थों की रचना की तथा संस्कृत में भी कई नाटक लिखे।

256. किस चालुक्य राजा ने कन्नौज के राजा हर्ष को पराजित किया था?

(a) सिद्धराज सोलंकी (b) वास्तुपाल
(c) पुलकेशिन II (d) मुलराज

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (c) कन्नौज के राजा हर्ष को बादामी के चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने नर्मदा नदी के तट पर हराया था। दोनों राजाओं की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं ने संघर्ष को अनिवार्य बना दिया।

257. चोल राजवंश के अंतिम शासक कौन थे?

(a) राजाराज चोल II (b) राजेन्द्र चोल III
(c) विजयालय चोल (d) कुलोतुंग चोल III

RRB NTPC Stage I[st] 28.04.2016 (Shift-III)

Ans : (b) चोल वंश का अंतिम शासक अधिराजन या राजेन्द्र चोल III था। विजयालय ने 850 ई. में चोल वंश की स्थापना की जिसकी राजधानी तंजौर थी। यह राज्य पेन्नार एवं कावेरी नदियों के बीच पूर्वी तट पर अवस्थित था।

258. कौन से चोल राजा (Chola King) ने मालदीव के द्वीपों पर दरियाई विजय पाई थी ?

(a) करीकाला (b) राजाराज
(c) महेन्द्र (d) विक्रम

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (b) राजराज ने मालदीव के द्वीपों पर दरियाई विजय प्राप्त की थी। इसकी अन्य विजय केरल, पांड्य, सिंहल एवं पश्चिमी गंग थी। राजराज की प्रथम विजय केरल थी जबकि अंतिम विजय मालदीव था।

259. प्रारम्भिक चेर वंशीय (Chera Dynasty) राजाओं ने किन राज्यों पर शासन किया था?

(a) तमिलनाडु और केरल
(b) बंगाल और उड़ीसा
(c) अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम
(d) महाराष्ट्र और गुजरात

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (a) प्रारंभिक चेर वंश के राजाओं ने तमिलनाडु और केरल राज्यों पर शासन किया था। चेरों का शासनकाल संगम साहित्य युग के पूर्व आरम्भ हुआ था, उसमें आधुनिक त्रावणकोर, कोचीन, मालाबार, कोयंबटूर और सलेम (दक्षिणी) जिलों के प्रदेश सम्मिलित थे।

260. किस भारतीय राजा ने पूर्व-एशिया के कुछ हिस्सों को जीतने के लिए नौसैनिक शक्ति का इस्तेमाल किया था?

(a) अकबर (b) कृष्णदेव
(c) राजेन्द्र चोल (d) शिवाजी

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (c) भारतीय राजा राजेन्द्र चोल ने दक्षिण पूर्व एशिया को जीतने के लिए नौसैनिक शक्ति का इस्तेमाल किया। भारत के इतिहास में केवल चोल वंश ही है, जिसने नौसेना पर अधिक ध्यान दिया। इसने गंगईकोण्ड की उपाधि धारण की थी।

12. सीमावर्ती राजवंश (Borderline Dynasties)

261. 9वीं शताब्दी में स्थापित प्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने कराई थी?

(a) सामंत सेन (b) बल्लाल सेन
(c) धर्मपाल (d) गोपाल

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : पालवंश का संस्थापक गोपाल (750 ई.) था। पाल शासक बौद्ध धर्म के अनुयायी थे। गोपाल ओदन्तपुरी में एक मठ का निर्माण करवाया था। पालवंश का सबसे महान शासक धर्मपाल था जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय (भागलपुर, बिहार) की स्थापना की थी। धर्मपाल ने सर्वप्रथम पालवंश की ओर से त्रिपक्षीय संघर्ष में हिस्सा लिया था।

262. सबसे प्रसिद्ध पशुचारण और शिकारी जनजातियों 'मंगोल' बसे हुए हैं।.....

(a) दक्षिण एशिया (b) अरब प्रायद्वीप
(c) दक्षिण-पूर्वी एशिया (d) मध्य एशिया

RRB NTPC 23.07.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मंगोल मध्य एशिया में रहने वाली एक जनजाति है। ये वर्तमान में मंगोलिया, चीन एवं रूस में निवास करते है। ये शिकारी, तीरंदाजी एवं घुड़सवारी में कुशल थे। चंगेज खान भी मंगोल था।

263. विंध्याशक्ति ..... वंश के संस्थापक थे?

(a) वाकाटक (b) काकतीय
(c) पांडव (d) चोल

RRB Group-D 17-09-2018 (Shift-III)

Ans. (a) विंध्यशक्ति, वाकाटक राजवंश के संस्थापक थे। वाकाटक राजवंश मध्य प्रदेश के ऊपरी भाग पर तथा बरार (आन्ध्र प्रदेश) तक विस्तृत था। विंध्यशक्ति का उल्लेख वायुपुराण तथा अजंतालेख में मिलता है। इस वंश का सबसे शक्तिशाली राजा प्रवरसेन प्रथम था। प्रवरसेन इस वंश का इकलौता शासक था जिसने 'सम्राट' की उपाधि धारण की।

264. पाल राजवंश का पहला राजा कौन था?

(a) गोपाल (b) देवपाल
(c) मैदनपाल (d) नन्दलाल

RRB Group-D 22-10-2018 (Shift-II)

Ans : (a) पालवंश का संस्थापक व प्रथम राजा गोपाल (750 ई) था।

265. इनमें से कौन सा राजवंश दक्षिण भारत से संबद्ध नहीं है?

(a) पाण्ड्य (b) पाल
(c) सातवाहन (d) पहल्लव

RRB NTPC Stage I[st] 19.01.2017 (Shift-I)

Ans : (b) पाण्ड्य, सातवाहन तथा पहल्लव वंश दक्षिण भारत के प्रसिद्ध राजवंश है, जबकि पाल वंश की स्थापना बंगाल में गोपाल ने की। पाल वंश की राजधानी मुंगेर थी। पाल वंश का द्वितीय शासक धर्मपाल (770–810 ई.) हुआ, जिसके काल में त्रिपक्षीय संघर्ष की शुरूआत हुई। इसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय एवं सोमपुर महाविहार की स्थापना की तथा नालन्दा विश्वविद्यालय का जीर्णोद्धार कराया। इसका उत्तराधिकारी देवपाल हुआ। इसी के काल में जावा के शैलेन्द्र शासक बालपुत्रदेव ने नालन्दा में बौद्ध बिहार बनवाया। पाल वंश का अंतिम शासक रामपाल हुआ।

13. प्राचीनकालीन साहित्य एवं साहित्यकार (Ancient Literature and Litterateur)

266. गुणाढ्य का/की----पैशाची भाषा में लिखित है।

(a) मृच्छकटिकम (b) पंचतंत्र
(c) कथासरित्सागर (d) बृहत्कथा

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : प्राचीन साहित्य के कथाकारों में गुणाढ्य बहुत प्रसिद्ध है। वह सातवाहन नरेश 'हाल' के दरबार में निवास करता था। इन्होंने ही पैशाची भाषा में 'बृहत्कथा' की रचना की थी।
मृच्छकटिकम के लेखक शूद्रक है यह संस्कृत भाषा में लिखित नाट्य साहित्य है। पंचतंत्र के लेखक विष्णुशर्मा तथा कथासरित्सागर के लेखक महाकवि सोमदेव भट्ट हैं।

267. _____ द्वारा रचित नागानंद, एक संस्कृत नाटक है, जिसमे नागों को बचाने के लिए विद्याधर राजा जिमुतवाहन के आत्म-बलिदान की लोकप्रिय गाथा का वर्णन है।

(a) अशोक (b) हर्ष
(c) चंद्र गुप्त प्रथम (d) बिंदुसार

RRB NTPC (Stage-2) 14/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : हर्षवर्धन (606–647 ई0) कन्नौज का प्रतापी सम्राट था। वह साहित्य व कला का पोषक था। उसने संस्कृत में तीन नाटकों की रचना की – रत्नावली, नागानन्द तथा प्रियदर्शिका। नागानन्द में नागों को बचाने के लिए विद्याधर राजा जीमुतवाहन के आत्म-बलिदान की लोकप्रिय गाथा का वर्णन किया गया है।

268. निम्न में से उस विकल्प का चयन करें, जो कालिदास के 'विक्रमोर्वशीयम' नाटक में वर्णित है।

(a) मालविका के लिए राजा अग्निमित्र का प्रेम
(b) नल और दमयंती की कथा
(c) दुष्यंत और शकुंतला की कथा
(d) पुरुरवा और उर्वशी की प्रेम-कथा

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : विक्रमोर्वशीयम कालिदास का प्रसिद्ध नाटक है। इसमें राजा पुरूरवा तथा अप्सरा उर्वशी की प्रणय कथा वर्णित है। विक्रमोर्वशीयम में श्रृंगार रस की प्रधानता है। इसकी कथा ऋग्वेद तथा शतपथ ब्राह्मण से ली गयी है। महाकवि कालिदास ने विक्रमोर्वशीयम नाटक को मानवीय प्रेम की अत्यन्त मधुर एवं सुकुमार कहानी में परिणत किया है। कालीदास ने अपने इस नाटक का दृश्यांकन झूँसी (प्राचीन प्रतिष्ठानपुर) में किया था।

269. इनमें से कौन से प्रचीन यूनानी इतिहासकार और राजनयिक 'इंडिका (Indica)' नामक पुस्तक के लेखक हैं?

(a) मेगस्थनीज (b) सेल्यूकस
(c) डाइमेंकस (d) डायोनिसियस

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) :

पुस्तक	लेखक
इण्डिका	मेगस्थनीज
सी-यू-की	ह्वेनसाँग
किताब-उल-हिन्द	अलबरूनी
किताब-ए-रेहला	इब्न-बतूता

270. भारतीय महाकाव्य महाभारत (व्यास कृत) के अठारह पर्वों में से छठा पर्व कौन सा है, जिसमें व्यापक रूप से भगवद्गीता का वर्णन है?

(a) भीष्म पर्व (b) विराट पर्व
(c) सभा पर्व (d) आदि पर्व

RRB NTPC (Stage-2) 17/06/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : महाभारत के भीष्म पर्व में श्रीमद् भगवद्गीता का वर्णन है। भीष्म पर्व के अंतर्गत महाभारत में चार उपपर्व एवं 122 अध्याय हैं। इन उपपर्व के नाम जंबूखण्ड विनिर्माण पर्व, भूमि पर्व, श्रीमद् भगवद्गीता पर्व एवं भीष्म वध पर्व है।

271. राजकुमारी रत्नावली की प्रेम कहानी के संबंध में संस्कृत नाटक 'रत्नावली'_____द्वारा लिखित माना जाता है।

(a) विशाखदत्त (b) कालिदास
(c) हर्ष (d) भवभूति

RRB NTPC (Stage-2) 12/06/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : हर्ष ने रत्नावली, प्रियदर्शिका एवं नागानंद नाटक की रचना की। चीनी बौद्ध यात्री ह्वेनसांग ने अपने लेखन में राजा हर्षवर्धन के कार्यों की सहाहना की।

272. कालिदास ने मेघदूत नामक अपने काव्य को निम्नलिखित में से किस भाषा में लिखा था?

(a) पाली (b) प्राकृत
(c) हिन्दी (d) संस्कृत

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : कालिदास, तीसरी व चौथी शताब्दी में संस्कृत भाषा के महान कवि व नाटककार थे। इन्होंने अपनी सभी कृतियाँ संस्कृत भाषा में लिखी है, जिनमें 'मेघदूत' नामक काव्य उनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है। यह एक गीतिकाव्य है, जिसमें यक्ष द्वारा मेघ से सन्देश ले जाने की प्रार्थना और उसे दूत बनाकर अपनी प्रिया के पास भेजने का वर्णन है।

273. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना, कालिदास की नहीं है?

(a) विक्रमोर्वशीयम (b) रघुवंशम
(c) नीतिसार (d) अभिज्ञान शाकुंतलम

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : कालिदास संस्कृत भाषा के महान कवि व नाटककार थे। इन्होंने पौराणिक कथाओं तथा दर्शन को आधार बनाकर अनेक रचनाएँ की, जिनमें 'विक्रमोर्वशीयम्', 'रघुवंशम्' व 'अभिज्ञान शाकुंतलम' प्रमुख हैं।
नीतिसार राज्य शास्त्र का एक संस्कृत ग्रंथ है, इसके रचयिता कामंदक है।

274. प्राचीन भारतीय महाकाव्य --------को अब तक ज्ञात सबसे लंबे महाकाव्य के रूप में जाना जाता है, और इसे अब तक लिखे गए सबसे लंबे महाकाव्य के रूप में वर्णित किया जाता है।

(a) रामायण (b) भगवद गीता
(c) महाभारत (d) बुद्धचरित

RRB Group-D – 19/09/2022 (Shift–II)

Ans. (c) : प्राचीन भारतीय महाकाव्य 'महाभारत' को अब तक ज्ञात सबसे लम्बे महाकाव्य के रूप में जाना जाता है और इसे अब तक लिखे गए सबसे लम्बे महाकाव्य के रूप में वर्णित किया जाता है। श्रीमदभगवद् गीता महाभारत का ही एक भाग है। भगवद्गीता महाभारत के भीष्म पर्व से संबंधित है। महाभारत में कुल 18 पर्व है।

275. पाणिनी संस्कृत के प्रसिद्ध _____ थे।

(a) कवि (b) उपन्यासकार
(c) व्याकरणाचार्य (d) लेखक

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist
RRB Group-D 02-11-2018 (Shift-II)

Ans. (c) : पाणिनी प्राचीन भारत में संस्कृत भाषाविद्, व्याकरणविद् और श्रृद्धेय विद्वान थे। अष्टाध्यायी 5वीं शताब्दी ई. पू. में पाणिनी द्वारा लिखित संस्कृत व्याकरण है।

276. कालिदास द्वारा लिखे गए 'अभिज्ञान शाकुंतलम में शंकुतला का पुत्र कौन था?

(a) भरत (b) विक्रम
(c) प्रदयुम्न (d) अनिरुद्र

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : 'अभिज्ञान शाकुंतलम' नाटक के रचनाकार कालिदास है। इसमें शकुन्तला और राजा दुष्यन्त की प्रणय कथा का वर्णन सात अंको में किया गया है। शंकुतला का पुत्र भरत था। इनकी अन्य कृतियां मेघदूतम, रघुवंशम तथा ऋतुसंहार आदि है।

277. नाट्य शास्त्र–पुस्तक भारत के शास्त्रीय नृत्य पर किसके द्वारा लिखी गई थी?

(a) श्री वेदव्यास (b) श्री तुलसीदास
(c) भरत मुनि (d) कश्यप मुनि

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (c) नाटकों के संबंध में शास्त्रीय जानकारी को नाट्यशास्त्र कहते हैं। इसके रचयिता भरत मुनि थे।

278. निम्न में से किसकी रचना कालिदास द्वारा की गई?

(a) कुमारसंभवम्
(b) मालती माधव
(c) किरातार्जुनीयम्
(d) किरातार्जुनीयम् और कुमारसंभवम् दोनों

RRB JE - 31/05/2019 (Shift-II)

Ans : (a)

कवि		**रचनाएँ**
कालिदास	–	कुमारसंभवम्, मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्
भवभूति	–	महावीरचरित, मालतीमाधव, उत्तररामचरित
भारवि	–	किरातार्जुनीयम्

अतः दिए गए विकल्पों में से कुमारसंभवम् कालिदास की रचना है।

279. प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य मणिमेकलई (Manimekalai) की रचना किसने की थी?

(a) इलांगो आदिगल (b) नाथकुतनार
(c) सतनार (d) त्रोतक्कदेवर

RRB NTPC 07.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य मणिमेकलई की रचना सीतलैसत्तनार द्वारा की गई। इसके द्वारा तत्कालीन संगम समाज और राजनीति के विषय में जानकारी मिलती है। जिसमें चेर, चोल, पाण्ड्य आदि का राजनीतिक विवरण मिलता है।

280. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक विष्णु शर्मा द्वारा लिखित है?

(a) अर्थशास्त्र (b) पंचतंत्र
(c) इंडिका (d) राजतरंगिणी

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) :

लेखक		**पुस्तक**
विष्णु शर्मा	—	पंचतंत्र
कौटिल्य	—	अर्थशास्त्र
मेगस्थनीज	—	इंडिका
कल्हण	—	राजतरंगिणी

281. 'मुद्राराक्षस' नाटक किसने लिखा था ?

(a) सोमदेव (b) विशाखादत्त
(c) कालीदास (d) बोधायन

RRB NTPC 27.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) :

लेखक	**रचनायें**
विशाखदत्त-	मुद्राराक्षस, देवीचन्द्रगुप्तम, राघवानन्दनाटकम्,
सोमदेव-	कथासरित्सागर
कालीदास-	रघुवंशम्, अभिज्ञानशाकुन्तम्, कुमारसम्भवम्
बोधायन-	शुल्व सूत्र, श्रौत सूत्र

282. 'महाभारत' नामक संस्कृत महाकाव्य के लेखक कौन थे?

(a) महर्षि वेद व्यास (b) महर्षि वाल्मीकि
(c) श्री कृष्ण (d) श्री सुखदेवजी

RRB NTPC 14.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : 'महाभारत' महर्षि वेद व्यास द्वारा रचित संस्कृत वाङ्मय का सबसे बड़ा ग्रन्थ हैं, जिसमें एक लाख श्लोक है। इसलिए इसे शतसाहस्त्री संहिता भी कहते हैं। महाभारत में मूलतः कौरवों और पाण्डवों का संघर्ष वर्णित है। **रामायण**, महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित एक दूसरा प्रमुख संस्कृत महाकाव्य है।

283. आर्यभट्टीयम नामक पुस्तक आर्यभट्ट ने किस भाषा में लिखी थी?

(a) तेलुगू (b) तमिल
(c) हिंदी (d) संस्कृत

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : आर्यभट्टीयम नामक ग्रन्थ की रचना आर्यभट्ट ने की थी। यह संस्कृत भाषा में आर्या छंद में काव्यरूप में रचित गणित तथा खगोलशास्त्र का ग्रन्थ है। इसकी रचना पद्धति बहुत वैज्ञानिक है। इसमें चार अध्याओं में 121 श्लोक हैं।

284. प्राचीन संस्कृत ग्रंथ, अष्टाध्यायी के लेखक कौन हैं ?

(a) पतंजलि (b) पाणिनि
(c) अष्टावक्र (d) चरक

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : 'अष्टाध्यायी' (संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक) के लेखक पाणिनि है। इसमें मौर्य काल के पहले का इतिहास तथा मौर्ययुगीन राजनीतिक अवस्था की जानकारी प्राप्त होती है। अष्टाध्यायी में कुल सूत्रों की संख्या लगभग 3996 है।

ग्रन्थ		**लेखक**
महाभाष्य	–	पतंजलि
नाट्यशास्त्र	–	भरतमुनि
चरक संहिता	–	चरक

285. 'सुश्रुत संहिता' किस विषय से संबंधित है ?

(a) ज्योतिष शास्त्र
(b) चिकित्सा एंव शल्य-चिकित्सा
(c) गणित
(d) धर्म एवं पुराण-शास्त्र

RRB NTPC 07.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : सुश्रुत संहिता चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा (Surgery) से सम्बन्धित एक प्राचीन संस्कृत ग्रन्थ है। सुश्रुत को भारत में शल्य चिकित्सा का जनक माना जाता है और उन्होंने अपनी पुस्तक सुश्रुत संहिता में 120 प्रकार के उपकरणों और 300 प्रकार की सर्जिकल प्रक्रियाओं का वर्णन किया है।
भारत में आयुर्वेद से सम्बन्धित संहिता - चरक संहिता और अष्टांग संग्रह (मुख्य तौर पर औषधि ज्ञान से सम्बन्धित) है।

286. प्रसिद्ध संस्कृत नाटक 'स्वप्नवासवदत्तम' किसने लिखा था?
(a) जयदेव (b) कालिदास
(c) शूद्रक (d) भास
RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) :

कृति	कृतिकार
♦ स्वप्नवासवदत्तम्	भास
♦ मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
♦ मृच्छकटिकम्	शूद्रक
♦ नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
♦ गीतगोविन्द और रसमंजरी	जयदेव

287. महाभारत का मूल नाम क्या है?
(a) भृगु संहिता (b) सुश्रुत संहिता
(c) जय संहिता (d) शिव संहिता
RRB NTPC 15.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : महाभारत का मूल नाम 'जयसंहिता' था, जिसे महर्षि कृष्णद्वैपायन वेदव्यास द्वारा लिखा गया। महाभारत का प्रारम्भिक उल्लेख 'आश्वलायन गृहसूत्र' में मिलता है। इस महाकाव्य में 18 पर्व है। इसे पाँचवे वेद के रूप में भी पहचाना जाता है।

288. 'दशकुमारचरित' या 'टेल्स ऑफ टेन प्रिंसेस' की रचना किसने की थी?
(a) रहस बिहारी द्विवेदी (b) दण्डी
(c) भर्तृहरि (d) बुद्धस्वामी
RRB NTPC 05.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : दशकुमारचरित, या 'टेल्स ऑफ टेन प्रिंसेस' दंडी द्वारा प्रणीत संस्कृत गद्यकाव्य है। इसमें दस कुमारों का चरित्र वर्णित होने के कारण इसका नाम ''दशकुमार चरित्र'' है। दण्डी संस्कृत भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार हैं।

289. हर्षचरित का लेखक कौन है?
(a) कालिदास (b) पाणिनि
(c) कल्हण (d) बाणभट्ट
RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) :

रचनाकार	-	रचनाएँ
कालिदास	-	अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मेघदूतम्, रघुवंशम्, कुमार संभवम्, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्, ऋतुसंहार
पाणिनि	-	अष्टाध्यायी
कल्हण	-	राजतरंगिनी
बाणभट्ट	-	हर्षचरित, कादम्बरी

290. गीत गोविंद किसने लिखा था?
(a) जयदेव (b) मीराबाई
(c) रसखान (d) सूरदास
RRB NTPC 29.12.2020 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : 'गीत गोविन्द' की रचना महाकवि जयदेव (12 वीं शताब्दी) ने संस्कृत भाषा में की थी। यह एक गीति काव्य है जिसमें प्रत्यक्ष रूप से कृष्ण और राधा की प्रेम लीलाओं का नाटकीय प्रस्तुतीकरण किया गया है। गीत गोविन्द में कुल 12 अध्याय है जिन्हें 24 भागों में बांटा गया है।

291. 'किताब-उल-हिंद' इनमें से किस यात्री एवं विद्वान की कृति है?
(a) ड्यूआर्टे बारबोसा (b) सइदी अली रईस
(c) अलबरूनी (d) इब्न बतूता
RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अलबरूनी का मूल नाम अबू रेहान था। इसका जन्म 973 ई. में ख्वारिज्म के इलाके में हुआ था, जिसका संबंध उज्बेकिस्तान से स्थापित किया जाता है। अलबरूनी ईरानी मूल का मुसलमान था। 1017 ई. में जब सुल्तान महमूद ने ख्वारिज्म के राज्य पर आक्रमण कर उसे अपने राज्य में मिला लिया था, तो अलबरूनी भी बन्दी के रूप में गजनी में आया था। अलबरूनी की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम किताब-उल-हिन्द या तारीखे हिन्द था।

292. निम्नलिखित में से किस प्राचीन भारतीय दार्शनिक ने पदार्थ के सूक्ष्मतम कण के बारे में उल्लेख किया और इसे परमाणु नाम दिया।
(a) चरक (b) कणाद
(c) बौधायन (d) वराहमिहिर
RRB NTPC 11.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : वैशेषिक दर्शन का प्रवर्तक कणाद मुनि को माना जाता है। वैशेषिक दर्शन में कणाद मुनि ने पदार्थ के सूक्ष्मतम कण के बारे में उल्लेख किया और इसे परमाणु नाम दिया।

293. 'इंडिका' के लेखक हैं :
(a) चाणक्य (b) मेगस्थनीज
(c) सेल्युकस (d) डैरियस
RRB J.E. –2014
RRB J.E. 2014 (14.12.2014 Red Paper)

Ans : (b) मेगस्थनीज यूनान का एक राजदूत था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। वह कई वर्षों तक चन्द्रगुप्त के दरबार में रहा। उसने जो कुछ भारत में देखा, उसका वर्णन उसने ''इण्डिका'' नामक अपनी पुस्तक में किया है। मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र का बहुत ही सुन्दर और विस्तृत वर्णन किया है।

294. तमिल कवि 'कंबन' ने निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ के तमिल संस्करण का संकलन किया है?
(a) महाभारत (b) रामायण
(c) ऋग्वेद (d) भगवद् गीता
RRB Group-D 27-11-2018 (Shift-III)

Ans. (b) तमिल भाषा के कवि 'कंबन' ने रामायण का तमिल संस्करण 'कंबरामायण' के नाम से संकलित किया था। यह तमिल साहित्य की सर्वोत्कृष्ट कृति है। कंबन चोल राजा कुलोत्तुंग तृतीय के दरबारी कवि थे।

295. 'मृच्छकटिक' नामक साहित्यिक कृति के लेखक कौन थे?
(a) श्री हर्ष (b) कालिदास
(c) चाणक्य (d) शूद्रक
RRB NTPC 30.12.2020 (Shift-I) Stage Ist
RRB NTPC 12.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मृच्छकटिकम एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। शूद्रक द्वारा रचित इस नाटक से गुप्तकालीन सांस्कृतिक इतिहास की जानकारी मिलती है।

296. निम्नलिखित में से किसने प्राचीन भारत में ''मृच्छकटिका'' पुस्तक संकलित की है?

(a) कल्हन (b) शूद्रक
(c) विक्रमवेद (d) बाणभट्ट

RRB Group-D 23-10-2018 (Shift-I)

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

297. संगम काल के महाकाव्य 'शिल्प्पादिकारम्' और मणिमेखलै' ———भाषा में लिखे गए थे।

(a) पालि (b) पैशाची
(c) संस्कृत (d) तमिल

RRB Group-D 16-10-2018 (Shift-I)

Ans. (d) संगम काल के महाकाव्य शिलप्पादिकारम् तथा मणिमेखलै तमिल भाषा में लिखे गये थे। शिलप्पादिकारम् को तमिल साहित्य का प्रथम महाकाव्य माना गया है।

298. निम्नलिखित में से किसने संस्कृत नाटक 'मुद्राराक्षस' लिखा था?

(a) नागार्जुन (b) सोमदेव
(c) विशाखदत्त (d) कालीदास

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-I)

Ans. (c) 'मुद्राराक्षस' संस्कृत का प्रसिद्ध ऐतिहासिक नाटक है। इस संस्कृत नाटक के लेखक विशाखदत्त थे। इस नाटक में चाणक्य और चन्द्रगुप्त मौर्य के जीवन से सम्बन्धित घटनाओं एवं चाणक्य की राजनीतिक सफलताओं का विश्लेषण मिलता है। इस नाटक को हिन्दी में सर्वप्रथम अनुवादित करने का श्रेय भारतेन्दु हरिशचन्द्र को प्राप्त है। विशाखदत्त संस्कृत भाषा के सुप्रसिद्ध नाटककार थे। देवीचन्द्रगुप्तम् तथा राघवानन्द नाटकम् विशाखदत्त की अन्य रचनाएँ हैं।

299. निम्नलिखित में से कौन सा प्राचीन ग्रंथ 'पाँचवां वेद' भी कहा जाता है?

(a) शिवपुराण (b) रामायण
(c) भगवद् गीता (d) महाभारत

RRB Group-D 27-09-2018 (Shift-III)

Ans : (d) महाभारत को 'पाँचवा वेद' भी कहा जाता है। यह हिन्दुओं का एक प्रमुख ग्रंथ है। महाभारत में 1,00,000 श्लोक हैं। इसके रचयिता महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास है।
भारतीय संस्कृति में वेद सनातन धर्म के मूल और सबसे प्राचीन धर्मग्रंथ है। इन ग्रंथों को पवित्र और अपौरूषेय माना गया है। वेदों की संख्या चार है-

1. ऋग्वेद 2. सामवेद
3. यजुर्वेद 4. अथर्ववेद

300. निम्नलिखित में से किसने 'रघुवंशम' संकलित किया है?

(a) सूरदास (b) कबीरदास
(c) कालिदास (d) तुलसीदास

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-II)

Ans : (c) रघुवंशम् कालिदास द्वारा रचित महाकाव्य है।

301. 'पंचतंत्र' का लेखक कौन है?

(a) श्री हर्ष (b) विष्णु शर्मा
(c) वाल्मीकि (d) कालीदास

RRB Group-D 08-10-2018 (Shift-II)
RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (b) संस्कृत नीति कथाओं में पंचतंत्र का पहला स्थान माना जाता है। इस ग्रंथ के रचयिता पं. विष्णु शर्मा है। श्रीहर्ष की रचना 'नैषधीयचरित्', वाल्मीकि की रचना 'रामायण' तथा कालिदास की रचना 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' और 'मेघदूतम्' है।

302. निम्नलिखित में से किसने भारत के प्राचीन ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' को संकलित किया है?

(a) वेदव्यास (b) मनु
(c) अगस्त्य (d) भरत मुनि

RRB Group-D 22-09-2018 (Shift-I)

Ans : (d) नाट्यशास्त्र (संस्कृत में) नाट्य कला पर आधारित ग्रंथ है, जिसकी रचना भरत मुनि ने तीसरी शताब्दी से पूर्व की थी। इस ग्रंथ में प्रत्यभिज्ञा दर्शन की छाप है। इसके 36 अध्यायों में संगीत, नाटक एवं अभिनय का संकलन है।

303. पंच-सिद्धान्तिका, बृहत्संहिता और सांख्य-सिद्धान्त के लेखक कौन हैं?

(a) आर्यभट्ट (b) ब्रह्मगुप्त
(c) भास्कराचार्य (d) वराहमिहिर

RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (d) पंचसिद्धान्तिका, बृहत्संहिता और सांख्य सिद्धान्त के लेखक वराहमिहिर थे। इन पुस्तकों में त्रिकोणमिति के महत्वपूर्ण सूत्र दिये है जो वराहमिहिर के त्रिकोणमिति ज्ञान के परिचायक है। इनकी पुस्तक पंचसिद्धान्तिका (पाँच सिद्धान्त) ने उन्हें फलित ज्योतिष में वही स्थान दिलाया है जो राजनीति दर्शन में कौटिल्य का, व्याकरण में पाणिनी का और विधान में मनु का है।

304. 'तिरुक्कुरल' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ के संकलनकर्ता कौन हैं?

(a) कालिदास (b) तिरुवल्लुवर
(c) कबीर (d) मीराबाई

RRB NTPC Stage I[st] 28.04.2016 (Shift-I)

Ans : (b) तिरुक्कुरल नामक प्रसिद्ध ग्रंथ के संकलनकर्त्ता तिरुवल्लुवर है। तिरूक्कुरल तमिल भाषा में लिखित एक प्राचीन मुक्तक काव्य रचना है, इसका रचना-काल छठीं शताब्दी के आस–पास है। इसके सूत्र पद्य जीवन शैली को स्पर्श करते है। जबकि कालिदास ने 'मालविकाग्निमित्रम्' की रचना की। कबीर ने 'बीजक' तथा मीराबाई ने कृष्ण-भक्ति के स्फुट पदों की रचना की।

305. 'चरक संहिता', चिकित्सा की किस शाखा से संबंधित है?

(a) एलोपेथी (b) आयुर्वेद
(c) होमियोपेथी (d) यूनानी

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (b) 'चरक संहिता' आयुर्वेद से सम्बन्धित प्रसिद्ध ग्रन्थ है। यह संस्कृत भाषा में लिखा गया है। महर्षि चरक ने चिकित्सा शास्त्र का विशद् एवं व्यापक वर्णन इस पुस्तक में किया है।

306. सुश्रुत को.....के रूप में जाना जाता है?

(a) भारतीय चिकित्सा के जनक
(b) भारतीय शल्य चिकित्सा के जनक
(c) भारतीय पारिस्थितिकीय के जनक
(d) भारतीय पेलियोबॉटनी के जनक

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (b) सुश्रुत प्राचीन भारत के महान चिकित्साशास्त्री एवं शल्य चिकित्सक थे। उनकों शल्य चिकित्सा (Surgery) का जनक कहा जाता है।

307. राजतरंगिणी द्वारा किन राज्यों के राजाओं का वर्णन किया गया है?

(a) राष्ट्रकूट (b) कश्मीर
(c) बिहार (d) उड़ीसा

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी में कश्मीर के राजाओं का विशद व मोहक वर्णन किया गया है। इसके अनुसार कश्मीर की राजधानी श्रीनगर को सम्राट अशोक ने बसाया था, जो शिव के परम भक्त थे एवं बाद में अपना धर्म बदल लिया।

308. प्राचीन भारत में कल्हण द्वारा निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक लिखी गई थी?

(a) हर्षचरित (b) राजतरंगिणी
(c) मुद्राराक्षस (d) विक्रमोवर्शियम

RRB Group-D 23-10-2018 (Shift-II)

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

309. प्राचीन भारतीय कानूनी दस्तावेज 'मनुस्मृति' 'Manusmriti' ..... में लिखा गया था–

(a) तमिल (b) हिन्दी
(c) संस्कृत (d) बंगाली

RRB NTPC 19.04.2016 (Shift-II) Stage Ist

Ans : (c) प्राचीन भारतीय कानूनी दस्तावेज 'मनुस्मृति' संस्कृत में लिखा गया था। मनुस्मृति को मानव धर्मशास्त्र भी कहा जाता है। इस ग्रंथ में सामाजिक वर्गों के बारे में वर्णन किया गया है। इसमें चारो वर्णों, चारो आश्रमों एवं सोलह संस्कारों तथा सृष्टि उत्पत्ति के अतिरिक्त राज्य की व्यवस्था आदि विषयों पर परामर्श दिया गया है।

310. निम्नलिखित में से कौन-सा साहित्य संस्कृत में नहीं लिखा गया है?

(a) तिरुक्कुरल (b) रत्नावली
(c) राजतरंगिणी (d) मेघदूत

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage IInd

Ans : (a)

पुस्तक	लेखक	भाषा
1. तिरुक्कुरल	तिरुवल्लुवर	तमिल
2. रत्नावली	हर्ष	संस्कृत
3. राजतरंगिणी	कल्हण	संस्कृत
4. मेघदूत	कालिदास	संस्कृत

311. इनमें से कौन एक भारतीय गणितज्ञ थे?

(a) भरत (b) बाना
(c) भास्कर (d) भवभूति

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (c) भास्कर प्रथम (600–680ईस्वी) भारत के सातवीं शताब्दी के महान गणितज्ञ थे। संभवत: उन्होंने ही सबसे पहले संख्याओं को हिन्दू दाशमिक पद्धति में लिखना आरम्भ किया। उन्होंने आर्यभट्ट की कृतियों पर टीका लिखा।

312. इनमें से कौन-सी गणित विषय पर लिखित एक मध्ययुगीन भारतीय पुस्तक है?

(a) वास्तु शास्त्र (b) लीलावती
(c) पंचदशी (d) रूपमती

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-I) Stage Ist

Ans : (b) लीलावती गणित विषय पर आधारित एक मध्ययुगीन भारतीय ग्रन्थ है, जिसकी रचना महान भारतीय गणितज्ञ भास्कराचार्य द्वितीय ने अपनी पुत्री की बुद्धिमता से प्रभावित होकर किया था। पंचदशी, माधवाचार्य द्वारा रचित अद्वैत-वेदान्त का सरल और सम्पूर्ण ग्रन्थ है।

313. मनुस्मृति का अंग्रेजी में अनुवाद किसने किया था?

(a) एच. जी. वेल्स (b) जॉर्ज बुलर
(c) राल्फ ग्रिफिथ (d) एच.एच. विल्सन

RRB NTPC Stage Ist 29.04.2016 (Shift-I)

Ans : (b) मनुस्मृति का अंग्रेजी अनुवाद जॉर्ज बुलर द्वारा किया गया। मनुस्मृति सर्वाधिक प्राचीन स्मृति है तत्पश्चात याज्ञवल्क्य स्मृति की रचना हुई।

314. हर्षचरित, राजा हर्षवर्धन की जीवनी, किसने लिखी थी?

(a) कालिदास (b) बीरबल
(c) बाणभट्ट (d) तुलसीदास

RRB Group-D 26-11-2018 (Shift-III)

Ans : (c) हर्षवर्धन 606 ई. में राजगद्दी पर बैठा। हर्ष ने अपनी राजधानी कन्नौज में स्थापित की। हर्षचरित, संस्कृत में बाणभट्ट द्वारा रचित ग्रन्थ है जिसमें उसने हर्षवर्धन के जीवन चरित्र तथा उसके प्रशासन का वर्णन किया है। यह संस्कृत का सबसे प्राचीन ग्रन्थ है।

315. _____ द्वारा रचित हर्षचरित्र हमें हर्ष और उनके प्रशासन के बारे में सही जानकारी देता है।

(a) बाणभट्ट (b) फा हियेन
(c) तुलसीदास (d) कल्हन

RRB Group-D 26-09-2018 (Shift-II)

Ans. (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

316. प्राचीनकाल में अमरसिंह द्वारा भाषा के शब्दों का एक शब्दकोश तैयार किया गया जिसका नाम 'अमरकोश' था।

(a) मराठी (b) संस्कृत
(c) तमिल (d) बंगाली

RRB Group-D 15-10-2018 (Shift-III)

Ans. (b) प्राचीनकाल में, अमर सिंह द्वारा संस्कृत भाषा के शब्दों का एक शब्दकोष तैयार किया गया जिसका नाम 'अमरकोश' था। अमरकोश को विश्व का पहला 'समान्तर कोश' कहा जाता है। अमर सिंह, चन्द्रगुप्त द्वितीय के नवरत्नों में से एक थे।

317. साहित्यिक कृति 'रत्नावली' किसकी कृति है?

(a) हर्षवर्द्धन (b) चाणक्य
(c) शूद्रक (d) कालिदास

RRB NTPC 15.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) :

रचनाकार	साहित्यिक कृति
हर्षवर्द्धन	रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानंद
चाणक्य	अर्थशास्त्र
शूद्रक	मृच्छकटिकम्
कालिदास	मेघदूतम् ,कुमारसंभवम्, ऋतुसंहार

318. भारत की महान साहित्यिक कृतियां 'मेघदूत' और 'अभिज्ञान शाकुंतलम' की रचना किसनें की थी?

(a) भास (b) कालिदास
(c) चाणक्य (d) शूद्रक

RRB NTPC 08.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) :

कालिदास की प्रमुख रचनायें → मालविकाग्निमित्रम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम, कुमार संभवम्, रघुवंशम्, मेघदूतम्, आदि।

भास की प्रमुख रचनायें	→	प्रतिमानाटकम्, बालचरितम्, दूतवाक्यम् आदि।
चाणक्य की रचनायें	→	अर्थशास्त्र।
शूद्रक की रचनायें	→	मृच्छकटिकम्, वासवदत्ता आदि।

319. 'राजतरंगिणी' (Rajatarangini) के लेखक कौन हैं?

(a) कालिदास (b) चंदबरदाई
(c) जयदेव (d) कल्हण

RRB NTPC 28.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : 'राजतरंगिणी', कल्हण द्वारा रचित एक संस्कृत ग्रन्थ हैं। इसमें कश्मीर का इतिहास वर्णित है जो महाभारत की शैली पर आधारित है। इसकी रचना 12वीं शताब्दी के आस-पास मानी जाती है। राजतरंगिणी में कुल आठ तरंग है। इसके प्रथम तीन तरंग में राजवंशों की सूची दी गयी है।

320. पंचतंत्र नामक कहानी संग्रह के लेखक का नाम बताइए।

(a) स्कंदगुप्त (b) वेद शास्त्री
(c) विष्णु गुप्त (d) विष्णु शर्मा

RRB NTPC 10.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : पंचतन्त्र कहानी संग्रह विष्णु शर्मा द्वारा लिखा गया है। पंचतन्त्र एक नीति से संबंधित पुस्तक है। संस्कृत की अन्य प्रमुख रचनाएँ हैं-बुद्धचरित, सौन्दरानन्दकाव्यम, शारिपुत्रप्रकरण (अश्वघोष), अभिज्ञानशाकुन्तलम, रघुवंशम् और कुमारसम्भवम् (कालिदास) तथा दशकुमारचरितम् (दण्डी) आदि हैं।

14. प्राचीनकालीन स्थापत्य कला/ चित्रकला/संगीतकला (Ancient Period Architecture/Painting/Music)

321. _____ (sanctum sanctorum) हिन्दू और जैन मंदिरों का अंतरतम पुण्यस्थल है, जहां मंदिर के मुख्य देवता की मूर्ति विराजमान रहती है।

(a) विमान (b) शिखर
(c) मंडपः (d) गर्भगृह

RRB NTPC (Stage-2) 16/06/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : गर्भगृह (sanctum sanctorum), हिन्दू और जैन मंदिरों का अंतरतम पुण्यस्थल है, जहाँ मंदिर के मुख्य देवता की मूर्ति विराजमान रहती है। गर्भगृह के ऊपर पिरामिड आकार की सरंचना को शिखर कहते हैं, तथा दक्षिण भारत में इसको विमान कहते हैं। हिन्दु मंदिर वास्तुकला में मण्डप, गर्भगृह के सामने स्तम्भों पर आधारित बरामदा है।

322. .....में लोकप्रिय मंदिर स्थापत्यकला शैली, नागर कहलाती है।

(a) पूर्वी भारत (b) उत्तर भारत
(c) पश्चिमी भारत (d) दक्षिण भारत

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : छठी शताब्दी ईस्वी से उत्तर भारत में लोकप्रिय मन्दिर स्थापत्यकला शैली, नागर शैली कहलाती है। नागर, 'नगर' शब्द से बना है। सर्वप्रथम नगर में इस शैली का विकास होने की वजह से ही इसे 'नागर शैली' कहकर पुकारा गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर में भीतरगाँव मन्दिर, मध्य प्रदेश के खजुराहों के मन्दिर, ओडिशा स्थित पुरी के मन्दिर नागर शैली के मन्दिरों के प्रमुख उदाहरण हैं। मण्डप, पल्लव शैली की विमान चोल शैली तथा गोपुरम् पाण्ड्य शैली की विशेषताएं हैं।

323. कुषाण शासकों की विशाल प्रतिमाएं माट में एक मंदिर में स्थापित पाई गई हैं। वह राज्य निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) मध्य प्रदेश (b) बिहार
(c) उत्तर प्रदेश (d) उड़ीसा

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : कुषाण राजवंश भारत के प्राचीन राजवंशों में से एक था। इसकी स्थापना कुजुल कडफिसेस ने की थी। कुषाण वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कनिष्क था। राजा की मृत्यु के बाद उसकी मूर्ति बनाकर मंदिर में स्थापित करने की प्रथा देवकुल कहलाती थी, जिसका प्रारम्भ कुषाणों के समय हुआ था उत्तर प्रदेश में माट एंव अफगानिस्तान में सुर्खकोटल से कुषाण वंश के देवकुल प्राप्त हुए है।

324. भगवान शिव को समर्पित कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण, -----के शासक धंगदेव द्वारा लगभग 999 CE में कराया गया था।

(a) राष्ट्रकूट राजवंश (b) चंदेल राजवंश
(c) चालुक्य वंश (d) कलचुरी राजवंश

RRB NTPC (Stage-2) 15/06/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : भगवान शिव को समर्पित कन्दरिया महादेव मन्दिर का निर्माण चन्देल राजवंश के शासक धंगदेव द्वारा लगभग 10वीं शदी में कराया गया था। कन्दरिया महादेव मन्दिर खजुराहो समूह (मध्य प्रदेश) के प्रसिद्ध मन्दिरों में से एक है। यह नागर शैली में निर्मित प्रमुख मन्दिर है। इसकी प्रमुख विशेषता है कि मंदिर की दीवारों पर कामविषयक मूर्तियाँ पायी जाती है।

325. कोणार्क का सूर्य मंदिर ..... के लोकप्रिय नाम से जान जाता है।

(a) श्वेत पैगोडा (b) काला पैगोडा
(c) कांस्य पैगोडा (d) स्वर्णिम पैगोडा

RRB NTPC (Stage-2) 13/06/2022 (Shift-II)

Ans. (b) : कोणार्क का सूर्य मंदिर पूर्वी उड़ीसा के शहर पुरी के पास स्थित है। इसका निर्माण नरसिंह देव प्रथम द्वारा 13वीं शताब्दी में किया गया था, जो गंग वंश के प्रसिद्ध राजा थे।

रथ के आकार का यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है। इसे वर्ष 1984 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। इसे 'ब्लैक पैगोडा' के नाम से भी जाना जाता है।

नोट—उड़ीसा में स्थित जगन्नाथ मंदिर को 'श्वेत पैगोडा' कहा जाता है। इसका निर्माण 11वीं शताब्दी में गंग वंश के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था।

326. निम्न में से कौन-सा भारत में स्थित एक बौद्ध मंदिर है?

(a) गोरखनाथ मंदिर (b) विश्वनाथ मंदिर
(c) महाबोधि मंदिर (d) निधिवन मंदिर

RRB Group-D – 11/10/2022 (Shift–III)

Ans.(c) : महाबोधि मन्दिर, बोध गया स्थित प्रसिद्ध बौद्ध विहार है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर घोषित किया है। यह मंदिर उसी स्थान पर खड़ा है जहाँ गौतम बुद्ध ने ईसा पूर्व 6वीं शताब्दी में ज्ञान प्राप्त किया था।

327. इनमें से किसे प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर की स्थापना का श्रेय दिया जाता है?

(a) सम्राट अशोक (b) राजा राजाराज चोल
(c) राजा नरसिंहदेव प्रथम (d) राजा रघुनाथ सिंह

RRB NTPC 05.03.2021 (Shift-II) Stage Ist
RRB Group-D 17-09-2018 (Shift-III)
RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans. (c) : कोणार्क के सूर्य मंदिर बनवाने का श्रेय नरसिंह देव प्रथम को दिया जाता है, जो कि पूर्वी गंग वंश से संबंधित थे। इसका निर्माण 13वीं शताब्दी में हुआ था तथा इसे ब्लैक पैगोडा भी कहा जाता है। ओडिशा में महानदी के तट पर स्थित यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। इस विश्व प्रसिद्ध स्मारक को 1984 ई. में यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

328. निम्नलिखित मंदिरों में से किसे यूरोपीय नाविकों द्वारा ब्लैक पैगोडा भी कहा जाता था?

(a) कोणार्क मंदिर (b) जगन्नाथ मंदिर
(c) ब्रह्ममेश्वर मंदिर (d) मुक्तेश्वर

RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-II) Stage Ist
RRB NTPC Stage I[st] 28.04.2016 (Shift-III)

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

329. कोणार्क सूर्य मंदिर ——— में स्थित है-

(a) आंध्र प्रदेश (b) छत्तीसगढ़
(c) पश्चिम बंगाल (d) ओडिशा

RPF Constable 18-02-2019 (Shift-III)

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

330. बौद्ध गुफाओं के लिए प्रसिद्ध कार्ले किस राज्य में स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) उत्तर प्रदेश
(c) उत्तराखंड (d) मध्य प्रदेश

RRB NTPC 03.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]
RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (a) बौद्ध गुफाओं के लिए प्रसिद्ध कार्ले महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। ये गुफाएँ सामान्यत: चैत्य गुफाएँ है जिनका निर्माण 2 ई.पू. से 2 ई. तक तथा 5वीं शताब्दी से 10वीं सदी के बीच हुई है।

331. खजुराहो का भव्य मंदिर ..... शासकों द्वारा बनवाया गया था।

(a) परमार (b) चंदेल
(c) चौहान (d) सोलंकी

RRB JE - 28/05/2019 (Shift-II)
RRB NTPC 31.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : खजुराहो का भव्य मंदिर चन्देल शासकों द्वारा बनवाया गया था। खजुराहो के मंदिर मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित हैं। इन मंदिरों का निर्माण 950 से 1050 ई. के मध्य करवाया गया। यहाँ के प्रसिद्ध मंदिरों में कंदरिया महादेव मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, पार्वती मंदिर, विश्वनाथ मंदिर, चौसठ योगिनी मंदिर आदि है।

332. 'खजुराहो' के स्मारक कहाँ पाए जाते है?

(a) महाराष्ट्र (b) बिहार
(c) मध्य प्रदेश (d) गुजरात

RRB NTPC 05.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

333. खजुराहो मंदिर वास्तुकला के किस प्रकार को उजागर करता है?

(a) यूनानी शैली (b) भूमिजा शैली
(c) बेसर शैली (d) नागर शैली

RRB NTPC Stage I[st] 29.04.2016 (Shift-I)

Ans : (d) खजुराहो मंदिर अपने नागर वास्तुकला शैली, कलात्मक कलाकृति और कामोत्तेजक मूर्तियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहाँ के मंदिरों में कंदरिया महादेव का मंदिर सर्वोत्तम है। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल (1986 ई.) के रूप में घोषित किया गया है।

334. भारत के किस राज्य में 'कार्ले' नामक संरक्षित बौद्ध गुफाएँ मौजूद हैं ?

(a) बिहार (b) कर्नाटक
(c) उत्तर प्रदेश (d) महाराष्ट्र

RRB NTPC 05.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : महाराष्ट्र में लोनावाला के निकट कार्ले गुफाओं का निर्माण दूसरी शताब्दी ईस्वी और पाँचवी शताब्दी ईस्वी के मध्य किया गया था। चट्टान काट कर बनायी गयी इन बौद्ध गुफाओं में भारत का सबसे बड़ा चैत्यगृह अवस्थित है जो अपनी स्थापत्य शैली के लिए विख्यात है। ये गुफाएँ अपने विस्तृत शिलालेखों के लिए भी जानी जाती है। कार्ले का चैत्य सातवाहन काल में बनाया गया।

335. बौद्ध गुफाओं में से सबसे अच्छी संरक्षित गुफा कार्ले है जो निम्न में से कौन से राज्य में हैं?

(a) बिहार (b) उत्तर प्रदेश
(c) महाराष्ट्र (d) उत्तराखण्ड

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (c) बौद्ध गुफाओं में से सबसे अच्छी संरक्षित गुफा, कार्ले की गुफा महाराष्ट्र में स्थित है।

336. बृहदेश्वर मंदिर भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) राजस्थान (b) मध्य प्रदेश
(c) तमिलनाडु (d) उत्तर प्रदेश

RRB NTPC 08.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : बृहदेश्वर मंदिर, तमिलनाडु के तंजौर में स्थित है। इसे तंजौर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण कार्य 1009 ई. के आस-पास चोल शासक राजराज प्रथम ने पूरा करवाया गया था। इस मंदिर को राजराजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर पूरी तरह से ग्रेनाइट से निर्मित है। इस मंदिर को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में भी शामिल किया गया है।

337. निम्नलिखित में से किस मंदिर का निर्माण राज राजा चोल द्वारा कराया गया था ?

(a) जगन्नाथ मंदिर (b) बृहदीश्वर मंदिर
(c) मीनाक्षी मंदिर (d) लिंगराज मंदिर

RRB NTPC 29.01.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

338. कंदरिया महादेव मंदिर किस मंदिर समूह से संबंधित है?

(a) महाबलीपुरम् मंदिर (b) कोणार्क मंदिर
(c) ऐलोरा गुफा मंदिर (d) खजुराहो मंदिर

RRB NTPC 12.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : खजुराहों के मंदिरों में सबसे श्रेष्ठ कंदरिया महादेव का मंदिर (मध्य प्रदेश) है। इसके शिखर व अलंकरणों की अपनी विशिष्ट पहचान है। मंदिर में मुख्य प्रतिमा कंदरिया महादेव की है। वर्ष 1986 में खजुराहों के मंदिरों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में स्थान प्राप्त हुआ।

339. मुरुदेश्वर मंदिर (Murudeshwar Temple)..... राज्य में कंदुक गिरि (Kanduka Giri) पर स्थित है।

(a) कर्नाटक (b) ओडिशा
(c) तमिलनाडु (d) केरल

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (a) : मुरूदेश्वर मंदिर कर्नाटक में उत्तरी कन्नड़ जिले के भटकला तालुक में स्थित है। इसका प्रसिद्ध आकर्षण समुद्र तट पर स्थित तथा वास्तुकला की द्रविड़ शैली में निर्मित एवं मंदिर परिसर में स्थापित विशाल शिव प्रतिमा है, जो भारत की सबसे ऊँची (लगभग 123 फिट) प्रतिमा है। यह मंदिर राज्य की कंदुक गिरि पहाड़ी पर स्थित है। इस मंदिर के मुख्य देवता, म्रिदेश्वर या मुरूदेश्वर (भगवान शिव) हैं। शिव प्रतिमा के एक तरफ सुनहरे रंग का सूर्य रथ अर्जुन को भगवान श्री कृष्ण से गीतोपदेश प्राप्त करते हुए दर्शाता है।

340. तिरूवरूर और अजंता के मंदिरों की दीवारों पर किस प्रकार की चित्रकारी मौजूद हैं ?

(a) भित्ति (b) मधुबनी
(c) राजस्थानी (d) मुगलकालीन

RRB NTPC 23.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : तिरूवरूर और अजन्ता के मंदिरों की दीवारों पर भित्ति (Mural) चित्रकारी है। भित्तिचित्र कला सबसे पुरानी चित्रकला है। गुफाओं एवं महलों की दीवारों पर उकेरे या बनाये जाने वाले चित्रों को भित्ति चित्र कहते है। संस्कृत भाषा में दीवार को भित्ति कहा जाता है। भारत में भित्ति चित्रों के सर्वप्रथम साक्ष्य अजंता एवं एलोरा की गुफाओं की दीवारों पर चित्रित भित्तिचित्र है।

341. लिंगराज मंदिर का निर्माण _____ ने कराया था।

(a) मुगल सम्राट शाहजहां
(b) राजपूत चंदेल वंश के शासकों
(c) सोमवंशी राजा ययाति केसरी
(d) राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव

RRB NTPC 17.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : लिंगराज मंदिर का निर्माण सोमवंशी राजा ययाति ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर (10 वीं शताब्दी) में करवाया था। यह मंदिर भगवान त्रिभुवनेश्वर (शिव) को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण देउल शैली में किया गया है।

342. श्री लिंगराज मंदिर किस शहर में स्थित है?

(a) कोणार्क (b) द्वारिका
(c) भुवनेश्वर (d) तिरुपति

RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

343. मोढ़ेरा स्थित सूर्य मंदिर का निर्माण किस राजवंश ने करवाया था?

(a) राष्ट्रकूट राजवंश (b) चालुक्य राजवंश
(c) पल्लव राजवंश (d) सोलंकी राजवंश

RRB NTPC 02.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मोढ़ेरा स्थित सूर्य मदिर का निर्माण सोलंकी वंश के राजा भीमदेव प्रथम द्वारा 1026 ई. में करवाया गया था। यह मंदिर गुजरात के मेहसाणा जिले के मोढ़ेरा गांव में पुष्पावती नदी के किनारे अवस्थित है। सोलंकी वंश को सामान्यतः गुजरात के चालुक्य के नाम से उल्लिखित किया जाता है। सोलंकियों के भी कई अभिलेखों में उन्हे चालुक्य (Chaulukya) कहा गया है। चालुक्यों के नाम की कई शाखाएं थी जैसे बादामी, कल्याणी, वेंगी आदि। राजा भीमदेव I की पत्नी उदयमति ने 'रानी की वाव' का निर्माण पति की स्मृति में करवाया था, जिसे वर्ष 2014 में विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया गया।

344. उदयगिरी और खण्डगिरी गुफाएं..... में स्थित रॉक कट गुफाएं हैं।

(a) मध्य प्रदेश (b) झारखंड
(c) बिहार (d) उड़ीसा

RRB Group-D 15-11-2018 (Shift-III)

Ans. (d) ओडिशा में भुवनेश्वर से 7 किमी. की दूरी पर स्थित दो पहाड़ियाँ उदयगिरी और खण्डगिरि हैं। ये पहाड़ियाँ पुरातात्विक, ऐतिहासिक तथा धार्मिक महत्त्व की है। हाथीगुम्फा शिलालेख में इनका वर्णन 'कुमारी पर्वत' के रूप में आता है। ये दोनों गुफाएँ लगभग 200 मीटर के अंतर पर है। इनका निर्माण खारवेल नरेश के शासनकाल में विशाल शिलाखण्डों से किया गया था। उदयगिरि में 18 जबकि खण्डगिरि में 15 गुफाएं है। इन गुफाओं की यात्रा जैन साधु निर्वाण प्राप्ति के समय करते थे।

345. श्रवणबेलगोला में स्थित गोमतेश्वर मूर्ति किस सामग्री से बनी है?

(a) ग्रेनाइट (b) संगमरमर
(c) लाल पत्थर (d) लौह अयस्क

RRB NTPC 01.03.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में स्थित गोमतेश्वर मूर्ति ग्रेनाइट पत्थर से बनी है। यह 17 मीटर या 58 फीट ऊँची पूरे विश्व में एकाश्म पत्थर से निर्मित विशालकाय मूर्ति है। इस मूर्ति को गंग वंश के राजा राजमल्ल एवं उनके सेनापति चामुंडराय ने बनवाया था।

346. विश्व विरासत स्थान के रूप में प्रसिद्ध अजंता की गुफाएँ निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है?

(a) पुणे (b) नासिक
(c) औरंगाबाद (d) मुंबई

RRB NTPC 03.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद में बाघोरा नदी के पास पश्चिमी घाट पर्वत-माला में रॉक-कट गुफाओं की एक श्रृंखला के रूप में स्थित हैं। इन गुफाओं का विकास 200 ई.पू0 से 7वीं शताब्दी तक शुंग, कुषाण, गुप्त आदि शासकों के काल में हुआ था। यहां कुल 29 गुफाएं है, जिनमें 4 चैत्य और 25 विहार गुफाएं है। इन गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्कों द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।

347. निम्नलिखित में से कौन सा मंदिर मौजूदा चोल मंदिरों में से एक नहीं है?

(a) गंगाईकोंडाचोलापुरम (b) कंपहारेश्वर
(c) बृहदेश्वर (d) ऐरावतेश्वर

RRB NTPC 19.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : गंगईकोंडचोलपुरम, चोल मंदिर नहीं बल्कि यह राजेन्द्र चोल प्रथम की नवीन राजधानी थी। राजेन्द्र चोल प्रथम ने बंगाल और बिहार के पाल राजा महिपाल को हराने के बाद अपनी जीत की स्मृति में इस राजधानी का निर्माण किया। उल्लेखनीय है कि गंगईकोंडचोलपुरम के शिव मंदिर का निर्माण राजेन्द्र प्रथम द्वारा (1035 ई.) किया गया था।

348. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित है?

(a) खजुराहो मंदिर – आंध्र प्रदेश
(b) तिजारा मंदिर – राजस्थान
(c) वेंकटेश्वर मंदिर – ओडिशा
(d) लिंगराज मंदिर – मध्य प्रदेश

RRB NTPC 13.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) :

खजुराहो	–	मध्य प्रदेश
तिजारा मंदिर	–	राजस्थान
वेंकटेश्वर मंदिर	–	आंध्र प्रदेश
लिंगराज मंदिर	–	ओडिशा

349. उस स्मारक का नाम बताइए जो एक पुरातात्विक स्थल के सफल जीर्णोद्धार और संरक्षण का प्रमाण है।

(a) पालिका बाजार (b) इंडिया गेट
(c) गेटवे ऑफ इंडिया (d) साँची स्तूप

RRB NTPC 09.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : स्तूप एक गोल टीले जैसी संरचना है, जिसका प्रयोग पवित्र बौद्ध अवशेषों को रखने के लिए किया जाता है। 1818 में जब सांची की खोज की गयी तो इसके तीन तोरण द्वार तथा टीला सुरक्षित थे। इसके रख रखाव के लिए भोपाल की शासिका शाहजहाँ बेगम तथा उनके उत्तराधिकारियों ने अनुदान दिए। आज यह स्तूप भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के सफल जीर्णोद्धार और संरक्षण का प्रमाण है। साँची स्तूप का निर्माण अशोक ने तीसरी सदी ई.पू0 में करवाया था। यूनेस्को द्वारा इसे वर्ष 1989 में विश्व धरोहर में शामिल किया गया।

350. स्तूप में निर्मित छज्जे (balcony) जैसी संरचना को क्या कहा जाता है?

(a) छत्र (b) हर्मिका
(c) यष्टि (d) अंड

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : स्तूप में अण्ड के ऊपर छज्जे जैसी संरचना को हर्मिका कहा जाता है।
स्तूप के केन्द्र में एक अर्धगोलाकार ईंट का बना ढाँचा होता है। जिसमें उस स्तूप के प्रमुख भगवान के अवशेष रखे जाते हैं। स्तूप के शिखर पर स्मारक को दिए गए ऊँचे सम्मान का प्रतीक रूपी एक छत है।
अण्ड-: स्तूप का अर्धगोलाकार भाग होता है।
यष्टि-: छत को सहारा देने के लिए बनायी जाती है।

351. निम्नलिखित में से किस मंदिर का निर्माण पल्लव वंश के शासकों द्वारा कराया गया था?

(a) कांचीपुरम कैलाशनाथ मंदिर
(b) कोणार्क सूर्य मंदिर
(c) लिंगराज मंदिर
(d) दिलवाड़ा मंदिर

RRB NTPC 06.04.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : कांचीपुरम के कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण पल्लव वंश के शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय ने अपनी पत्नी की प्रार्थना पर बनवाया था। कांचीपुरम पलार नदी के तट पर स्थित है। इस मंदिर में देवी पार्वती और शिव की नृत्य कला को दर्शाया गया है। द्रविड़ शैली में बना यह मंदिर स्थापत्य कला का उत्कृष्ठ नमूना है।

352. हिन्दू मंदिर के किस हिस्से में बड़ी संख्या में उपासकों के लिए जगह होती है?

(a) गर्भगृह (b) विमान
(c) शिखर (d) मण्डप

RRB NTPC 01.04.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (d) : मंदिरों के बाहर स्तम्भों पर टिके परिसर को मण्डप कहते है, जिसमें बड़ी संख्या में उपासकों के लिए जगह होती है।

353. वह कौन सी भारतीय चित्रकला शैली है जिसमें शुद्ध सोने और कीमती पत्थरों की सजावट है और इसमें हिंदू देवताओं, विशेष रूप से भगवान कृष्ण को दर्शाया गया है?

(a) मधुबनी (b) भित्ति चित्र
(c) वार्ली (d) तंजौर पेंटिंग

RRB NTPC 17.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : तंजौर चित्रकला दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के तंजावुर शहर का स्थानीय कला रूप है। चोल वंश की राजधानी तंजावुर में इस कला का पैटर्न फला-फूला था। इस कला का आधार धार्मिक एवं आध्यात्मिक है, जिसमें शुद्ध सोने और कीमती पत्थरों की सजावट है और इसमें हिन्दू देवताओं विशेष रूप से भगवान कृष्ण को दर्शाया जाता है।

354. अजंता की गुफाएं कहाँ स्थित है?

(a) तमिलनाडु (b) छत्तीसगढ़
(c) महाराष्ट्र (d) दिल्ली

RRB NTPC 12.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : अजंता की गुफाएं महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है। इन गुफाओं को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया था। इन गुफाओं में बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण एवं शिल्पकारी के उत्कृष्ट नमूने मिलते हैं।

355. सांची स्तूप _____ शहर के पास स्थित है।

(a) भोपाल (b) ग्वालियर
(c) आगरा (d) झांसी

RRB NTPC 11.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : सांची मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में स्थित एक छोटा सा गाँव हैं, यह भोपाल से मात्र 46 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित हैं। मौर्य सम्राट अशोक महान ने तीसरी शताब्दी, ई. पू0 में सांची के महान स्तूप का निर्माण करवाया था। सांची स्तूप को वर्ष 1989 में यूनेस्कों की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है।

356. विख्यात् सांची स्तूप किसने बनवाया (commissioned by) था?

(a) बिंदुसार (b) अशोक
(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) कनिष्क

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

357. तंजावुर का कौन सा मंदिर चोल वास्तुकला का उदाहरण है, जिसका निर्माण सम्राट राजराज ने करवाया था?

(a) भगवान मुरुगन मंदिर (b) नागनाथस्वामी मंदिर
(c) तिरुमानंजेरी मंदिर (d) बृहदीश्वर मंदिर

RRB NTPC 05.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : बृहदीश्वर मंदिर- तंजावुर का बृहदीश्वर मंदिर चोल शासक राजराज प्रथम द्वारा 1010 ई. में बनवाया गया था। यह द्रविड़ शैली के स्थापत्य का आदर्श उदाहरण है। यह भगवान शिव को समर्पित है इसे राजराजेश्वर मंदिर भी कहा जाता है।
भगवान मुरुगन मंदिर- भगवान मुरुगन का मंदिर तमिलनाडु में स्थापित हैं।
नागनाथ स्वामी मंदिर- यह तमिलनाडु के तिरुनागेश्वरम नामक स्थान पर स्थित है।

358. सबरीमाला मंदिर कहाँ पर स्थित है?

(a) केरल (b) उड़ीसा
(c) महाराष्ट्र (d) आंध्र प्रदेश

RRB NTPC 28.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : सबरीमाला मंदिर भारत के केरल राज्य के पतनमतिट्टा जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान अयप्पा को समर्पित है। इस मंदिर में 10 से 50 वर्ष तक की महिलाओं का प्रवेश निषेध है। ध्यातव्य है कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2018 में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था।

359. चित्रकला की पट्टचित्र शैली निम्नलिखित में से किस राज्य की सबसे पुरानी और लोकप्रिय कला है?

(a) ओडिशा (b) राजस्थान
(c) बिहार (d) आंध्र प्रदेश

RRB NTPC 28.12.2020 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : चित्रकला की पट्टचित्र शैली ओडिशा के सबसे पुराने एवं लोकप्रिय रूपों में से एक है। पट्टचित्र का नाम संस्कृत शब्दों 'पट्ट' (कैनवास/कपड़ा) और 'चित्र' (चित्रण करना) से लिया गया है। पट्टचित्र कैनवास पर की जाने वाली ऐसी चित्रकला है जिसमें समृद्ध रंगों का प्रयोग, रचनात्मक रूपांकन और डिजाइनों तथा सरल विषयों का चित्रण किया जाता है। इस चित्रकारी में जगन्नाथ मंदिर का चित्रण, कृष्ण लीला का चित्रण तथा भगवान विष्णु के दस अवतारों का चित्रण प्रमुख है। ध्यातव्य है कि पट्टचित्र शैली को भौगोलिक संकेतक प्राप्त है।

360. कामाख्या मंदिर किस राज्य में स्थित है?

(a) मणिपुर (b) सिक्किम
(c) असम (d) मेघालय

RRB NTPC 10.01.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (c) : कामाख्या मंदिर असम की राजधानी दिसपुर के पास गुवाहाटी से 8 किमी. दूर कामाख्या में है। यह मंदिर शक्ति की देवी सती का मंदिर है जो नीलांचल पहाड़ी पर स्थित है। प्राचीन काल से सतयुगीन तीर्थ कामाख्या वर्तमान में तंत्र सिद्धि का सर्वोच्च स्थल है। प्रत्येक वर्ष कामाख्या मंदिर में अंबुबाची मेले का आयोजन किया जाता है।

361. मुंबई के निकट एलीफैंटा की गुफाओं में स्थित मंदिर ..... को समर्पित है।

(a) देवी काली (b) भगवान विष्णु
(c) भगवान कृष्ण (d) भगवान शिव

RRB NTPC 09.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (d) : मुम्बई के निकट एलीफैंटा की गुफा में बने मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। रॉक कट एलिफेंट गुफाओं का निर्माण 5वीं से 6वीं शताब्दी ईस्वीं के मध्य में हुआ था। एलीफैंटा की गुफाएं 7 गुफाओं का सम्मिश्रण है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण है महेश मूर्ति गुफा। 1987 ई. में यूनेस्को द्वारा एलीफेंटा गुफाओं को विश्व धरोहर घोषित किया गया है।

362. एलिफेंटा की गुफाएं कहाँ स्थित हैं?

(a) बेंगलूरू (b) कोणार्क
(c) मुम्बई (d) जयपुर

RRB JE - 25/05/2019 (Shift-II)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

363. एहोल शिलालेख निम्नलिखित में से किन शासकों से जुड़े हुए हैं?

(a) विक्रमादित्य (b) अकबर
(c) अशोक (d) पुलकेशिन द्वितीय

RRB Group-D 22-09-2018 (Shift-I)

Ans : (d) ऐहोल अभिलेख पुलकेशिन द्वितीय से सम्बन्धित है। इस अभिलेख के रचनाकार जैन कवि रविकीर्ति है तथा इसमें पुलकेशिन द्वितीय तथा हर्षवर्धन के बीच हुए युद्ध का वर्णन है। पुलकेशिन द्वितीय वातापी के चालुक्य वंश का पराक्रमी व प्रसिद्ध शासक था जिसका शासनकाल 609-642 ई. तक था। पुलकेशिन ने गृहयुद्ध में चाचा मंगलेश पर विजय प्राप्त कर राज्याधिकार प्राप्त किया। उसने श्री पृथ्वीवल्लभ की उपाधि से स्वयं को विभूषित किया।

364. अजन्ता गुफा की चित्रकला भारत में ..... के स्वर्ण युग का प्रमाण है?

(a) बौद्ध धर्म (b) शैव धर्म
(c) जैन धर्म (d) वैष्णव धर्म

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (a) महाराष्ट्र के औरंगाबाद से लगभग 107 किमी. दूरी पर स्थित अजन्ता की गुफाएँ भारत में बौद्ध चित्रकला के स्वर्ण युग का प्रमाण है। गुफाओं की दीवारों (भित्ति) तथा छतों पर बनाए गए चित्रों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण चित्र जातक कथाओं से जुड़ा हुआ है। रंगों की रचनात्मकता, विचारों की स्वतंत्रता एवं गुफा चित्रकारी का अद्वितीय नमूना होने के कारण यूनेस्को द्वारा इसे 1983 ई. में वैश्विक धरोहर में सम्मिलित किया गया है।

365. अजंता गुफाओं की चित्रकारी क्या दर्शाती है?

(a) महाभारत की कथाएं (b) जातक कथाएं
(c) रामायण की कथाएं (d) वेदों की कहानियां

RRB NTPC 04.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (b) : अजन्ता की गुफाओं का विकास 200 ई.पू. से 650 ईस्वी. के मध्य हुआ था। वाकाटक शासकों के संरक्षण में अजन्ता की गुफाएं बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उत्कीर्ण की गई थी। अजन्ता की गुफाओं की जानकारी चीनी बौद्ध यात्रियों फाहियान (चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल के दौरान) और ह्वेनसांग (सम्राट हर्षवर्धन के शासन काल के दौरान) के यात्रा वृत्तांतो में पाई जाती है। इन गुफाओं में आकृतियों को फ्रेस्को पेंटिंग का उपयोग करके दर्शाया गया था। इन चित्रों में सामान्यतः बुद्ध और जातक कहानियों को प्रदर्शित किया गया है।

366. अजंता के चित्र क्या चित्रित करते हैं?

(a) महाभारत (b) रासलीला
(c) जातक कथाएँ (d) राष्ट्रकूट कहानियाँ

RRB Group-D 24-09-2018 (Shift-III)

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

367. अजंता और एलोरा की गुफाएं .....धर्म की सबसे पहली वास्तुकला, गुफा-चित्रकला एवं मूर्तिकला के उत्तम उदाहरणों में से हैं।

(a) बुद्ध (b) हिन्दू
(c) जैन (d) राजपूत

RRB Group-D 23-10-2018 (Shift-I)

Ans. (a) महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित अजंता और एलोरा की गुफाएं बौद्ध धर्म की सबसे पहली वास्तुकला, गुफा- चित्रकला एवं मूर्तिकला के उत्तम उदाहरणों में से है।

368. अजंता एवं एलोरा की गुफाएं किस राज्य में स्थित हैं?

(a) मध्य प्रदेश (b) महाराष्ट्र
(c) मणिपुर (d) उत्तर प्रदेश

RRB NTPC 28.03.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans :(b) अजंता एवं एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के समीप स्थित है। ये गुफाएँ बड़ी–बड़ी चट्टानों को काटकर बनाई गयी है। 30 गुफाएँ अजंता में तथा 34 गुफाएँ एलोरा में है। अजंता

की गुफाएँ सह्याद्रि पहाड़ियों पर स्थित घोड़े की नाल के आकार में निर्मित है। इन गुफाओं में 200 ईसा पूर्व से 650 ई. तक के बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण किया गया है। एलोरा की गुफाएँ बेसाल्टिक चट्टानों को काटकर बनाए गये हैं। इन गुफाओं में हिन्दू, जैन और बौद्ध तीनों धर्मों की आस्था का प्रभाव देखने को मिलता है।

369. अजन्ता गुफाएँ जो करीब 30 रॉक–आउट बौद्धिक गुफा है, जो ''भारतीय कला के बेहतरीन जीवित उदाहरण है, विशेष रूप से पेन्टिंग में'' कहाँ स्थित है?

(a) अमरावती, महाराष्ट्र (b) औरंगाबाद, महाराष्ट्र
(c) पुणे, महाराष्ट्र (d) रत्नागिरि, महाराष्ट्र

RRB NTPC Stage Ist 29.04.2016 (Shift-III)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

370. महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में अजंता की गुफाएं जिनमें लगभग 30 चट्टानों को काट कर बौद्ध गुफाएं बनाई गई थी, वह कितनी प्राचीन थी?

(a) 8वीं सदी ई.पू. (b) 2वीं सदी ई.पू.
(c) 6वीं सदी ई.पू. (d) 7वीं सदी ई.पू.

RRB NTPC 07.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित अजंता की गुफाएँ लगभग 30 चट्टानों को काटकर बनाई गई है। ये बौद्ध गुफाएँ दूसरी सदी ई.पू. की है। एलोरा की गुफा भारत में औरंगाबाद महाराष्ट्र से 30km की दूरी पर स्थित हैं। इन्हें राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था।

371. एलोरा के मंदिरों का निर्माण ..... ने करवाया था।

(a) चेर शासकों (b) पांड्यों
(c) चोल शासकों (d) राष्ट्रकूटों

RRB Group-D 27-11-2018 (Shift-I)

Ans. (d) : एलोरा के मंदिरों का निर्माण राष्ट्रकूट शासकों ने करवाया था। एलोरा (महाराष्ट्र) में 34 शैलकृत गुफाएं हैं। गुफा संख्या 16 में शिव मंदिर स्थापित है, जिसे कैलाश मंदिर के नाम से जाना जाता है। द्रविड़ शैली के कैलाश मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूट शासक कृष्ण प्रथम ने करवाया था।

372. बृहदेश्वर मन्दिर _____में है :

(a) बैंगलोर (b) तंजावुर
(c) चेन्नई (d) कोचिन

RRB Group-D 05-12-2018 (Shift-III)

Ans. (b) बृहदेश्वर अथवा राजराजेश्वर मंदिर तमिलनाडु के तंजौर (तंजावुर) में स्थित एक शैव (हिन्दू) मंदिर है, जो 11वीं सदी के आरम्भ में बनाया गया था। इसे तमिल भाषा में बृहदीश्वर के नाम से जाना जाता है। यह ग्रेनाइट का बना हुआ है। यह मंदिर चोल वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसका निर्माण चोल शासक राजराज प्रथम के शासनकाल के दौरान किया गया था। यह यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल है।

373. बृहदेश्वर मंदिर राजा ..... द्वारा बनाया गया था।

(a) राजेंद्र चोल (b) श्री विजय
(c) पृथ्वीराज चौहान (d) राजा राज चोल प्रथम

RRB Group-D 05-10-2018 (Shift-II)
RRB Group-D 30-10-2018 (Shift-II)

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

374. बृहदेश्वर मंदिर (Brihadeeshwar Temple) शिव को समर्पित एक हिन्दू मंदिर है, जो भारतीय राज्य तमिलनाडु के तंजौर जिले में स्थित है। यह ..... के सिंहासन की शोभा बढ़ाने के लिए बनाया गया था–

(a) चोल साम्राज्य (b) मौर्य साम्राज्य
(c) गुप्त साम्राज्य (d) मुगल साम्राज्य

RRB Group-D 27-09-2018 (Shift-I)
RRB Group-D 29-10-2018 (Shift-III)
RRB NTPC 10.04.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

375. प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर.....में स्थित है।

(a) तेलंगाना (b) तमिलनाडु
(c) केरल (d) कर्नाटक

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-I) Stage IInd

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

376. बृहदेश्वर मंदिर किस प्रकार की समाग्री से बनाया गया था?

(a) साबुन (b) ग्रेनाइट
(c) बलुआ पत्थर (d) संगमरमर

RRB NTPC 31.03.2016 (Shift-III) Stage Ist

Ans : (b) बृहदेश्वर मंदिर तमिलनाडु के तंजौर जिले में स्थित एक हिंदू मंदिर है, जो पूरी तरह ग्रेनाइट से निर्मित है।

377. पुरी के जगन्नाथ मंदिर का निर्माण किसने किया?

(a) अनंतवर्मन चोडगंग (b) नरसिंहवर्मन
(c) आदित्यवर्मन (d) परमेश्वरमन

RRB J.E. (14.12.2014, Green paper)

Ans. (a) : पुरी का श्री जगन्नाथ मंदिर एक हिन्दू मंदिर है, जो भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) को समर्पित है। यह भारत के ओडिशा राज्य के तटवर्ती शहर पुरी में स्थित है। जगन्नाथ शब्द का अर्थ जगत का स्वामी होता है। इनकी नगरी ही जगन्नाथपुरी या पुरी कहलाती है। इस मंदिर का निर्माण कलिंग राजा अनन्तवर्मन चोडगंग देव ने करवाया था।

378. प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर कहाँ स्थित है?

(a) तमिलनाडु (b) उत्तर प्रदेश
(c) गुजरात (d) राजस्थान

RRB NTPC Stage Ist 22.04.2016 (Shift-I)

Ans : (c) सोमनाथ मंदिर गुजरात (सौराष्ट्र) के काठियावाड़ क्षेत्र में स्थित है। इसे सोमनाथ ज्योतिर्लिंग भी कहते हैं। इसी क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण ने 'यदु वंश' का संहार करने के बाद अपनी नर लीला समाप्त की थी। 1024 ई. में महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर के हीरे–जवाहरात लूट कर अपने देश गजनी चला गया। इसके बाद राजा भीमदेव, सिद्धराज जयसिंह तथा विजयधर कुमारपाल ने मंदिर की प्रतिष्ठा व पवित्रीकरण में सहयोग प्रदान किया।

379. सोमनाथ मंदिर भारत में .....के पश्चिमी तट पर स्थित है।

(a) गोवा (b) गुजरात
(c) केरल (d) महाराष्ट्र

RRB Group-D 02-11-2018 (Shift-I)

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

380. निम्नलिखित में से विमल शाह द्वारा निर्मित संगमरमर का मंदिर कौन सा है?

(a) दिलवाड़ा मंदिर (b) वृहदेश्वरर मंदिर
(c) ओंकारेश्वर मंदिर (d) रानकपुर आदिनाथ मंदिर

RRB NTPC 16.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (a) माउंट आबू स्थित दिलवाड़ा जैन मंदिरों का निर्माण 11वीं से 13वीं शताब्दी के बीच चालुक्य वंश के शासनकाल में हुआ था। इन मंदिरों की दीवारें, खम्भों व द्वारों का निर्माण सफेद संगमरमर से किया गया है जिस पर अभूतपूर्व एवं अतुलनीय नक्काशी की गयी है। यह मंदिर परिसर पाँच मंदिरों का समूह है, जिसमें श्री आदिनाथ मंदिर या विमल वसाही मंदिर का निर्माण गुजरात के सोलंकी (चालुक्य) शासक के मंत्री विमल शाह द्वारा 1031 ई. में करवाया गया है। यह मंदिर यहाँ का सबसे प्राचीन मंदिर है। इसमें जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ जी को मूलनायक के रूप से स्थापित किया गया है। अन्य चार मंदिरों में 'श्री नेमिनाथ मंदिर या लूना वसाही मंदिर' का निर्माण तेजपाल तथा वास्तुपाल द्वारा, श्री पार्श्वनाथ मंदिर का निर्माण मांडलिक द्वारा तथा श्री महावीर स्वामी मंदिर का निर्माण 1582 ई. में किया गया। जिसमें नक्काशी चित्रकार सिरोही द्वारा किया गया था तथा श्री ऋषभदेव मंदिर का निर्माण भीम शाह द्वारा किया गया था।

381. माउंट आबू का दिलवाड़ा मंदिर (Dilwara Temple) निम्नलिखित में से किस देवी-देवता को समर्पित है?

(a) जगन्नाथ (b) आदिनाथ
(c) बद्रीनाथ (d) केदारनाथ

RRB NTPC 21.03.2021 (Shift-II) Stage Ist

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

382. दिलवाड़ा मंदिर.....में स्थित है।

(a) माउंट आबू (b) खजुराहो
(c) भुवनेश्वर (d) औरंगाबाद

RRB NTPC 01.02.2021 (Shift-I) Stage Ist

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

383. मध्य प्रदेश (MP) में स्थित वैश्विक विरासत स्थल भीमबेटका ..... प्रसिद्ध है–

(a) वनों के लिए
(b) पर्वत श्रृंखलाओं के लिए
(c) पाषाण आश्रय (रॉक शेल्टर) के लिए
(d) झरनों के लिए

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (c) मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित वैश्विक विरासत स्थल भीमबेटका पाषाण आश्रय (रॉक शेल्टर) के लिए प्रसिद्ध है। भीमबेटका के चित्रों को पुरापाषाण काल से मध्य पाषाण काल के समय का माना जाता है। जुलाई, 2003 में यूनेस्को (UNESCO) ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

384. भीमबेटका की गुफाएं कितने साल पुरानी मानी जाती है?

(a) 1000 साल (b) 5000 साल
(c) 30,000 साल (d) 300 साल

RRB NTPC 29.03.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (c) भीमबेटका की गुफाएँ भोपाल (म.प्र.) से 46 किमी. दक्षिण में स्थित है जिसकी खोज प्रसिद्ध पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. वी.एस. वाकणकर ने 1958 ई. में की थी। भीमबेटका की गुफाएँ लगभग 30000 वर्ष पुरानी है जबकि इस पर उकेरे गये चित्र लगभग 12000 वर्ष पुराने हैं।

385. भीमबेटका गुफाएँ कहाँ स्थित हैं?

(a) उत्तर प्रदेश (b) मध्य प्रदेश
(c) आंध्र प्रदेश (d) हिमाचल प्रदेश

RRB NTPC Stage I[st] 22.04.2016 (Shift-II)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

386. हनमकोंडा शहर में स्थित एक ऐतिहासिक हिन्दू मंदिर, हजार स्तंभ मंदिर (थाउजेंड पिलर टेम्पल) का निर्माण.....द्वारा कराया गया था।

(a) रूद्र देव (b) कृष्णदेव राय
(c) जहांगीर (d) औरंगजेब

RRB NTPC Stage I[st] 28.04.2016 (Shift-II)

Ans : (a) हजार स्तम्भ मन्दिर एक हिन्दू मन्दिर है। यह तेलंगाना के हनमकोंडा में स्थित है। इस मन्दिर में भगवान विष्णु, शिव तथा सूर्य की मूर्तिया है। इस मंदिर का निर्माण काकतीय राजवंश के शासक प्रताप रूद्रदेव ने 1163 ई. में करवाया था।

387. दिल्ली के अशोक स्तंभ ने वैज्ञानिको को अचंभित कर रखा है क्योंकि यह मौसम की सभी अतिनिश्चतता को झेलता है और उसमें न तो जंग लगती है और ना ही संक्षारित होता है। वह धातु से बनाया हुआ है?

(a) लोहा (b) कांसा
(c) टेराकोटा (d) एकल चट्टान पत्थर

RRB NTPC Stage I[st] 22.04.2016 (Shift-II)

Ans : (a) दिल्ली के अशोक स्तंभ का निर्माण अशोक ने 300 ई. पूर्व में करवाया था। यह धातुकर्म का सर्वोत्तम नमूना है, इसको बनाते समय पिघले हुए कच्चे लोहे में फास्फोरस तत्व मिलाया गया था। इससे आयरन के अणु बंध नहीं बना पाते, जिसकी वजह से जंग लगने की गति हजारों गुना धीमी हो जाती है।

388. मीनाक्षी मंदिर कहाँ पर स्थित है?

(a) तमिलनाडु (b) राजस्थान
(c) महाराष्ट्र (d) पंजाब

RRB NTPC Stage I[st] 19.01.2017 (Shift-III)

Ans : (a) मीनाक्षी मंदिर भारत के तमिलनाडु राज्य के मदुरई नगर में स्थित एक ऐतिहासिक मन्दिर है। यह हिन्दू देवता शिव (सुन्दरेश्वर या सुन्दर ईश्वर के रूप में) एवं उनकी भार्या देवी पार्वती (मीनाक्षी) दोनों को समर्पित है।

389. महाबोधि मंदिर (Mahabodhi Temple) या महान जागृति मंदिर एक बौद्ध मंदिर है जो ..... में स्थित है–

(a) तमिलनाडु (b) बिहार
(c) महाराष्ट्र (d) आन्ध्र प्रदेश

RRB NTPC 10.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (b) महाबोधि मंदिर, बोध गया स्थित प्रसिद्ध बौद्ध विहार है जो बिहार राज्य में स्थित है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। यह विहार उसी स्थान पर है जहाँ गौतम बुद्ध ने ईसा पूर्व 6वीं शताब्दी में ज्ञान प्राप्त किया था।

390. महाबोधि मन्दिर संकुल, भगवान बुद्ध से संबंधित चार पवित्र स्थलों में से एक स्थित है–

(a) बिहार (b) तमिलनाडु
(c) कर्नाटक (d) दिल्ली

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (a) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

391. उस स्मारक का नाम बताइए जिसमें नौ हिन्दू मंदिरों की प्रभावशाली श्रृंखला के साथ-साथ एक उत्कृष्ट कृति के साथ एक जैन पवित्र स्थान, विरूपाक्ष का मंदिर भी शामिल है और बागलकोट, कर्नाटक में स्थित है?

(a) महाबलीपुरम में स्मारकों का समूह
(b) हम्पी में स्मारकों का समूह
(c) पट्टडकल में स्मारकों का समूह
(d) खजुराहो में स्मारकों का समूह

RRB NTPC 11.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (c) पट्टडकल स्मारक परिसर भारत के कर्नाटक राज्य में पट्टडकल नामक कस्बे में स्थित है। यहाँ चालुक्य वंश के राजाओं ने सातवीं और आठवीं शताब्दी में कई मंदिर बनाए थे, आज यहाँ हिन्दू धर्म से संबंधित नौ मंदिर एवं एक जैन धर्मशाला स्थित है। इसे 1987 ई. में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।

392. निम्नलिखित में से किस राजा ने गंगैकोंडा चोलापुरम मंदिर का निर्माण किया था?

(a) राजेन्द्र चोला I (b) कुलोतुंग चोला III
(c) राज राज चोला III (d) विक्रम चोला

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (a) गंगैकोण्डाचोलापुरम् मंदिर का निर्माण राजेन्द्र चोल–I ने 1035 ई. में करवाया था।

393. निम्नलिखित में से कौन सी गुफाओं की खुदाई राजा खारवेल द्वारा की गई थी?

(a) अजंता की गुफाएँ (b) एलोरा की गुफाएँ
(c) कान्हेरी गुफाएँ (d) खंडगिरि गुफाएँ

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-III) Stage I[st]

Ans : (d) कलिंग नरेश खारवेल ने खंडगिरि की गुफाओं की खुदवाई करवाई थी। ये गुफाएँ ओडिशा क्षेत्र में जैन एवं बौद्ध धर्म के प्रभावों को दर्शाती है। खंडगिरि की गुफाओं की संख्या 15 तथा इनकी ऊँचाई 118 फुट है।

394. निम्नलिखित में से किस साम्राज्य के दौरान चेन्नाकेसवा मंदिर का निर्माण किया गया था?

(a) होयसल (b) यादव
(c) चोला (d) पाल

RRB NTPC 18.04.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (a) होयसल (Hoysal) साम्राज्य के दौरान कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेसवा (Chennakesava) मंदिर का निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजा विष्णुवर्धन द्वारा करवाया गया था। केशव मंदिर की दीवारों पर देवताओं की छवियों, देवी, संगीतकारों, शेर, बंदर, हाथी, नृत्य करती लड़कियों से नक्काशी की गयी है।

395. तमिलनाडु स्थित महाबलीपुरम् में इमारतों का समूह निर्मित किया गया?

(a) चोलों द्वारा (b) पांडयो द्वारा
(c) चालुक्यों द्वारा (d) पल्लवों द्वारा

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-III) Stage II[nd]

Ans : (d) तमिलनाडु स्थित महाबलीपुरम् में इमारतों के समूह का निर्माण पल्लवों द्वारा किया गया था। यह प्राचीन शहर अपने भव्य मंदिरों, स्थापत्य और सागर तटों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। सातवीं शताब्दी में यह शहर पल्लवों की राजधानी थी, जो द्रविड़ वास्तुकला की दृष्टि से अग्रणी स्थान रखता है।

396. शोर मंदिर कहाँ पर स्थित है?

(a) महाबलीपुरम (b) तिरूवनंतपुरम
(c) द्वारका (d) विशाखापत्तनम

RRB NTPC 04.04.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (a) शोर मन्दिर महाबलीपुरम में स्थित है। शोर मन्दिर दक्षिण भारत के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक माना जाता है, जिसका निर्माण नरसिंह वर्मन द्वितीय ने करवाया था। यह द्रविड़ शैली का बेहतरीन नमूना है। शोर मन्दिर के भीतर तीन मन्दिर हैं जिसमें बीच में भगवान विष्णु का मन्दिर है तथा इसके दोनों तरफ शिव मन्दिर है।

397. कांचीपुरम में कैलाशनाथम मन्दिर का निर्माण किसके शासनकाल में हुआ था?

(a) पांडया (b) चोल
(c) पल्लव (d) चेर

RRB NTPC 18.01.2017 (Shift-II) Stage II[nd]

Ans : (c) कांचीपुरम (तमिलनाडु) के कैलाशनाथम मंदिर (राजसिद्वेश्वर मंदिर) का निर्माण पल्लव वंश के शासक नरसिंह वर्मन–II (680-720 ई.) ने कराया था। इसी मंदिर से द्रविड़ स्थापत्य कला की शुरुआत हुई।

398. 'तांत्रिक योगिनी' (Tantric Yogini) पंथ का मूल स्थान ..... माना जाता है–

(a) उत्तर प्रदेश (b) बिहार
(c) ओडिशा (d) राजस्थान

RRB NTPC 30.03.2016 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (c) तांत्रिक योगिनी पंथ का मूल स्थान ओडिशा को माना जाता है। आज भारत में केवल चार चौसठ योगिनी मंदिर ही हैं और अन्य नष्ट हो चुके हैं। इन चार में से दो मध्य प्रदेश (खजुराहो एवं भेड़ाघाट) एवं दो ओडिशा (हीरापुर एवं रानीपुर झारियाल) में है।

399. गांधार कला एक बौद्ध दृश्य कला शैली, जिसका विकास प्रथम शताब्दी ई. पू. तथा 4वीं शताब्दी ई.पू. में व्यापक तौर पर.....के साम्राज्य में समृद्ध हुआ।

(a) कुषाण (b) गुप्त
(c) पल्लव (d) मौर्य

RRB NTPC 17.01.2017 (Shift-I) Stage I[st]

Ans : (a) गांधार कला को ग्रीको-बौद्धिष्ट कला भी कहते हैं क्योंकि इसमें भारतीय विषयों को यूनानी ढंग से व्यक्त किया गया था। सामान्यत: गांधार कला का विकास पहली शताब्दी से चौथी शताब्दी के मध्य कुषाण वंशीय शासकों के काल में हुआ।

400. श्रवणबेलगोला कहां पर स्थित है?

(a) ओडिशा (b) केरल
(c) तमिलनाडु (d) कर्नाटक

RRB NTPC 30.03.2016 (Shift-II) Stage I[st]

Ans : (d) श्रवणबेलगोला कर्नाटक राज्य के मैसूर शहर में स्थित है। यहाँ का मुख्य आकर्षण गोमतेश्वर/बाहुबली स्तम्भ है। बाहुबली मोक्ष प्राप्त करने वाले प्रथम तीर्थंकर थे। प्राचीनकाल में यह स्थान जैन धर्म एवं संस्कृति का महान केन्द्र था। जैन अनुश्रुति के अनुसार मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त ने अपने राज्य का परित्याग कर अंतिम दिन मैसूर के श्रवणबेलगोला में व्यतीत किये।